CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-04-2026 Zone: Faridabad Edition: 1 Page: NBTFRFL1 User: cci Time: 04-11-2026 22:50 Color:

नई दिल्ली > रविवार, 12 अप्रैल 2026 > चैत्र 22, शक संवत 1948, वैशाख कृष्ण दशमी, विक्रम संवत 2083

WATCH GOD

N

संडे नवभा

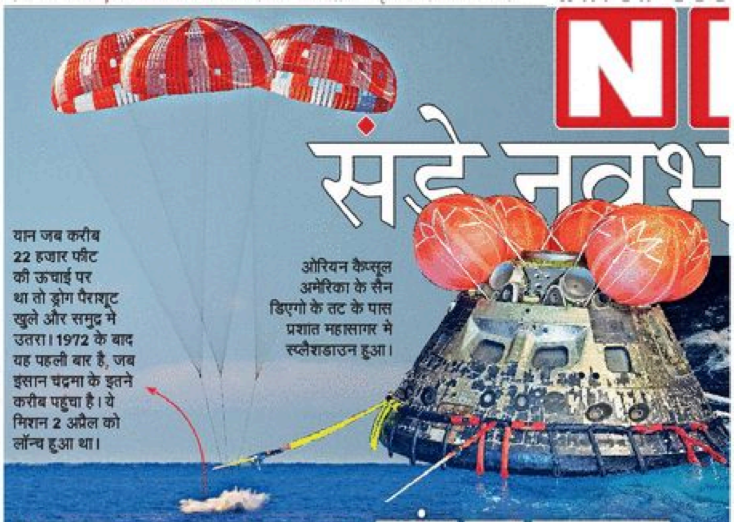

यान जब करीब 22 हजार फीट की ऊंचाई पर था तो ड्रोग पैराशूट खुले और समुद्र में उतरा। 1972 के बाद यह पहली बार है, जब इंसान चंद्रमा के इतने करीब पहुंचा है। ये मिशन 2 अप्रैल को लॉन्च हुआ था।

ओरियन कैप्सूल अमेरिका के सैन डिएगो के तट के पास प्रशांत महासागर में स्प्लैशडाउन हुआ।

ये चारों एस्ट्रोनॉट्स 50 साल से भी ज्यादा समय के बाद चंद्रमा के इतने करीब जाने वाले पहले इंसान बन गए हैं।

चांद का चक्कर, धरती पर वापसी

नासा के आर्टेमिस II मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की दहलीज छूकर शनिवार सुबह धरती पर लौटे। इस सफलता ने 2028 में होने वाली मानव लैंडिंग का रास्ता साफ कर दिया। नासा का लक्ष्य चांद पर फिर से जाना ही नहीं, बल्कि वहां इंसानों के रहने के लिए परमानेंट बेस बनाना भी है।

फटाफट खबरें

कूनो में चीता ने दिया 4 शावकों को जन्म

मध्यप्रदेश के कूनो नैशनल पार्क में शनिवार को भारतीय मूल की मादा चीता ने जंगल में 4 शावकों को जन्म दिया। इसके साथ देश में चीतों की संख्या 57 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह कूनो में दर्ज पहली ऐसी घटना है।

छह हजार से अधिक कंटेंट हटवाए

हरियाणा पुलिस ने इस साल अब तक आपत्तिजनक, भ्रामक और लॉ एंड ऑर्डर को प्रभावित करने वाले 6083 यूआरएल/कंटेंट/पेज/वेबसाइट्स को हटवाया है। हरियाणा के DGP ने सोशल मीडिया पर अशोभनीय व भ्रामक कंटेंट परोसने वालों को चेतावनी दी है। » पेज 4

संडे स्पेशल

जस्ट जिंदगी
घुटने कर रहे दर्द, पर क्या सच में है बदलवाने की जरूरत? पेज 9

विचार विंडो
...क्योंकि प्यार सिर्फ एक से नहीं होता पेज 6

स्पेशल स्टोरी
करोड़ों की क्यों होती है कोई पेंटिंग? पेज 6

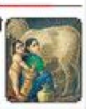

चालान नहीं भुगता तो इंश्योरेंस, PUC रिन्यू पर लगेगी रोक

Rajesh.Saroha
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अगर आप बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं और चालान नहीं भरते, तो संभल जाइए। दिल्ली सरकार जल्द मोटर वीकल एक्ट में बदलाव से जुड़ा नोटिफिकेशन लाने वाली है। इसके तहत, तय समय में चालान भरना जरूरी होगा। समय पर भुगतान नहीं किया तो गाड़ी का PUC, FASTag और इंश्योरेंस रिन्यू नहीं हो पाएगा। इतना ही नहीं, एक साल में 5 चालान पर ड्राइवर का लाइसेंस भी सस्पेंड किया जा सकता है।

ये जानकारी दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर (ट्रैफिक) नीरज ठाकुर ने 'जाम के खिलाफ जंग' सीरीज के तहत हुए 'NBT संवाद' में दी। उन्होंने कहा कि इस कदम से नियम तोड़ने वालों पर लगाम लगेगी और सड़क सुरक्षा बेहतर होगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय 2026 में इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर चुका है। अब इसी आधार पर दिल्ली सरकार सख्ती से नियम लागू करेगी। नोएडा, गुड़गांव और फरीदाबाद से भी लोग गाड़ी से दिल्ली आते हैं। उन पर भी इसका असर होगा।

Sunil Kataria

NBT एक्सक्लूसिव

होगी सख्ती दिल्ली के स्पेशल कमिश्नर (ट्रैफिक) नीरज ठाकुर ने बताया कि वीकल एक्ट में बदलाव से जुड़ा नोटिफिकेशन आएगा

इसलिए जुर्माना नहीं भरते लोग

नियम तोड़ने वाले कोर्ट में चालान भरने को प्राथमिकता क्यों देते हैं, इस सवाल पर स्पेशल सीपी (ट्रैफिक) ने कहा, 'विश्लेषण में सामने आया कि हालिया लोक अदालतों में करीब 52 फीसदी चालान 'जीरो' जुर्माने पर निपटाए गए हैं। बाकी हर चालान पर औसतन 156 रुपये फाइन लगा। दिल्ली हाई कोर्ट की कमिटी इसकी निगरानी करती है। उसे संबंधित डेटा भेजा जाता है।

बैड डॉक्टर/गुड डॉक्टर

Q किसी शख्स को सब पर शक होने लगे, आवाजें सुनाई देने का भ्रम हो। वह डॉक्टर के पास जाए तो...

AI Image

बैड डॉक्टर: इनको गंभीर मानसिक बीमारी है। यह बीमारी एक बार लग जाए तो जाती नहीं है। इसलिए दवाएं लंबे समय तक चलेंगी। ध्यान रखें कि दवाएं बंद न करें। आप लोगों को ज्यादा सवाल करने की जरूरत नहीं है। जैसा कहा है, वैसा करें।

गुड डॉक्टर: गुड डॉक्टर: ये लक्षण सिजोफ्रेनिया से जुड़े हो सकते हैं। घबराने की जरूरत नहीं है। इलाज मुमकिन है। एंटिसाइकोटिक दवा से ऐसे लक्षण काबू में रहते हैं। परिवार का सहयोग जरूरी है। नियमित दवा, फॉलो-अप से सुधार हो जाएगा।

-डॉ. ओम प्रकाश, वरिष्ठ मनोचिकित्सक, IHBAS, नई दिल्ली

दिल्ली में 2028 से नहीं बिकेगी पेट्रोल बाइक! आएगा नया नियम

Brijesh.Singh
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** पेट्रोल से चलने वाली दोपहिया गाड़ियों को धीरे-धीरे दिल्ली की सड़कों से हटाने की तैयारी है। इसके लिए सरकार नई ई-वीकल (EV) पॉलिसी लेकर आई है। शनिवार को इसका मसौदा पब्लिक कर दिया गया। 10 मई तक लोगों से सुझाव मांगा गया है। पॉलिसी के मुताबिक, दिल्ली में अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन होगा। EV खरीदने पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन में 100 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके लिए 3,954.25 करोड़ के बजट का प्रावधान है। यह पॉलिसी 2026 से 2030 तक यानी चार साल के लिए आई है।

AI Image

नई EV पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी कर सरकार ने मांगे सुझाव

30 हजार से एक लाख तक सब्सिडी

पॉलिसी में इलेक्ट्रिक दोपहिया और चार पहिया गाड़ियों के लिए 30 हजार से एक लाख तक की सब्सिडी का प्रावधान है, जो धीरे-धीरे घटती जाएगी। डिलीवरी और राइड एग्रीगेटर फ्लीट में पेट्रोल और डीजल वाहनों पर रोक लगेगी। 2027 से केवल इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा के ही रजिस्ट्रेशन होंगे।

पीएम मोदी और राहुल की मुलाकात, क्या हुई बात?

■ महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती पर शनिवार को संसद में PM नरेन्द्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनको श्रद्धांजलि दी।

■ इससे पहले PM मोदी और राहुल ने एक-दूसरे का अभिवादन किया। हल्के-फुल्के माहौल में दोनों के बीच कुछ देर तक बातचीत भी हुई।

STF ने पकड़ा

गैंगस्टर साहिल थाईलैंड से अरेस्ट, भारत लाया गया

■ **NBT रिपोर्ट, गुड़गांव:** फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागा गैंगस्टर साहिल चौहान आखिरकार पकड़ लिया गया। हरियाणा STF उसे थाईलैंड से गिरफ्तार कर भारत ले आई। शनिवार सुबह दिल्ली एयरपोर्ट से उसे भोंडसी मुख्यालय ले जाया गया। साहिल NIA के रडार पर भी था। उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी और डकैती के 16 केस दर्ज हैं। वह इंटरनेट और विदेशी नंबरों से कारोबारियों को धमकाकर रंगदारी मांगता था। एक केस में 10 साल की सजा के बाद जमानत पर आकर फरार हो गया था।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-04-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP8 User: cci Time: 04-11-2026 21:22 Color:

(15 अप्रैल, बुधवार) पर विशेष

कोई पेंटिंग करोड़ों की क्यों हो जाती है?

डिजिटल शोर और AI के बीच क्या होगा कला का भविष्य? कैसी होगी पहचान और सम्मान की नई जंग? इन दिनों उठ रहे ऐसे तमाम सवालों के जवाब दे रहे हैं शीतल वर्मा

हाल ही में राजा रवि वर्मा की बेहतरीन रचना 'कृष्ण-यशोदा' का ₹167 करोड़ में बिकना न केवल कला जगत में चर्चा का विषय बना, बल्कि इसने एक बार फिर उस बहस को छेड़ दिया है-आखिर किसी पेंटिंग की कीमत करोड़ों में क्यों होती है? एक कलाकार इसके तकनीकी और ऐतिहासिक कारणों को अच्छी तरह समझ सकता है, लेकिन आम आदमी को यह महज 'रंग और कैनवस' का खेल लगता है। सच्चाई यह है कि कला की कीमत केवल उसकी सुंदरता में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी विरासत, दुर्लभता और बाजार के अर्थशास्त्र में होती है।

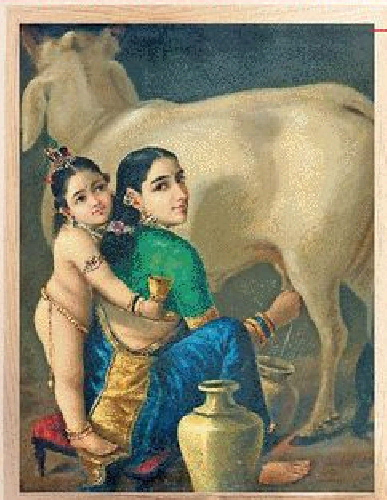

राजा रवि वर्मा की मशहूर कलाकृति कृष्ण यशोदा, जो हाल ही में 1.67 cr की बिकी

महान कलाकार और 'करोड़ों' का गणित

किसी उभरते हुए कलाकार की पेंटिंग, जो शायद तकनीकी रूप से बहुत सटीक हो, वह कुछ लाख तक ही सीमित रह जाती है जबकि राजा रवि वर्मा या एम.एफ. हुसैन जैसे दिग्गजों की कृतियां रिकॉर्ड तोड़ती हैं। इसके पीछे मुख्य रूप से तीन वजहें हैं:

1. **ऐतिहासिक महत्व:** राजा रवि वर्मा केवल चित्रकार नहीं थे, वह क्रांतिकारी थे जिन्होंने भारतीय देवी-देवताओं को मानवीय रूप दिया और कला को महलों से निकालकर आम घरों तक पहुंचाया। जब आप उनकी पेंटिंग खरीदते हैं, तो आप इतिहास का एक हिस्सा खरीद रहे होते हैं।
2. **दुर्लभता (Scarcity):** महान कलाकार अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनकी कृतियों की संख्या सीमित है। अर्थशास्त्र का साधारण नियम है - आपूर्ति कम और मांग ज्यादा, तो कीमत आसमान छुएगी।
3. **कला निवेश:** रईस लोगों के लिए कला शौक नहीं, बल्कि 'ब्लू चिप' निवेश है। शेयर बाजार और रियल एस्टेट की तरह, नामचीन कलाकारों की पेंटिंग्स की कीमत समय के साथ बढ़ती है। यह 'वेल्थ पोर्टफोलियो' का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है।

कला बनाम क्राफ्ट: शिक्षा, समझ की कमी

हमारे देश में कला की शिक्षा (Art Appreciation) न दिया जाना कड़वी सच्चाई है। स्कूल के दिनों से ही आर्ट को 'अतिरिक्त सब्जेक्ट' के रूप में देखा जाता है, न कि एक भाषा या संस्कृति के रूप में। यही वजह है कि आम आदमी अक्सर 'कला' (Fine Arts) और 'क्राफ्ट' (Decorative Craft) के बीच का फर्क नहीं समझ पाता।

- कला विचार है, दर्शन है जो कलाकार की आत्मा से निकलता है।
- क्राफ्ट कुशलता (स्किल) और दोहराव पर आधारित है।

जब कोई कलाकार कॉलेज में पढ़ते हुए बरसों तक रंगों के मनोविज्ञान और शरीर रचना का अध्ययन करता है, तो उसकी बनाई रचना में बहुत गहराई आती है। लेकिन समाज यानी आम लोग अक्सर इसे केवल 'सुंदर चित्र' की कसौटी पर तौलते हैं। छोटे शहरों के कलाकारों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है, जहां आर्ट गैलरियों की कमी है और लोग कला को सिर्फ सजावट की चीज ही मानते हैं।

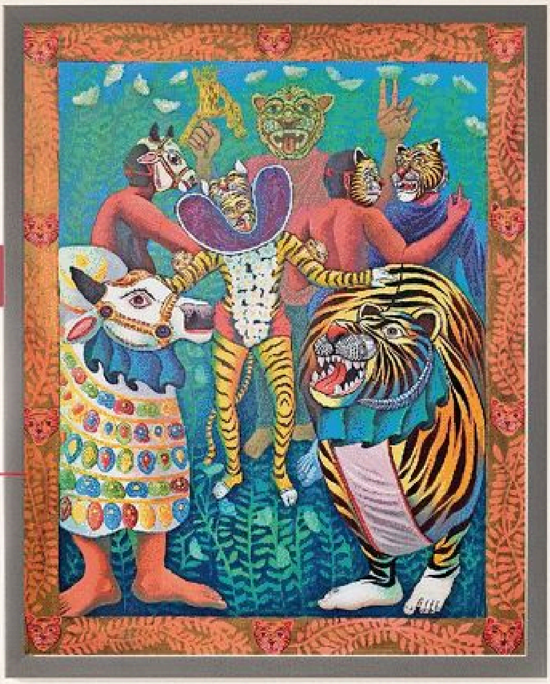

कान्हू बेहेरा की मशहूर कलाकृति उड़ीसा के परम्परागत बाघ नृत्य पर आधारित है

> कला हमारी आत्मा से रोजमर्रा की जिंदगी की धूल झाड़ देती है, लेकिन आज के दौर में कला की कीमत तो सब जानते हैं, पर उसके मूल्य को समझना अभी बाकी है। - पाब्लो पिकासो

सोशल मीडिया और 'लाइक्स' का भ्रम

आज के दौर में सोशल मीडिया एक दोधारी तलवार की तरह है। इसने कलाकारों को मंच तो दिया, लेकिन कला के मूल्यांकन के पैमाने बदल दिए। क्या 'लाइक्स' कला की क्वॉलिटी तय करते हैं? बिलकुल नहीं। अक्सर 'लोकप्रिय' कला (Pop Art) या ऐसी चीजें जो आंखों को तुरंत लुभाती हैं, वे वायरल हो जाती हैं, जबकि गंभीर समकालीन कला, जो सोचने पर मजबूर करती है, वह पीछे छूट जाती है। डिजिटल पहचान ने कलाकार को 'कॉन्टेंट क्रिएटर' बना दिया है, जिससे उसकी मौलिकता और साधना कहीं न कहीं प्रभावित हो रही है।

AI का खतरा और 'ईमानदारी' का संकट

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के आने के बाद कला जगत अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। कोई कलाकार महीनों की मेहनत से वॉटर कलर पेंटिंग बनाता है और कोई शख्स AI के जरिए कुछ सेकंड में ही वैसा ही नतीजा (या उससे भी ज्यादा आकर्षक) पा लेता है। सबसे दुखद पहलू यह है कि लोग AI से जेनरेटेड इलस्ट्रेशन पर अपने हस्ताक्षर कर उसे अपनी मौलिक कृति बता रहे हैं। यह न केवल अनैतिक है, बल्कि उन कलाकारों के साथ अन्याय है जो अपनी उंगलियों के पोरों से भावनाएं उकेरते हैं। AI में 'कौशल' हो सकता है, लेकिन 'अनुभव' और 'पीड़ा' नहीं होती, जो वास्तविक कलाकृति की आत्मा होती है।

मध्यम वर्ग और अफोर्डेबल आर्ट का बाजार

ऐतिहासिक रूप से कला हमेशा अभिजात्य वर्ग (Elite Class) की जागीर रही है। राजस्थान की मिनिएचर पेंटिंग्स से लेकर मुगल और कंपनी शैली तक, कला को राजाओं का संरक्षण मिला हुआ था। आज भी बड़े कला संग्रहकर्ता और कॉर्पोरेट घराने ही करोड़ों की नीलामी में भाग लेते हैं। हालांकि, इस ऊंचे बाजार के बीच 'अफोर्डेबल आर्ट' का नया बाजार विकसित हुआ है, जो मध्यम वर्ग के लिए उम्मीद है:

- जो लोग ओरिजिनल पेंटिंग नहीं खरीद सकते, वे उन महान कृतियों के 'सिग्नेचर प्रिंट' या 'लिमिटेड एडिशन' खरीदते हैं।
- संघर्ष कर रहे कलाकारों के लिए यह बड़ा बाजार है। मध्यम वर्ग अब घरों की दीवारों को केवल कैलेंडर से नहीं, बल्कि युवा कलाकारों की मौलिक कृतियों से सजाना चाहता है।
- यह 'सुनियोजित निवेश' का भी प्रारंभिक चरण है। आज जो पेंटिंग आप ₹20,000 में खरीद रहे हैं, हो सकता है कि 20 साल बाद वह कलाकार दुनिया का बड़ा नाम बन जाए और उसकी कीमत लाखों में हो।

महान कलाकारों के महान बनने में केवल उनका हुनर नहीं, बल्कि उनका नजरिया, उनका संघर्ष और समय का चक्र भी शामिल होता है। कला को केवल पैसों के तराजू पर तौलना गलत होगा, लेकिन यह भी सच है कि बिना आर्थिक सम्मान के कोई भी विधा जीवित नहीं रह सकती। आज के कलाकारों को AI और डिजिटल शोर के बीच अपनी 'मौलिकता' को बचाए रखना होगा। वहीं, समाज के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है कि हम कला को केवल 'महंगे निवेश' या 'सजावट' के रूप में न देखें, बल्कि उसे एक मानवीय अभिव्यक्ति के रूप में सम्मान दें। कला जब तक दिलों को छूती रहेगी, तब तक राजा रवि वर्मा जैसे चित्रकारों की विरासत भी जीवित रहेगी और नए कलाकारों के लिए उम्मीद की खिड़की भी खुली रहेगी।

स्पेशल स्टोरी

हमलों से नहीं डरती कला, पर चाहिए शांति

युद्ध शांति से बड़ा नहीं हो सकता- एक कलाकार इस बात को अनूठे तरीके से बताता है। कला से कैसे होता है प्रतिरोध, बता रही हैं रजनी शर्मा

हमले की जद में ईरान का गोलिस्तान पैलेस

विश्व कला दिवस (15 अप्रैल, बुधवार) पर विशेष

एक तरफ अमेरिका की 'सभ्यता खत्म करने की धमकी' और दूसरी तरफ इसका मुकाबला करती संगीत की महीन-सी आवाज। यह सच है कि जब भी कोई जंग लड़ी जाती है तो उसका असर सिर्फ सीमा पर नहीं होता, शहरों के अंदर घरों और दफ्तरों पर भी होता है, इसलिए संस्कृति और कला उसकी चपेट में आ जाती है। ईरान में भी पिछले दिनों यही हुआ। इसी का विरोध करने के लिए कलाकार अली घमसारी ने अपना वाद्ययंत्र 'तार' उठाया और उसे बना लिया विरोध की आवाज, शांति की दरख्वास्त और शोक का स्वर। वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तेहरान के दमावंद पावर प्लांट के सामने बैठ गए। जनता की आवाज बनकर आर्टिस्ट घमसारी ने संदेश दिया कि पानी, रोशनी और जिंदगी किसी भी युद्ध से बड़े हैं।

AI Image

शांतिपूर्ण प्रदर्शन

ईरानी आर्टिस्ट अली घमसारी ने वाद्ययंत्र 'तार' उठाया और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तेहरान में पावर प्लांट के सामने संगीत के सुर छेड़ दिए। युद्ध के विरोध का यह तरीका अनूठा था।

कला के ज़रिये प्रतिरोध

जब भी कोई समाज या देश मुश्किल दौर से गुजर रहा होता है तो कलाकार भी पीछे नहीं रहते। जो बातें भाषणों, नारों या बहसों से असरदार तरीकों से नहीं कही जा सकतीं, वे रंगों, प्रतीकों और आकृतियों से कह दी जाती हैं। इसी वजह से युद्ध और प्रतिरोध के समय कैनवस भी सिर्फ सजावट की चीज नहीं रहता, बल्कि प्रतिरोध की सशक्त आवाज बन जाता है। इतिहास में ऐसे तमाम उदाहरण हैं जहां कलाकारों ने अपने दौर की बेचैनी को अपनी कला में दिखाया। मशहूर आर्टिस्ट पाब्लो पिकासो की ऑयल पेंटिंग 'ग्वेर्निका' जंग की ट्रेजेडी दिखाने वाली सबसे असरदार पेंटिंग मानी जाती है। काले, भूरे और सफेद रंगों से बनी इस पेंटिंग में अधूरे चेहरे, बिखरे शरीर और डर का माहौल यह बताता है कि रंग और ब्रश शब्दों से भी तीखे वार कर सकते हैं। हैरिटेज एक्सपर्ट दीप्ति शशिधरन कहती हैं, 'युद्ध अक्सर लोगों की सांस्कृतिक पहचान खत्म करने का तरीका बन जाता है यानी उस जगह की विरासत, लोगों के गौरव और अहम कला व स्थापत्य को मिटाने का माध्यम। विडंबना यह है कि प्रतिरोध से भी रचनात्मकता पैदा होती है और प्रभावशाली कला रची जाती है। भारतीय कलाकार सतीश गुजराल की कला (विभाजन की हिंसा) से लेकर पाब्लो पिकासो तक, युद्ध कलाकारों को भावनात्मक रूप से प्रेरणा देता है कि वे उसे दर्ज करें।'

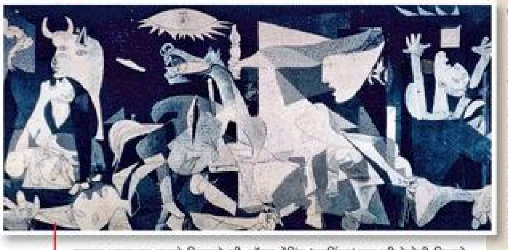

मशहूर कलाकार पाब्लो पिकासो की ऑयल पेंटिंग 'ग्वेर्निका' युद्ध की ट्रेजेडी दिखाने वाली सबसे असरदार पेंटिंग मानी जाती है

युद्धः बिखरी ज़िंदगी के चित्र

चाहे यूक्रेन हो या इराक। जो भी देश युद्ध से गुजर रहा होता है, उनके हालात एक से होते हैं। इराक का उदाहरण लें तो देख सकते हैं कि वहां के कलाकारों ने विनाश के अलावा यह भी दिखाया कि हम अपनी पहचान को कैसे बचा सकते हैं। इराक के दिया-अल-अज्जावी कंटेपरेरी आर्टिस्ट हैं। उनकी कला में अधूरे शरीर, बिखरे सामान और युद्ध के अवशेष दिखते हैं। असल में कलाकारों की यादों में टूटे शहर, अंधेरी खिड़कियां, खाली सड़कें होती हैं। धुएं से भरे आसमान और घायल चेहरे कैनवस पर जगह बना लेते हैं। पोर्ट्रेट आर्ट में चेहरों पर दर्द पढ़ा जा सकता है। मेसोपोटामिया की सभ्यता से जुड़े प्रतीक आदि भी इराक की पेंटिंग्स में दिखाई दिए क्योंकि वहां के कलाकार बताना चाहते थे कि हमारा इतिहास क्या है। कई कलाकारों ने जले हुए सामान और मेटल की टूटी चीजों से भी कलाकृतियां तैयार कीं ताकि विध्वंस को भी कला का रूप दे सकें।

...तो दीवार बनती है विशाल कैनवस

कलाकार सिर्फ ऐसी पेंटिंग ही नहीं बनाते जिनसे आर्ट गैलरियों की शोभा बढ़ाई जा सके, वे दीवारों का भी सहारा लेते हैं और प्रतिरोध की आवाज को तेज कर देते हैं। उनके बनाए म्यूरल (दीवार पर उकेरी गई कला) या या ग्रैफिटी (स्प्रे पेंट से बनी आर्ट) बहुत रंगीन हों ऐसा जरूरी नहीं- लेकिन बहुत असरदार होती हैं, जो गुस्से का उबाल और उम्मीदें जगाने के लिए काफी हैं। ईरान में भी लोग इसके माध्यम से अपना गुस्सा जता रहे हैं। तेहरान के एंगेलाब (इंकलाब) स्क्वॉयर में दीवारों पर बड़े-बड़े म्यूरल दिख रहे हैं। एक विशाल म्यूरल अमेरिका को चेतावनी देता है कि 'तुम्हें अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा।' एक म्यूरल में वहां के ऐतिहासिक हीरो रोस्तम (रुस्तम) को कई सिर वाले अजगर से युद्ध करते दिखाया गया। यह अजगर अमेरिका का प्रतीक माना गया।

गोलिस्तान पैलेस की गैलरियां की गईं बंद

हमलों की जद में कला की धरोहर

हर देश अपनी बेहतरीन कला को आनेवाली पीढ़ियों के लिए सजोता है। कला का घर होते हैं वहां के म्यूजियम। नैशनल जुडिशल म्यूजियम एंड आर्काइव के असिस्टेंट डायरेक्टर राजेश प्रसाद कहते हैं, 'कला लोगों के संवाद का जरिया ही नहीं है, यह मानसिक विकास भी दिखाती है। कला और कलाकृतियों का महत्व उनकी ऐतिहासिकता की वजह से भी होता है। लेकिन 2014 में मिस्र के काहिरा में एक म्यूजियम को कार धमाके से नुकसान पहुंचा था। सीरिया की सिविल वॉर में कई ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान हुआ। अब ईरान में गोलिस्तान पैलेस हमले से प्रभावित हुआ है। यह तेहरान में यूनेस्को हेरिटेज साइट है।' याद करें कि कैसे अफगानिस्तान में साल 2001 में पहाड़ काटकर 1500 साल पहले बनी बुद्ध की दो मूर्तियों को विस्फोट से तोड़ा गया था। अब उनकी जगह खाली है। दुनियाभर से आवाज आई थी कि यह मानव सभ्यता का नुकसान है जिसकी कभी भरपाई नहीं हो सकती है।

...लेकिन कला से ही है उम्मीद

तमाम विनाश के बाद भी कलाकार की उंगलियां नहीं रुकतीं। कला अक्सर मुश्किल वक्त में उम्मीद बचाए रखती है। कई जगहों पर टूटी दीवारों पर फिर से रंग भरे जाते हैं जैसे कह रहे हों कि हमने पूरी तरह हार नहीं मानी है। कभी रिफ्यूजी कैंपों में रहने वाले बच्चों की ड्राइंग की कॉपियां देखनी चाहिए। तमाम दर्द के बावजूद उनमें भी सीनरी वही बनती है जिसमें एक नीली नदी, एक घर, एक पहाड़, आसमान में बादल, कुछ पंछी और पेड़ होता है। इसलिए समाज के लिए, देश के लिए और दुनिया के लिए जब युद्ध और शांति में से कोई विकल्प चुनना हो तो वह यकीनन शांति हो। सम्राट अशोक ने भी आखिरकार शांति को ही चुना था। कला को संवाद का जरिया बनाकर उन्होंने धर्म, शासन और शांति के संदेश दिए। अशोक के स्तूप आज भी इस बात की गवाही देते हैं। यही संदेश दे रहा है कलाकार अली घमसारी का संगीत- हमें रोशनी चाहिए, युद्ध का अंधकार नहीं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-04-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP9 User: cci Time: 04-11-2026 20:52 Color:

हमारे घुटने शरीर के ऐसे जोड़ हैं, जिन पर पूरे शरीर का वज़न पड़ता है। इसलिए इनके कमजोर होने से हमारी चाल खराब होने लगती है। जब इनमें तेज दर्द होता है तो लोगों का बेडरूम से बाथरूम तक जाना मुश्किल हो जाता है। कई बार नौबत घुटने बदलने तक की आ जाती है। हालांकि, कई बार लाइफस्टाइल बदलने से फर्क पड़ जाता है। आखिर ये जोड़ क्यों कमजोर होते हैं? कब इन्हें बदलवाना ज़रूरी है और कब नहीं? देश के बेहतरीन एक्सपर्ट्स से बात कर जानकारी दे रहे हैं **लोकेश के. भारती**

...तब आई है घुटने बदलवाने की नौबत

एक्सपर्ट पैनल

डॉ. भावुक गर्ग
प्रफेसर, ऑर्थोपीडिक डिपार्टमेंट, AIIMS

डॉ. रमणीक महाजन
चेयरमैन, ऑर्थोपीडिक ऐंड जॉइंट रिप्लेसमेंट, MAX

डॉ. दीपक के. अरोड़ा
डायरेक्टर ऐंड चीफ सर्जन, Esskay ऑर्थो

डॉ. राजीव अग्रवाल
इंचार्ज, न्यूरो-फिजियोथेरपी, AIIMS

घुटने खराब होने की वजहें...

हमारे घुटने खराब होने की कई वजहें हैं। इनमें सबसे बड़ी और पहली वजह है वॉक और एक्सरसाइज न करना और दूसरा है हमारा ओवरवेट होना।

वॉक और एक्सरसाइज न करना

अगर घुटने में दर्द न हो या डॉक्टर ने मना न किया हो तो हर दिन 45 मिनट से 1 घंटा ब्रिस्क वॉक या साइक्लिंग या फिर दोनों करनी चाहिए। साथ ही मसल्स की मजबूती के लिए 30 मिनट स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज भी करनी चाहिए। दरअसल, वॉक से कार्टिलेज को न्यूट्रिशन मिलता है और मजबूत मांसपेशी एक तरह से कार्टिलेज से पहले झटके, शॉक आदि को झेल लेती है। अगर वॉक में परेशानी हो तो लेट कर ही साइक्लिंग एक्सरसाइज करें।

ओवरवेट होना

अगर वजन ज्यादा है, तो इसे काबू करने के उपाय जरूर करें। ज्यादा वजन से जहां शुगर, बीपी का खतरा रहता है, वहीं घुटने खराब होने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। इससे घुटनों पर लगातार दबाव रहता है। घुटने के पटेला बोन पर भी दबाव रहता है।

डाइट-लाइफस्टाइल संतुलित न होना

हमारी डाइट बैलेंस्ड होनी चाहिए। उसमें प्रोटीन, कार्ब्स, फैट, फाइबर्स, मिनरल्स और विटामिन्स सभी कुछ होना चाहिए। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर सप्लिमेंट भी लेना चाहिए- विटामिन-D, कैल्शियम, विटामिन-B12 आदि।

सप्लिमेंट न लेना

पहले तो इसकी जरूरत नहीं होती थी, लेकिन अब लाइफस्टाइल बदलने, बीमारियों के आने, फिजिकल ऐक्टिविटी और धूप की कमी से सप्लिमेंट की जरूरत पड़ रही है। इन्हें न लेने से चीजें जल्दी खराब हो रही हैं। मसलन: विटामिन-D, B-12, कई बार कैल्शियम आदि भी लेना जरूरी हो जाता है।

गलत तरीके से भारी चीज़ उठाने से

वजनदार सामान (अनाज की बोरी, पानी से भरी बाल्टी आदि) उठाते वक्त अक्सर मांसपेशियों में खिंचाव के मामले सामने आते हैं क्योंकि हमारा तरीका गलत होता है। इससे भी कमर, घुटने और उसके आसपास की मांसपेशियों को नुकसान हो सकता है। इसलिए किसी भी चीज को अचानक उठाने की कोशिश करना सही नहीं है। साथ ही, शरीर से दूर रखी चीजों को उठाने की कोशिश भी नहीं करनी चाहिए। सही तरीका यह है कि पहले हम सामान के पास जाएं या फिर सामान को खिसकाकर अपने पास ले आएं। वह वजनदार सामान हमारे शरीर के करीब हो, ताकि उठाने के बाद बाजुओं की मांसपेशियों पर ज्यादा दबाव न पड़े। साथ ही जब हम घुटनों को मोड़ते हुए सामान उठाते हैं तो वजन का दबाव शरीर पर एक जगह आने के बजाय बंट जाता है। इससे शरीर के किसी भी भाग की मांसपेशियों में खिंचाव की आशंका कम हो जाती है।

गलत तरीके से बैठने से

हममें से बहुत-से लोग कहते हैं कि कुर्सी पर कमर सीधी करके यानी 90 डिग्री के कोण पर बैठना सही रहता है, पर यह पूरा सच नहीं है। जब हम कमर को 10 डिग्री पीछे की ओर झुकाकर यानी हल्का पीछे की ओर करके बैठते हैं तो यह हमारी रीढ़ की हड्डी के लिए काफी आरामदायक होता है। यह ध्यान रहे सिर्फ 10 डिग्री ही झुकाना है। मकसद है पीछे की मांसपेशियों को कुछ सहारा मिल सके। साथ ही बैठने के बाद कई लोग क्रॉस लेग पोजिशन कर लेते हैं यानी एक पैर पर दूसरा चढ़ाकर रखते हैं। इससे भी कार्टिलेज पर दबाव पड़ता है। साथ ही घुटनों को बहुत ज्यादा मोड़कर लंबे समय तक न रखें। कुर्सी की ऊंचाई ऐसी हो कि पैर जमीन पर सीधे टिके रहें। बार-बार उठते-बैठते समय सहारा लें। इसके अलावा एक ही पोजिशन में लगातार 30 मिनट से ज्यादा रहने से भी असर पड़ता है। इससे घुटने में मौजूद साइनोवियल फ्लूइड जिसे कई लोग घुटनों की ग्रीस भी कहते हैं (कार्टिलेज को पोषण मिलता है) में मूवमेंट कम हो जाती है। इससे कार्टिलेज को धीरे-धीरे नुकसान होता है।

कब डॉक्टर लेते हैं घुटने बदलने का फैसला?

जब किसी शख्स को घुटनों में दर्द होता है तो डॉक्टर उसे अमूमन 4 ग्रेड में बांटकर देखते हैं। यह ग्रेड घुटनों में मौजूद कार्टिलेज की स्थिति के हिसाब से होता है। दरअसल, कार्टिलेज ही वह चिकनाई है जो फीमर बोन (जांघ की हड्डी) और टिबिया बोन (पिंडली या शिन बोन) को आपस में रगड़ खाने से रोकती है। जब कार्टिलेज कमजोर हो जाए या बहुत घिस जाए तो दोनों हड्डियों के रगड़ खाने लगे। इससे अक्सर घुटनों में बहुत तेज दर्द रहता है। मूवमेंट करना मुश्किल हो जाता है। अमूमन ऐसी स्थिति ग्रेड-4 में बनती है। सीधे कहें तो जब दवाओं से काम न बने, पेनकिलर की डोज बहुत बढ़ जाए, घर में बेडरूम से बाथरूम तक जाना भी चुनौतीपूर्ण हो जाए तो डॉक्टर घुटने बदलने की सलाह देते हैं। नीचे बताए हुए ग्रेड के आधार पर खुद की स्थिति को देखते हुए भी काफी हद तक खुद से समझा जा सकता है कि घुटनों की स्थिति कैसी है और क्या बदलवाने की जरूरत है? वैसे आखिरी फैसला डॉक्टर की राय पर ही लेना चाहिए।

Photos : Adobe Stock

मामले से समझें

कोई 35-40 साल का शख्स जब किसी ऑर्थोपीडिक डॉक्टर के पास अपने घुटनों में गंभीर दर्द और चलने-फिरने की परेशानी लेकर जाए और डॉक्टर खुद से जांच करने और रिपोर्ट देखने के बाद यह कहे कि घुटनों की स्थिति खराब हो गई है। नी रिप्लेसमेंट उपाय है। ऐसे में उस शख्स के दिमाग में स्वाभाविक तौर पर यह आएगा कि घुटने बदलवाने की नौबत तो बुजुर्गों की आती है, मुझे क्यों? वह सोच सकता है कि मुमकिन है कि इसमें डॉक्टर का फायदा हो? करीब-करीब ऐसे ही हालात शिशिर के साथ बने थे। उनके लिए बेडरूम से बाथरूम तक जाने में परेशानी वाली स्थिति तो नहीं थी, लेकिन चलने में अच्छी-खासी परेशानी होने लगी थी। हर दिन दर्द इतना था कि पेनकिलर के बिना काम नहीं चलता। उन्होंने कई गलतियां कीं, जैसे: दर्द की असल वजह जानने की बजाए पेनकिलर का सहारा लिया, वजन उम्र और हाइट की रेंज से 30 किलो ज्यादा था। उन्होंने दर्द में भी वॉक जारी रखी। इनके अलावा डाइट में प्रोटीन कम और जंक फूड, पैक्ड फूड ज्यादा था। इन सभी का नतीजा था कि घुटने काफी ज्यादा खराब होते चले गए। शिशिर ने जब घुटने बदलवाने वाली बात अपने परिवार को बताया तो घर वाले भी चौंक गए। फिर घर में विचार बना कि किसी गवर्नमेंट हॉस्पिटल से एक सेकंड ओपिनियन लेते हैं। जब शिशिर और उनके परिवार वाले सरकारी डॉक्टर से सलाह लेने गए तो उन्होंने भी करीब-करीब यही बात कही कि घुटनों की स्थिति अच्छी नहीं है। हां, दवाओं की मदद से कुछ महीने और चला सकते हैं। वैसे ज्यादा पेनकिलर खाना किडनी के लिए सही नहीं है। इन बातों से शिशिर और उनके परिवार वाले संतुष्ट हुए। फिर अपने घुटने बदलवाए। साथ ही, नी-सर्जरी के बाद फिजियोथेरपी भी करवाई क्योंकि फिजियोथेरपी के बिना नी रिप्लेसमेंट का पूरा फायदा नहीं होता। अगर बाद में फिजियोथेरपी न कराएं तो घुटने ज्यादा मुड़ नहीं पाते। शिशिर अब बेहतर हैं और वजन कम करने की कोशिश भी इस बार शिद्दत से शुरू कर दी है।

घुटनों की घुटन को इन ग्रेड्स में सही तरीके से समझें...

ग्रेड 1 इसमें मरीज को हल्का या कभी-कभी दर्द होता है लेकिन चलने में दिक्कत होने लगती है। इसमें करीब 25 फीसदी तक कार्टिलेज खराब होता है यानी ऐसा कह सकते हैं कि उस शख्स का 25 फीसदी घुटना खराब हुआ है। इसमें कार्टिलेज थोड़ा सॉफ्ट या स्पंजी हो जाता है। घुटने में हल्की सूजन हो सकती है। सबसे अहम कि इस स्टेज को रिवर्सिबल माना जाता है। यह सही एक्सरसाइज, वेट मैनेजमेंट आदि से मुमकिन है।

डॉक्टर क्या कहते हैं: सर्जरी की हरगिज जरूरत नहीं।

ग्रेड 2 इस स्थिति में चलने या सीढ़ी आदि चढ़ने में दर्द महसूस हो सकता है। इसे अर्ली ऑस्टियोआर्थराइटिस कह सकते हैं। इसमें करीब 50 फीसदी कार्टिलेज खराब हो चुका होता है। इसमें कार्टिलेज की सतह पर कुछ हल्की दरार हो सकती है या फिर वह समतल से खुरदरा हो जाए। साथ ही कार्टिलेज की मोटाई भी कम हो सकती है। अगर कोई शख्स इस स्थिति में भी सचेत हो जाए तो उसके घुटने बदलवाने की जरूरत काफी लंबे समय तक टल सकती है। इस दौरान सीढ़ियां चढ़ने से बचना चाहिए।

डॉक्टर क्या कहते हैं: इसमें भी सर्जरी आदि की जरूरत नहीं है। इसे भी दवा आदि से काफी हद तक बेहतर किया जा सकता है। साथ ही डॉक्टर वजन काबू करने के लिए कहते हैं। एक्सरसाइज में मांसपेशियों की मजबूती वाली एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। दरअसल, हमारी मांसपेशियां जितनी मजबूत होंगी, कार्टिलेज पर दबाव उतना ही कम होगा। लेकिन डॉक्टर इस बात की भी हिदायत देते हैं कि हाई इम्पैक्ट एक्सरसाइज (कूदना, दौड़ना आदि) न करें, सिर्फ लो इम्पैक्ट एक्सरसाइज (वॉकिंग, साइक्लिंग, स्विमिंग आदि) करें। जरूरत पड़ने पर फिजियोथेरपी करानी चाहिए।

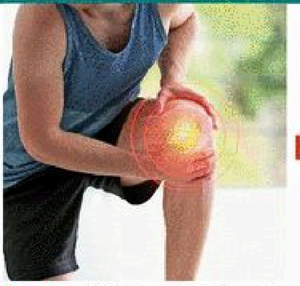

ग्रेड 3 इस स्थिति में करीब 75 फीसदी घुटने खराब हो चुके होते हैं यानी करीब 75 फीसदी कार्टिलेज का नुकसान हो चुका होता है। इसे गंभीर स्थिति कह सकते हैं। ग्रेड 2 में कार्टिलेज में जो हल्की दरार दिखी थी, वह इस ग्रेड में पहुंचने के बाद गहरी हो जाती है। कार्टिलेज का काफी हिस्सा खराब हो चुका होता है। इतना ही नहीं, कई लोगों में तो जॉइंट में आवाज आनी शुरू हो जाती है। साथ ही, घुटनों में अक्सर तेज दर्द रहना, सूजन होना आम रहता है। कई बार कुछ दूर चलने में भी काफी परेशानी होने लगती है। इसमें सर्जरी को टालने के लिए दर्द से राहत वाले उपाय ज्यादा बताते हैं। साथ ही घुटने ज्यादा खराब न हों, इसका भी ध्यान रखते हैं।

डॉक्टर क्या कहते हैं: राहत के लिए डॉक्टर इंजेक्शन लगाने की सलाह दे सकते हैं। इसे इंजेक्शन थेरपी कहते हैं। ये जॉइंट को लुब्रिकेट करते हैं और कुछ हद तक हीलिंग में मदद करते हैं। इसके अलावा ब्रेस / सपोर्ट लगाने की सलाह भी देते हैं। इसका मकसद घुटने पर लोड को रीडिस्ट्रिब्यूट करना होता है। यहां इस बात को भी समझें कि इसमें सर्जरी की आशंका कम होती है, लेकिन कुछ गंभीर मामलों में सर्जरी की जरूरत हो भी सकती है।

ग्रेड 4 यह स्थिति तब बनती है जब घुटनों में कार्टिलेज करीब-करीब 90 से 100 फीसदी खत्म हो चुका होता है। ऊपर और नीचे की हड्डी आपस में सीधे टकरा रही होती हैं। चलने पर बहुत तेज दर्द होता है। घुटने काफी स्टिफ हो जाते हैं। इसे सबसे अडवांस्ड स्टेज कह सकते हैं। यह अक्सर Osteoarthritis से जुड़ी होती है। अमूमन ऐसी स्थिति में ही कई मामलों में सर्जरी यानी नी रिप्लेसमेंट की जरूरत होती है। यहां इस बात को भी समझें कि अगर कोई शख्स रिपोर्ट के आधार पर ग्रेड 4 में है, लेकिन वह अभी 1 किमी तक चल पाता है यानी उसके घुटने की स्थिति बहुत ज्यादा खराब न हुई हो तो डॉक्टर सर्जरी को टाल देते हैं।

डॉक्टर क्या कहते हैं: अगर हर दिन पेन किलर खाना पड़ रहा हो, बेडरूम से बाथरूम जाना भी मुश्किल मिशन पर जाने जैसा महसूस हो, तो नी रिप्लेसमेंट जरूरी हो जाता है और इससे लाइफ क्वालिटी बेहतर की जा सकती है।

ग्रेड 0 कोई दिक्कत नहीं। कोई परेशानी नहीं। घुटने दुरुस्त हैं क्योंकि वह हर दिन वॉक करता है, जिससे कार्टिलेज को पूरा न्यूट्रिशन मिलता है। हर दिन एक्सरसाइज करता है, जिससे मांसपेशियां मजबूत हैं और इससे कार्टिलेज पर दबाव नहीं पड़ता। इन सब की वजह से उसका वजन भी काबू में रहता है तो इसे इसी तरह जारी रखने की जरूरत है।

होम्योपैथी उपाय

डॉ. सुशील वत्स
सीनियर होम्योपैथ

जब घुटने बचाने की बात हो यानी मरीज अगर ग्रेड-1 या ग्रेड-2 की स्थिति में हो तो होम्योपथी दवाएं काम कर जाती हैं लेकिन बीमारी अडवांस्ड स्टेज में पहुंच जाए तो रिप्लेसमेंट ही अमूमन उपाय बचता है। यहां कुछ दवाओं के बारे में बताया जा रहा है।

Thuja, Calc flor, Argentum metallicum, Bryonia, Rhus tox, Causticum

कितना लें: दवाइयों को मदर टिंचर (Q) और 30 पोटेंसी में लिया जा सकता है।

(ऊपर लिखी दवाओं में से कोई एक दवा को जरूरत पड़ने पर हर कोई ले सकता है। हर इंसान पर दवा का असर अलग-अलग होता है, दवा डॉक्टर की सलाह से ही लें।)

आयुर्वेद में घुटने सही रखने के घरेलू उपाय

डॉ. आनन्द पांडेय
मुख्य चिकित्सक, गंगा आयुर्वैदिक चिकित्सालय

आयुर्वेद में कहा गया है कि आहार एव परमौषधम् यानी आहार ही सबसे बड़ी औषधि है। घुटनों को स्वस्थ रखने के लिए वात-शामक यानी वात को कम करने वाला और अस्थि-पोषक यानी हड्डियों को मजबूत बनाने वाला आहार लेना जरूरी है। साथ ही व्यायाम को भी जरूरी बताया गया है।

इन्हें डाइट में शामिल करें

तिल: आयुर्वेद में तिल को अस्थि (हड्डी) का परम पोषक माना गया है। हर दिन सुबह एक चम्मच काले तिल चबाकर खाएं।

गाय का घी: जोड़ों की उपस्थि यानी कार्टिलेज को चिकनाई और पोषण देता है। भोजन में हर दिन एक-दो चम्मच देसी गाय का घी जरूर लें।

गाय का दूध: रात को गर्म दूध में अश्वगंधा चूर्ण मिलाकर पीने से हड्डियां और मांसपेशियां दोनों मजबूत होती हैं।

मेथी दाना: रात को एक चम्मच मेथी दाना भिगोकर, सुबह खाली पेट चबाएं। यह वात को शांत कर जोड़ों में लचीलापन लाता है।

हल्दी: हरिद्रा आयुर्वेद की सर्वश्रेष्ठ शोथहर (सूजन नाशक) औषधि है। वहीं, रात को हल्दी वाला दूध पीना घुटनों के लिए वरदान है।

अदरक (सोंठ): ताजा अदरक या सोंठ का नियमित सेवन वात-कफ दोनों को संतुलित करता है।

लहसुन: सुबह खाली पेट दो कलियां लहसुन की गुनगुने पानी के साथ लेना जोड़ों की सूजन और दर्द को दूर रखता है। इन कलियों को पहले काट करके 10 मिनट छोड़ दें, फिर लें। इससे इनके जरूरी एन्जाइम ऐक्टिव हो जाते हैं।

सहजन (मोरिंगा): इसकी पत्तियां और फलियां हड्डियों को मजबूत करती हैं, नियमित सेवन करें।

हरी मौसमी सब्जियां: पालक, मेथी, बथुआ, परवल नियमित भोजन में शामिल करें।

अखरोट और बादाम: भिगोए बादाम और अखरोट जोड़ों की सूजन रोकते हैं।

इनसे दूर रहें

ठंडा, बासी और विरुद्ध आहार: इस तरह के आहार वात को तीव्र करते हैं।

मैदा, बेसन के तले पदार्थ, जंक फूड: ये कफ बढ़ाते और वजन बढ़ाते हैं।

ज्यादा खट्टा, तीखा और नमकीन: ये अस्थि धातु को क्षीण करते हैं।

कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम: वात को बढ़ाते हैं। इसलिए इनका सेवन कम से कम करें या न करें।

शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़िया, फिर भी घुटने हो सकते हैं खराब?

मिथ-मंथन

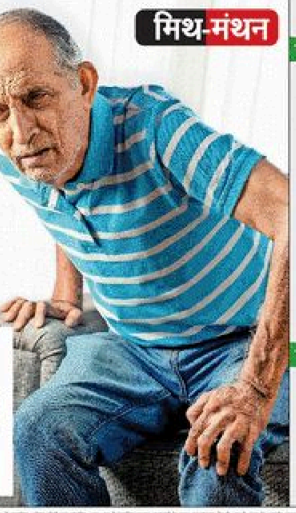

1. मिथ: घुटने में चिकनाई कम हो जाने के मतलब हमें ज्यादा मात्रा में घी या तेल का सेवन करना है...

सच्चाई इस तरह की सोच पूरी तरह गलत है। घुटने में चिकनाई का मतलब कार्टिलेज से है। कार्टिलेज की मौजूदगी फीमर बोन और टिबिया बोन के कैप पर होती है। यह एक कवरिंग जैसी होती है, जिसकी मोटाई 2-4mm तक होती है। जैसा कि पहले भी बताया गया है कि यह दोनों हड्डियों को आपस में रगड़ खाने से बचाती है। अहम बात यह कि कार्टिलेज की मजबूती के लिए प्रोटीन (टाइप-2 कोलेजन) की जरूरत होती है। यही वह प्रोटीन है जो हमारे जोड़ों को लचीलापन, मजबूती और झटके सहने की क्षमता देता है। टाइप-2 कोलेजन एक खास तरह का कोलेजन प्रोटीन है जो अहम रूप से हायलिन कार्टिलेज में पाया जाता है। घुटने, कूल्हे, कंधे जैसे जोड़ों में इसकी भरपूर मात्रा होती है। इसका अहम काम है जोड़ों को स्मूद मूवमेंट देना, हड्डियों के बीच घर्षण कम करना और शॉक एब्जॉर्ब करना, साथ ही कार्टिलेज के स्ट्रक्चर को बनाए रखना।

प्रोटीन की जरूरत सिर्फ यहीं नहीं होती, बल्कि पूरे शरीर में, हर कोशिका में होती है। इसलिए इसे शरीर का बिल्डिंग ब्लॉक (जैसे घर बनाने में ईंट की जरूरत होती है) कहते हैं। हमें अपने हर दिन की डाइट में वजन, उम्र और शारीरिक स्थिति के हिसाब से 50 से 70 ग्राम तक प्रोटीन लेना चाहिए। ऐसा नहीं है कि चिकनाई यानी तेल या घी नहीं खाना है। ये भी जरूरी है, लेकिन घुटनों में चिकनाई बढ़ाने के लिए फैट नहीं प्रोटीन की जरूरत होती है। यह प्रोटीन वेज (दूध, पनीर, स्प्राउट्स आदि) और नॉनवेज (अंडा, चिकन, मछली आदि) कहीं से भी ले सकते हैं।

2. मिथ: हीमोग्लोबिन सही तो घुटने कैसे खराब...

सच्चाई हीमोग्लोबिन को ही पूरी हेल्थ मान लेते हैं। यह गलत है। हीमोग्लोबिन सिर्फ यह दिखाता है कि हमारे खून में ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता कैसी है। एनीमिया है या नहीं? सीधे कहें तो यह एक ब्लड पैरामीटर है, न कि पूरे शरीर के हेल्थ का। वहीं, किसी शख्स में हीमोग्लोबिन अच्छा हो सकता है, लेकिन कार्टिलेज खराब हो सकता है। दोनों का सीधा संबंध नहीं है। इसे एक आसान उदाहरण से समझ सकते हैं। हमारी गाड़ी में पेट्रोल फुल है (हीमोग्लोबिन अच्छा है), लेकिन गाड़ी के टायर बहुत ज्यादा घिस चुके हैं या फट चुके हैं (कार्टिलेज खराब है) तो सवाल है कि गाड़ी चलेगी कैसे? वैसे भी कार्टिलेज में खून की नलियां नहीं होतीं। हमारे चलने से कार्टिलेज को न्यूट्रिशन मिलता है। इसी से घुटने में मौजूद साइनोवियल फ्लूइड (इसी में न्यूट्रिशन घुला होता है) में मूवमेंट (जैसे स्पंज पानी सोखता है और छोड़ता है) होती है और कार्टिलेज को न्यूट्रिशन यानी भोजन मिलता है। अगर यह मूवमेंट कम हो जाए यानी हम टहलना कम कर दें तो कार्टिलेज को न्यूट्रिशन कम मिलेगा और कार्टिलेज कमजोर हो जाएगा।

3. मिथ: घुटनों की सर्जरी ज्यादा उम्र में ही...

सच्चाई हां, यह सच है कि घुटने बदलवाने की नौबत अमूमन ज्यादा उम्र में ही ज्यादा आती है क्योंकि इस समय तक उम्र, वजन आदि की वजह से कार्टिलेज घिस जाते हैं। लेकिन अगर किसी के घुटने कम उम्र में बहुत ज्यादा वजन आदि की वजह से ज्यादा घिस जाएं और रिवाइवल मुमकिन न हो। एक्सीडेंट आदि की वजह से कार्टिलेज खराब हो जाए तो सर्जरी मुमकिन है। अमूमन ऐसी सर्जरी 18 साल के बाद की जाती है।

4. मिथ: घुटनों में दर्द शुरू यानी बदलना ही है...

सच्चाई कई लोग ऐसा सोचते हैं कि एक बार घुटने में दर्द शुरू हो गया तो अब बदलना ही होगा, जबकि ऐसा बिलकुल नहीं है। जैसा कि पहले बताया गया है कि भले ही घुटनों में दर्द शुरू हो जाए, लेकिन अगर कार्टिलेज ज्यादा खराब न हुए हों तो यह जरूरी नहीं है कि घुटने बदलवाने ही पड़ जाएं। डॉक्टरी सलाह, सही लाइफस्टाइल आदि से चीजें बेहतर भी हो जाती हैं। कई बार तो दर्द शुरू होने के बाद बदलने की नौबत आने में 10 से 20 साल या फिर इससे ज्यादा टाइम भी लग सकता है या फिर बदलने की नौबत ही नहीं आती। ऐसा देखा गया है कि एक ग्रेड से दूसरे ग्रेड में पहुंचने में 5 से 7 साल का वक्त लगता है। यह टाइम उस शख्स की लाइफ स्टाइल और बदलाव पर निर्भर करता है। वहीं कई मामलों में घुटने में मौजूद साइनोवियल फ्लूइड (घुटने का एक तरह का ग्रीस) कम होने से भी दर्द बढ़ जाता है।

5. मिथ: सर्जरी के बाद फिजियोथेरपी करा लें तो ठीक, न कराएं तो भी कोई बात नहीं..

सच्चाई इस तरह की सोच नी रिप्लेसमेंट करा चुके कई लोगों और उनके अटेंडेंट की होती है। यह सही नहीं है। घुटने की सर्जरी के बाद फिजियोथेरपी बेहद जरूरी है। ऐसा न करने से घुटनों को जहां 100 डिग्री तक मुड़ना चाहिए, वे महज 60-70 डिग्री तक ही मुड़ पाते हैं। साथ ही, घुटनों में जकड़न भी आने लगती है। सीढ़ियों पर चढ़ने में हमेशा परेशानी हो सकती है। सोफे पर बैठने में परेशानी होती है। इसलिए सर्जरी के बाद फिजियोथेरपी बेहद जरूरी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-04-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP11 User: anil.rana@timesofindia.com Time: 04-11-2026 22:19 Color:

जेनरेशन की उलझन संडे NBT स्पेशल

बदलते वक्त के साथ पैरंट्स और बच्चों के रिश्तों में नई चुनौतियां आ रही हैं। पढ़ाई, करियर, दोस्ती, आजादी और भरोसे जैसे मुद्दों पर अक्सर दोनों पीढ़ियों के बीच दूरियां, गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं, लेकिन उनकी खुलकर बातचीत कम ही हो पाती है। हमारे इस स्पेशल कॉलम में रीडर्स बेझिझक अपने सवाल पूछ सकते हैं। जाने-माने एक्सपर्ट्स उनका जवाब देंगे। आज सवालों के जवाब दे रही हैं, चाइल्ड साइकॉलजिस्ट व एडोलसेंट काउंसलर **प्रीति श्रीवास्तव**

दो बेटियां हैं, बड़ी बेटी बार-बार रूठती है, संतुलन कैसे बनाऊं?

मेरी दो बेटियां हैं। एक 5 साल की और दूसरी 2 साल की। छोटी बेटी के जन्म के बाद मैं दोनों के बीच संतुलन नहीं बना पा रही हूं। मुझे डर है कि इसका असर बड़ी बेटी पर न पड़े क्योंकि वह बार-बार रूठ जाती है। मैं क्या करूं? - एक पाठिका

दो बच्चों के आने के बाद मां के लिए समय और ध्यान बराबर बांटना आसान नहीं होता, खासकर जब छोटा बच्चा बहुत छोटा हो। ऐसे में आपकी बड़ी बेटी का बार-बार रूठना बिलकुल स्वाभाविक है। वह शायद शब्दों में न कह पाए, लेकिन उसके मन में यह भावना हो सकती है कि पहले मम्मी सिर्फ उसकी थीं, अब उसे पहले जैसा समय नहीं दे रहीं। दरअसल, उसका रूठना जिद नहीं, बल्कि ध्यान और प्यार पाने की एक मासूम कोशिश है। वह यह महसूस करना चाहती है कि मम्मी का प्यार उसके लिए कम नहीं हुआ है। इसलिए जरूरी है कि आप उसे यह एहसास दिलाएं कि वह अभी भी उतनी ही खास है। कोशिश करें कि दिन में 10-15 मिनट सिर्फ उसके लिए निकालें। उसके साथ खेलें, बात करें या कहानी सुनाएं। जब आप पूरा ध्यान उसी पर देंगी, तो उसे सुरक्षित और प्यारा महसूस होगा। उसे छोटी बहन की देखभाल में भी शामिल करें। जब आप उसे जिम्मेदारी देंगी, तो उसे लगेगा कि परिवार में उसकी खास जगह है। जब वह रूठे, तो पहले उसे प्यार से गले लगाएं और उसकी भावनाओं को समझें। छोटी बहन के सामने भी उसकी तारीफ करें, इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। यह समय थोड़ा मुश्किल जरूर है, लेकिन धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा। बस उसे थोड़ा ज्यादा समय, प्यार व ध्यान देने की जरूरत है, ताकि वह खुद को फिर से खास महसूस कर सके।

गेमिंग में करियर चाहता हूं, पैरंट्स चाहते हैं कि पढ़ाकू बनूं, क्या करूं?

मैं 14 साल का हूं और ऑनलाइन गेमिंग व कॉन्टेंट क्रिएशन में करियर बनाना चाहता हूं। लेकिन मेरे पैरंट्स इसे बेकार मानते हैं और हमेशा मुझे सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देने को कहते हैं। ऐसे में मैं क्या करूं? - एक पाठक

यह अच्छी बात है कि आप 14 साल की उम्र में ही अपने भविष्य को लेकर गंभीर हैं। ऑनलाइन गेमिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन में करियर बनाने की आपकी सोच आपकी क्रिएटिविटी और आज के डिजिटल दौर की समझ को दिखाती है। आज इस क्षेत्र में भी सही और सफल करियर बन चुके हैं। साथ ही, अपने पैरंट्स की चिंता को समझना भी जरूरी है। उन्हें लगता है कि यह फील्ड अनिश्चित और ज्यादा कॉम्पिटिशन वाली है, इसलिए वे चाहते हैं कि आपका भविष्य सुरक्षित रहे। उनके लिए पढ़ाई सबसे सुरक्षित रास्ता है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे आपके सपने के खिलाफ हैं, बल्कि वे आपकी भलाई चाहते हैं। उनसे बहस करने के बजाय धीरे-धीरे उनका भरोसा जीतने की कोशिश करें। उन्हें दिखाएं कि आप अपने सपने को लेकर गंभीर हैं। आप पढ़ाई को प्राथमिकता दें और अपने प्रदर्शन को अच्छा रखें। साथ ही गेमिंग या कॉन्टेंट क्रिएशन के लिए एक तय समय रखें, जैसे होमवर्क के बाद 1-2 घंटे। छोटे स्तर से शुरुआत करें और जो भी काम कर रहे हैं, उसकी प्रगति उन्हें दिखाते रहें। साथ ही विडियो एडिटिंग, कम्युनिकेशन और स्टोरी टेलिंग जैसी जरूरी स्किल्स सीखें। जब पैरंट्स देखेंगे कि आप पढ़ाई और अपने शौक दोनों को बैलेंस कर रहे हैं, तो वे धीरे-धीरे आपका साथ देने लगेंगे। पढ़ाई के साथ अपने शौक को भी आगे बढ़ाएं। यही सबसे बेहतर तरीका है।

जेनरेशन की उलझन
हमें ऐसे भेजें अपने सवाल

*यह कॉलम पैरंट्स और बच्चों दोनों के लिए है। अगर आपके भी कुछ सवाल हो तो हमें **sundaynbt@timesofindia.com** पर ईमेल करें या वॉट्सऐप नंबर **89298-16941** पर मंगलवार तक भेज दें। चुने हुए सवालों पर एक्सपर्ट्स से बात करके जवाब पब्लिश किए जाएंगे।*

केरल में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, खिड़की टूटी

भाषा, पलक्कड़: केरल के पलक्कड़ जिले में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही ट्रेन की एक खिड़की इस दौरान क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ। जीआरपी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे पराली क्षेत्र के पास हुई। अचानक ट्रेन पर पत्थर फेंके जाने से एक कोच की खिड़की को नुकसान पहुंचा। अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी को चोट नहीं आई है, लेकिन खिड़की को मामूली नुकसान हुआ है। आरपीएफ ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'J&K में ड्रग तस्करों के आधार, पासपोर्ट रद्द करेंगे'

आईएएनएस, जम्मू: जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने ड्रग तस्करों के खिलाफ कड़े दंडात्मक कदम उठाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों के पासपोर्ट, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। उनकी चल और अचल संपत्तियां जब्त कर ली जाएंगी, बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएंगे और वित्तीय जांच शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

पंजाबः अपराधियों की सूचना देने पर 2 लाख का इनाम

पीटीआई, चंडीगढ़: पंजाब सरकार ने अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए नई इनाम नीति शुरू की है। इसके तहत सूचना देने वालों को 1 लाख से लेकर 2 लाख से अधिक तक इनाम मिलेगा। यह नीति 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान का हिस्सा है। पुलिस को वांछित अपराधियों और उनके नेटवर्क की जानकारी देने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। 28 मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों की सूची भी जारी की गई है। इनाम सत्यापित सूचना पर ही मिलेगा और पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

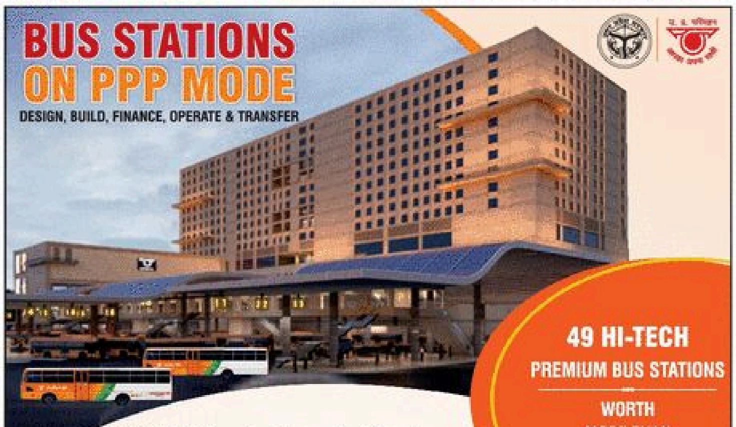

UPSRTC offers development of Premium Bus Stations cum Commercial Complexes on PUBLIC PRIVATE PARTNERSHIP (PPP) basis across Uttar Pradesh on Design, Build, Finance, Operate and Transfer (DBFOT) model.

SALIENT FEATURES

- Sites in heart of city.
- No Impact Fee for many commercial activities.
- Flexible bidding for single, multiple or all projects.
- Concession Period of 90 years.
- Greater FAR 2.5 available.
- Over INR 4300 Cr. worth project opportunities.

The details of bus stations offered on PPP mode are provided in the Tender Documents. The tender documents are available on: **https://etender.up.nic.in**

BIDDING SCHEDULE

Date of publication of tender documents	12.04.2026 on https://etender.up.nic.in
Last date of receiving clarifications	Upto 15:00 hrs on 26.04.2026
Pre Bid Conference	27.04.2026 (at 11:00 hrs) at Conference Hall, Parivahan Bhawan, Tehri Kothi, Lucknow
Date of uploading of addendum/corrigendum, if any	02.05.2026 (upto 15:00 hrs) on https://etender.up.nic.in
Bid submission date & place (Application Due Date)	08.06.2026 (upto 15:00 hrs) on https://etender.up.nic.in
Opening of technical bid	08.06.2026 (16:00 hrs onwards)

:FOR ENQUIRY:
Dr. Bipin Kumar Mishra (AMD), MOB.: 8299607405
Mr Yajuvendra Kumar(GM-PPP), Mob.: 9219615066
E-mail: ppp@upsrtc.com

U.P. STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION
Mahatma Gandhi Marg, Tehri Kothi, Lucknow - 226 001,
Phone: 0522-2274250, 2621737, Website: www.upsrtc.com

MARUTI SUZUKI
NEXA

EXPERIENCE GRAND IN EVERY DRIVE WITH THE **GRAND VITARA.**

NOW AT ~~₹ 9 999~~
₹ 8 999 PER MONTH

EFFECTIVE PRICE OF
₹ 9.92 LAKH^

GRAND VITARA

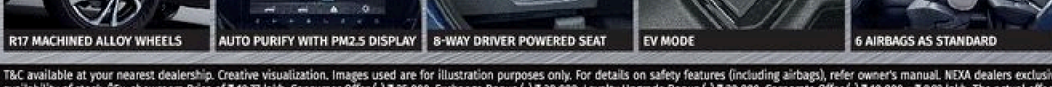

NEXA SAFETY SHIELD

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. For details on safety features (including airbags), refer owner's manual. NEXA dealers exclusively provide all offers, which vary by model and variant. Offers are subject to availability of stock. ^Ex. showroom Price of ₹ 10.77 lakh, Consumer Offer (-) ₹ 25 000, Exchange Bonus (-) ₹ 30 000, Loyalty Upgrade Bonus (-) ₹ 20 000, Corporate Offer (-) ₹ 10 000 = ₹ 9.92 lakh. The actual effective price mentioned may vary based on the customer's eligibility, profile, and applicable offers at the time of purchase. Offer valid on Grand Vitara Sigma Variant. Maruti Suzuki may withdraw offers without notice. Offer valid till limited period. Features and accessories shown may not be part of the standard fitment. 'EMI @ Rs 8 999' is a scheme illustration for upgrade from Brezza to Grand Vitara Sigma variant. Balloon Finance EMI is calculated @ 9.5% rate of interest; Balloon EMI is 30% of the total loan amount and loan tenure of 5 years. Balloon Finance Scheme provided by select financiers.

AI Images

NBT आज का इतिहास

अंतरराष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान दिवस

आज ही के दिन 1961 में रूसी अंतरिक्षयात्री यूरी गागरिन (Yuri Gagarin) अंतरिक्ष में जाने वाले पहले इंसान बने थे। इसीलिए आज के दिन को 'अंतरराष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। उनकी यह ऐतिहासिक उड़ान सिर्फ 108 मिनट की थी, जिसमें उन्होंने पृथ्वी का एक चक्कर लगाया। वापसी में गागरिन 7 किलोमीटर की ऊंचाई से पैराशूट के जरिए सुरक्षित धरती पर उतरे थे।

NBT

Front Page-2

संडे नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/एनसीआर

12 अप्रैल 2026

NBT वायरल न्यूज

जैसलमेर का 'चिल चोर'

चोरी से पहले खाने-पीने का मजा और जाते-जाते नोट- दारू के साथ चिप्स रखा करो। आरोपी तेजाराम सुथार चिढ़ाता था, अब गिरफ्त में है।

आज से फ्रांस-जर्मनी की यात्रा पर विदेश सचिव

FILE

विदेश सचिव विक्रम मिस्री

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: विदेश सचिव विक्रम मिस्री रविवार से फ्रांस और जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। दोनों देशों में बातचीत के दौरान ऊर्जा संसाधनों का पहलू अहम रहेगा। इस दौरान ऊर्जा संसाधनों, व्यापार और रक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। पेरिस में विदेश सचिव इंडिया-फ्रांस फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशंस की प्रॉसीडी विदेश मंत्रालय में सेक्रेटरी जनरल मार्टिन ब्रायंस के साथ सह-अध्यक्षता करेंगे। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी, साइबर और डिजिटल पहलुओं पर भी चर्चा करेंगे।

दोनों देशों में बातचीत में ऊर्जा का पहलू अहम होगा

स्पीकिंग ट्री रिट्रीट

योग, ध्यान, मौन और आध्यात्मिक जागरूकता का दिव्य संगम। तीन दिवसीय इस रिट्रीट में होगा ऊर्जा, संतुलन और आंतरिक शांति का संचार। आचार्य कौशल कुमार के मार्गदर्शन में यह यात्रा आपके जीवन को नया आयाम दे सकती है। इस शुल्क में स्वस्थ और एकाग्र जीवन शैली के दिव्य-ज्ञान के साथ आवास और तीन समय का भोजन सम्मिलित है

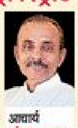

आचार्य कौशल कुमार के सान्निध्य में

स्थान: पुंदर आश्रम, प्रयागराज

तिथि: 17 से 19 अप्रैल 2026

शुल्क मात्र ₹9999-/ प्रति व्यक्ति

सीटें सीमित हैं, आज ही पंजीकरण करें!

रजिस्ट्रेशन कराने के लिए नीचे दिए गए नंबर पर सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे के बीच कॉल करें या अपनी डिटेल्स व्हाट्सऐप पर भेजें।

7003890071

NBT नवभारत टाइम्स

आर्टेमिस-2 सफल

अगला मिशन चांद पर उतरने का

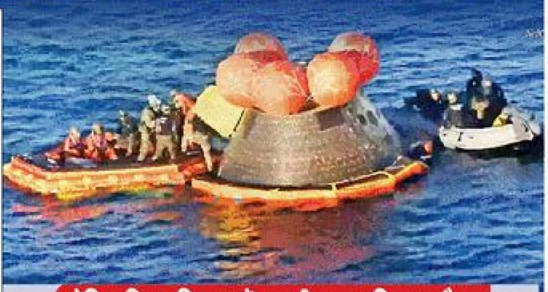

■ एपी, ह्यूस्टन (US)

आर्टेमिस-2 मिशन सफल रहा। चारों अंतरिक्ष यात्री शुक्रवार को प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतर गए। उन्हें सैन डिएगो तट के पास समुद्र से सुरक्षित निकाला गया। इसी के साथ आधी सदी से ज्यादा समय बाद मानवता का पहला चांद मिशन पूरा हो गया। नासा के अधिकारी ने कहा, ये मानवता की ओर से सितारों तक भेजे गए हमारे दूत थे, और मैं इससे बेहतर दल की कल्पना नहीं कर सकता।

मिशन की सफलता से नासा अब अगले दो साल में चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने और दशक के भीतर मून बेस बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। अगला मिशन आर्टेमिस-3 अगले साल होगा, जिसमें अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी की कक्षा में अपने कैप्सूल को लूनर लैंडर से जोड़ने (डॉकिंग) का अभ्यास करेंगे। आर्टेमिस-4 के तहत 2028 में दो अंतरिक्ष यात्रियों को चांद के साउथ पोल के पास उतारने की योजना है।

क्यों अहम था आखिरी पड़ाव?: वापसी में धरती के वातावरण में एंट्री के साथ ही कैप्सूल आग के गोले में बदल गया। मिशन कंट्रोल में तनाव बढ़ गया जब कैप्सूल लाल-गर्म प्लाज्मा से घिर गया और तय योजना के मुताबिक कुछ मिनटों के लिए संचार पूरी तरह बंद हो गया। सभी की नजरें कैप्सूल के हीट शील्ड पर थीं, जिसे हजारों डिग्री तापमान सहना था। करीब 2,000 मील दूर मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों के परिवार मिशन कंट्रोल के व्यूइंग रूम में यह सब देख रहे थे। छह मिनट के ब्लैकआउट के खत्म होते ही कैप्सूल के फिर से संपर्क में आने पर उन्होंने राहत की सांस ली और स्प्लैशडाउन पर खुशी मनाई।

ऐतिहासिक मिशन में पहली बार महिला, ब्लैक

इस मिशन से पहले मून मिशनों से लौटने वाले सभी अंतरिक्ष यात्री सिर्फ व्हाइट मेल पायलट होते थे। बदलते समय को ध्यान में रखते हुए नासा ने इस बार एक डायवर्स और बहुराष्ट्रीय दल चुना। क्रिस्टीना कोच चंद्रमा तक पहुंचने वाली पहली महिला बनीं, विक्टर ग्लोवर पहले ब्लैक अंतरिक्ष यात्री और जेरेमी हैनसेन पहले गैर-अमेरिकी नागरिक रहे। इस मिशन ने कनाडा में भी गर्व का माहौल बनाया। पूरे सफर के दौरान दल ने हंसी, भावनाएं और अपनापन साझा किया, मानो वे पूरी दुनिया को अपने साथ लेकर गए हों।

चांद पर बेस की दिशा में

मिशन 1 अप्रैल को फ्लोरिडा से लॉन्च हुआ और अंतरिक्ष यात्रियों ने कई अहम उपलब्धियां हासिल कीं। मिशन ने चंद्रमा पर लैंडिंग या कक्षा में प्रवेश नहीं किया, लेकिन इसने अपोलो 13 का दूरी रेकॉर्ड तोड़ दिया। दल पृथ्वी से 4,06,771 किमी. दूर तक पहुंचा- जो अब तक इंसानों की सबसे लंबी यात्रा है। इस दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा के दूर वाले हिस्से और पूर्ण सूर्य ग्रहण के दुर्लभ दृश्य रिकॉर्ड किए। पायलट विक्टर ने कहा कि यह अनुभव 'हम सभी को हैरान कर गया।

AP

वापसी के बाद खुश होकर पोज देते अंतरिक्ष यात्री।

मिशन में चुनौतियां भी आईं, लेकिन इतिहास रच गए

आर्टेमिस 2 का करीब 10 दिन का मिशन कई उपलब्धियों के बावजूद तकनीकी दिक्कतों से भी घिरा रहा। कैप्सूल की पीने के पानी और प्रोपेलेंट सिस्टम में वाल्व से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। सबसे ज्यादा चर्चा टॉयलेट की खराबी की रही, जो बार-बार काम नहीं कर रहा था, लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों ने इन परेशानियों को सहजता से संभाल लिया।

डीजल, ATF पर सरकार ने बढ़ाई एक्सपोर्ट ड्यूटी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सरकार ने शनिवार को डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 55.50 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी। बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई। युद्ध के बीच वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों के दाम उछलने से निर्यातकों के लिए ज्यादा लाभ की स्थिति बनी है। इस अचानक बढ़े हुए लाभ पर सरकार ने विंडफॉल गेन टैक्स के रूप में एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई है। इससे पहले सरकार ने 26 मार्च को डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और ATF पर 29.50 रुपये प्रति लीटर की एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई थी।

डीजल पर 55.50 रु. ATF पर 42 रु. प्रति लीटर ड्यूटी

ऊर्जा पर गोयल की सऊदी कॉमर्स मिनिस्टर से बात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जंग के चलते तेल-गैस की सप्लाई प्रभावित होने के बीच भारत ने विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय बातचीत में ऊर्जा संसाधनों पर फोकस बढ़ा दिया है। पिछले हफ्ते पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी के कतर जाने और वहां तेल-गैस के मसले पर बातचीत करने के बाद अब वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सऊदी अरब के कॉमर्स मिनिस्टर डॉ माजिद बिन अब्दुल्ला अल कसाबी से बात की है। गोयल ने शनिवार को कहा, हमने भारत और सऊदी अरब के व्यापार संबंधों को मजबूत करने और एनर्जी सप्लाई में सहयोग बढ़ाने के बारे में बात की।

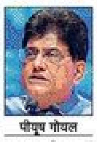
पीयूष गोयल

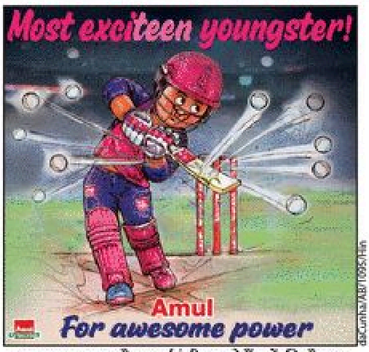

आरआर सुपरस्टार वैभव सूर्यवंशी कर रहे हैं रनों की बौछार!

सीज़फायर के बाद पहला भारतीय टैंकर होर्मुज़ पार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: LPG ला रहा एक और भारतीय जहाज शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) के इस पार आ गया है। सरकार ने कहा कि जहाज 'जग विक्रम' पर करीब 20400 टन LPG है। इसके 15 अप्रैल को मुंबई पहुंचने की संभावना है। सरकार ने यह भी कहा कि देश में घरेलू LPG सिलिंडर की डिलीवरी सामान्य चल रही है और शुक्रवार को 51 लाख 50 हजार से अधिक सिलिंडर घरों तक पहुंचाए गए।

मंत्रालय ने कहा कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 26000 से अधिक PNG उपभोक्ताओं ने अपने LPG कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं। मार्च से अब तक करीब 4.15 लाख PNG कनेक्शंस को गैस सप्लाई शुरू की जा चुकी है और लगभग 4.55 लाख उपभोक्ताओं ने नए कनेक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन किया है।

'LPG सप्लाई नॉर्मल': तेल एवं गैस मंत्रालय ने कहा, पश्चिम एशिया में हालात को देखते हुए सरकार विभिन्न सेक्टरों में बिना किसी बाधा के कामकाज जारी रखने के लिए सक्रियता से काम कर रही है। मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के चलते LPG सप्लाई प्रभावित है। हालांकि मंत्रालय ने घरेलू LPG सिलिंडर की डिलीवरी सामान्य होने की बात की। साथ ही, लोगों से PNG और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप इस्तेमाल करने की अपील भी की।

- सरकार ने कहा, 15 अप्रैल को जहाज के मुंबई पहुंचने की संभावना
- 20400 टन LPG ला रहा है जहाज जग विक्रम
- 51 लाख 50 हजार से अधिक सिलिंडर घरों तक पहुंचाए गए शुक्रवार को
- युद्ध विराम के बाद होर्मुज पार करने वाला पहला भारतीय जहाज

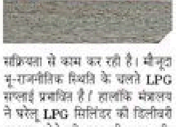

UPI के लिए फीस तो 4 में से 3 लोग इस्तेमाल बंद कर देंगे: रिपोर्ट

AI Image

■ NBT रिपोर्ट

एक सर्वे में हर चार में से तीन शख्स ने कहा कि अगर UPI ट्रांजैक्शन के लिए कोई फीस लगी तो वह इस्तेमाल करना बंद कर देगा। 2016 में शुरू हुआ UPI आज भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली की रीढ़ बन चुका है। अब UPI के 10 साल पूरे होने पर एक चुनौती सामने आई है। लोग इसकी मुफ्त सेवा को सराह रहे हैं, इसलिए ट्रांजैक्शन फीस लगाने के किसी भी प्रस्ताव का विरोध हो रहा है, जिससे सिस्टम की भविष्य की स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं। क्या लोग यूपीआई (UPI) ट्रांजैक्शन फीस देने को तैयार हैं? लोकलसर्किल ने यह जानने के लिए भारत के 376 जिलों के 39,000 से ज्यादा यूजर्स (68% पुरुष, 32% महिलाएं) का सर्वे किया है। पढ़िए सर्वे के नतीजे-

ट्रांजैक्शन फीस जैसी चीजों पर विचार हो रहा है। इसका फॉर्मेट कैसा होना चाहिए?

- 9%- ट्रांजैक्शन पर तय फीस हो
- 3%- ट्रांजैक्शन मूल्य के तय पर्सेंटेज के आधार पर फीस हो
- 13%- तय सीमा तक फिक्स फीस हो, फिर पर्सेंटेज के आधार पर
- 75%- कोई चार्ज न हो, अगर लगा तो मैं UPI का इस्तेमाल नहीं करूंगा/करूंगी।

पिछले 12 महीने में कितनी बार हुआ कि किसी बिजनेस ने UPI के लिए मना किया?

- 3%- 20 बार से ज्यादा
- 8%- 10-20 बार
- 8%- 5-10 बार
- 20%- 3-4 बार
- 18%- एक या दो बार
- 43%- कभी नहीं हुआ

हरियाणा के छात्र ने ढूंढीं UPI ऐप्स की खामियां

■ NBT न्यूज, भिवानी

भिवानी के एक साधारण कार ड्राइवर के बेटे अंकित ठाकुर ने यूपीआई और डिजिटल पेमेंट सिस्टम की उन खामियों को उजागर किया है, जिनका फायदा उठाकर ठग करोड़ों की चपत लगा रहे थे। 2020 में अंकित के पिता के साथ 20,000 की ऑनलाइन ठगी हुई थी। अंकित ने रिसर्च के दौरान UPI ऐप्स में तीन ऐसी कमियां ढूंढीं, जो सुरक्षा के दावों की पोल खोलती हैं। उनमें पहली फ्रोम इंटेंट सुरक्षा दोष, जो इस कमी के जरिए कोई भी संदिग्ध वेबसाइट यूजर की अनुमति के बिना सीधे मोबाइल में यूपीआई ऐप खोल सकती थी, जिससे ठगी का रास्ता आसान हो जाता था। दूसरी प्रमाणीकरण बाईपास है, यह खामी इतनी गंभीर थी कि ऐप लॉक या बायोमेट्रिक जैसी सुरक्षा की पहली परत को भी आसानी से पार किया जा सकता था। तीसरी ऑडियो हाईजैक, इसमें बैकग्राउंड में चल रहा कोई फर्जी ऐप नकली आवाज के जरिए यूजर को भ्रमित करता था।

अंकित ठाकुर

AI Image

- हरियाणा के भिवानी जिले के हैं बीटेक स्टूडेंट अंकित ठाकुर
- पिता एक साधारण कार ड्राइवर हैं। 2020 में 20 हजार की ऑनलाइन ठगी हुई थी

गूगल ने स्वीकारी स्टूडेंट की रिपोर्ट

अंकित ने इन खामियों को दबाने के बजाय जिम्मेदारी दिखाई और जून 2025 से लगातार गूगल की सुरक्षा टीम के साथ संपर्क साधा। महीनों की मेहनत रंग लाई और फरवरी 2026 में गूगल ने इनमें से एक गंभीर खामी को स्वीकार करते हुए उसे ठीक कर दिया। साइबर शोधकर्ता अंकित ने कहा उसका मकसद पैसा कमाना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की मेहनत की कमाई को सुरक्षित करना है।

तकनीक से न्याय प्रक्रिया आसान: CJI

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने ई-कोर्ट्स परियोजना के तीसरे चरण की शुरुआत कर कहा, तकनीक से न्याय प्रक्रिया आसान हुई है। CJI ने कहा, 7210 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी योजना का मकसद अदालतों में केवल तकनीक बढ़ाना नहीं, बल्कि न्याय वितरण की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल, समावेशी और सुलभ बनाना है। तीसरा चरण देश के दूरदराज और वंचित इलाकों तक डिजिटल न्याय पहुंचाने पर केंद्रित है।

CJI सूर्यकांत

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. चांद तक पहुंचने वाली पहली महिला अंतरिक्षयात्री का क्या नाम है?
A. जेसिका मीर B. क्रिस्टीना कोच C.ऐन मैकक्लेन

2. आर्टेमिस-2 मिशन में शामिल ब्लैक अंतरिक्षयात्री का क्या नाम है?
A. विक्टर ग्लोवर B. जेरेमी हैनसेन C. रीड वाइजमैन

3. विदेश सचिव विक्रम मिस्री तीन दिन की विदेश यात्रा पर किस देश का दौरा करेंगे?
A. फ्रांस B. जर्मनी C. दोनों

4. कूनो नैशनल पार्क में मादा चीता ने 4 शावकों को जन्म दिया। अब देश में कुल कितने चीते हैं?
A. 66 B. 67 C. 57

5. सीजफायर के बाद पहला भारतीय जहाज होर्मुज से निकला है। इसका क्या नाम है?
A. जग शक्ति B. जग विक्रम C. जग सागरमिंग-29

कल के जवाब

A1 A. इलाहाबाद A2 B. 2 करोड़ से अधिक A3 B. साद शेरिदा अल-काबी A4 C. हरियाणा A5 A. सुखोई-30

लकी विनर्स

1. हीरालाल डबराल, नई दिल्ली
2. ओम प्रकाश, लखनऊ
3. बलबीर सिंह, गाजियाबाद

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

दाखिले से पहले UGC की गाइडलाइंस

स्टूडेंट्स को बताया कि फर्जी यूनिवर्सिटी, संस्थानों से कैसे बचें

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : 12वीं की बोर्ड परीक्षा खत्म होने के बाद अब लाखों छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी, कॉलेजों समेत देश के दूसरे उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिले की रेस शुरू हो जाएगी। इससे पहले यूजीसी ने दो अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हर साल स्टूडेंट्स फर्जी संस्थानों के जाल में फंस जाते हैं और इससे कैसे बचा जाए, इसकी जानकारी छात्रों और पैरेंट्स को दी गई है। वहीं यूनिवर्सिटी और कॉलेजों के प्रमुखों को भी आगाह किया गया है कि स्टूडेंट्स की सुरक्षा के लिए जो भी रेगुलेशंस बनाए गए हैं, उनके आधार पर नियम- कायदों का पालन करें।

संस्थान प्रमुखों की जवाबदेही तय की गई है। यूजीसी ने कहा है कि दाखिले से पहले यूजीसी की वेबसाइट पर जाकर फर्जी संस्थानों के बारे में जरूर जानकारी ले लें। साथ ही कॉलेज की मान्यता के बारे में भी जानकारी हासिल कर लें।

AI Image

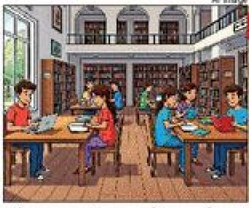

कड़ी चेतावनी

- यूनिवर्सिटी और कॉलेजों के प्रमुखों को भी किया आगाह, छात्रों की सुरक्षा में लापरवाही पड़ेगी भारी
- UGC ने फर्जी कॉलेजों की लिस्ट जारी की है।

NEET-UG: 1.3 लाख से ज्यादा होंगी MBBS सीटें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

NEET-UG के लिए इस बार 22.79 लाख स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है। 2026-27 के सेशन में MBBS की 1.30 लाख से ज्यादा सीटों के लिए मुकाबला होगा। इस टेस्ट के आधार पर MBBS, बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस), आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध मेडिकल कोर्सेज में दाखिले के लिए होने वाला यह एग्जाम 3 मई को होगा। एनटीए का यह ऐसा एग्जाम है, जिसमें सबसे ज्यादा हाजिरी रहती है। मई के पहले रविवार को होने वाले इस एग्जाम की तैयारियों को लेकर शिक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, एनटीए समेत संबंधित अधिकारियों की एक बैठक हुई, जिसमें एग्जाम सेंटरों को लेकर भी चर्चा हुई है। एग्जाम के लिए 700 से ज्यादा सिटी कोऑर्डिनेटर के अलावा 11 हजार से ज्यादा ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए जाएंगे।

FILE

कैपिंग के साथ दुबई एयरपोर्ट फिर खुला

विदेशी कंपनियों की एयरलाइंस हर दिन सिर्फ एक फ्लाइट ही ऑपरेट कर सकेंगी

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : पश्चिम एशिया के तनाव में कमी के आसार बन रहे हैं। इस बीच दुबई एयरपोर्ट ने चुनिंदा डेस्टिनेशंस के लिए फिर से धीरे-धीरे फ्लाइट ऑपरेशन शुरू करने की बात कही है। इसी के साथ एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट की फ्लाइटों में टिकटों की मारामारी भी शुरू हो गई है। अब समस्या ये है कि UAE ने विदेशी एयरलाइंस पर हर दिन सिर्फ एक फ्लाइट को ही ऑपरेट करने की कैपिंग लगाई हुई है। इस कैप की वजह से भारतीय एयरलाइंस दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद समेत किसी भी भारतीय इंटरनैशनल एयरपोर्ट से दुबई के लिए हर दिन केवल एक ही फ्लाइट ऑपरेट कर सकती हैं।

जबकि कैप से पहले भारत से दुबई के बीच एयर इंडिया हर दिन 30, इंडिगो 15 और स्पाइसजेट 11 फ्लाइट ऑपरेट करती थी।

FILE

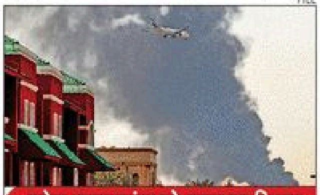

घरेलू एयरलाइंस को राहत पर विचार

फेडरेशन ऑफ इंडिया एयरलाइंस (FIA) ने एविएशन रेगुलेटर को लेटर लिखा है। इसमें भारतीय एयरलाइंस की फ्लाइट बढ़ाने या फिर एमिरेट्स और फ्लाई दुबई की फ्लाइटों पर भी कैप लगाने का सुझाव दिया गया है। हालांकि, एमिरेट्स ने दुनियाभर में अपने 100 रूटों पर फ्लाइटों में कटौती की है। लेकिन भारत के लिए उसने कोई कटौती नहीं की है। यहां उसे अच्छा ट्रैफिक मिल रहा है।

क्या महंगी होंगी हवाई टिकटें?

फ्यूल दो गुना महंगा होने से कई विदेशी एयरलाइंस ने चेक-इन लगेज के चार्ज में बढ़ोतरी कर दी है। बजट एयरलाइंस फ्लाइटों में मिलने वाले ऑन बोर्ड चाय-कॉफी और खाने की कीमत बढ़ा सकती हैं। भारत में फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया गया है और नागर विमानन मंत्रालय की तरफ से एयरलाइंस को भारत में लैंडिंग और पार्किंग में 25 फीसदी की छूट दी गई है ताकि उन्हें जो घाटा उठाना पड़ रहा है। उसकी कुछ भरपाई हो सके।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

मनी लॉन्ड्रिंग/टेरर फंडिंग पर अब और पैनी नज़र, दो एजेंसियों ने मिलाया हाथ

Vishal.Sharma3
@timesofindia.com

■ **देश में** बड़ी संख्या में ऑनलाइन स्कैम, UPI फ्रॉड, फिशिंग, मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फंडिंग से जुड़े साइबर क्राइम आ रहे हैं। अवैध डिजिटल ट्रांजैक्शन को रियल टाइम ट्रैक करके खुफिया जानकारी शेयर करने की दिशा में भारत की साइबर क्राइम यूनिट I4C (Indian Cyber Crime Coordination Centre) और एफआईयू (Financial Intelligence Unit) ने हाथ मिलाया है। ये एक दूसरे को साइबर से जुड़े क्राइम की खुफिया सूचना साझा करेंगे, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फंडिंग जैसे नेटवर्क का पता लगाया जा सकेगा। सूत्रों का कहना है कि MOU पर एफआईयू-आईएनडी के निदेशक अमित मोहन गोविल और आईफोरसी के सीईओ राजेश कुमार ने साइन किए। FIU इंडिया भारत सरकार की इंटेलिजेंस एजेंसी है जो संदिग्ध लेन-देन पर नजर रखती है। वित्त मंत्रालय के तहत काम करती है। I4C भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र है जो गृह मंत्रालय के तहत देश की साइबर एजेंसी है।

AI Image

पब्लिक, पुलिस को मिलेगा सपोर्ट

रियल-टाइम खुफिया जानकारी से बैंक ट्रांजैक्शन और साइबर शिकायतों का डेटा तेजी से शेयर होगा। फ्रॉड के बाद एक्शन लेना आसान होगा। इससे गोल्डन आवर्स में पैसे सुरक्षित करने का ज्यादा चांस है। इससे पैसे को जल्दी फ्रीज/ रिकवर किया जा सकेगा। पैसों में ब्लैक एंड वाइट की पूरी चेन पकड़ना आसान होगा।

TVK से AIADMK को भेदने की जुगत में DMK

कोयंबटूर से लाइव

Hemwati.Rajoura1@timesofindia.com

तमिलनाडु के औद्योगिक शहर कोयंबटूर में इस बार चुनाव सिर्फ आंकड़ों की लड़ाई नहीं, बल्कि माहौल और धारणा की जंग बन चुका है। शहर की सड़कों से लेकर बाजारों और रिहायशी इलाकों तक चुनावी रंग साफ नजर आ रहा है। कहीं एआईएडीएमके-बीजेपी के झंडे और बैनर हैं तो कहीं डीएमके के पोस्टर और रैलियों की गूंज। पिछले चुनाव में एआईएडीएमके और उसके सहयोगियों ने जिले की सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। यही वजह है कि इस बार डीएमके इस गढ़ में सेंध लगाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है।

कैंपेन में ताकत और टक्कर

कोयंबटूर के उक्कडम बस स्टैंड से लेकर मुख्य बाजारों तक बीजेपी-एआईएडीएमके गठबंधन का कैंपेन आक्रामक नजर आता है। वानाथी श्रीनिवासन के नामांकन के दौरान बड़ी भीड़ जुटी, जहां राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा की मौजूदगी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। बाइक रैलियां, लाउडस्पीकर पर चुनावी गाने और घर-घर संपर्क अभियान पूरी ताकत के साथ मैदान में है।

वानाथी श्रीनिवासन पहचान और संगठन का फायदा

कोयंबटूर नॉर्थ सीट पर वानाथी श्रीनिवासन एक मजबूत चेहरा मानी जा रही हैं। पहले कोयंबटूर साउथ से जीत दर्ज कर चुकी वानाथी इस बार नई सीट पर किस्मत आजमा रही हैं। कोयंबटूर से लोकसभा चुनाव में हार का सामना करने वाले तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई चुनाव नहीं लड़ रहे हैं लेकिन चुनाव प्रचार में शामिल हो रहे हैं। के. अन्नामलाई वानाथी के रोडशो में शामिल हुए थे।

बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष वानाथी श्रीनिवासन के नामांकन में भीड़।

कांग्रेस की उम्मीद बरकरार

डीएमके गठबंधन में कांग्रेस को तमिलनाडु में कुल 28 सीटें मिलीं। इनमें दो सीटें कोयंबटूर जिले में हैं। सिंगानल्लूर, कावुंडमपालयम में उम्मीदवार मैदान में हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता मानते हैं कि पार्टी यहां बहुत मजबूत नहीं है, पर गठबंधन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पार्टी कार्यकर्ता शिवा का कहना है, इस बार डीएमके गठबंधन पहले से मजबूत है। इस वजह से जहां से एआईएडीएमके सबसे अधिक सीटें लाती है, वहां भी उसे नुकसान होगा।

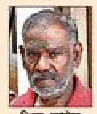
शिवा, कांग्रेस कार्यकर्ता

माहौल क्या कहता है?

ग्राउंड पर बात करने पर साफ होता है कि कोयंबटूर में इस बार सीधा मुकाबला नहीं है। एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश में है, जबकि डीएमके बदलाव की उम्मीद जगा रही है। वोटरों के बीच भी मिश्रित राय है, कुछ विकास कार्यों से संतुष्ट हैं, तो कुछ बदलाव की बात कर रहे हैं। युवा मतदाताओं में नए विकल्पों को लेकर उत्सुकता है, जबकि पारंपरिक वोट बैंक गठबंधनों के साथ दिख रहे हैं।

TVK की एंट्री ने माहौल में नया फैक्टर जोड़ दिया है

अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके ने इस बार पहली बार चुनावी मैदान में उतरकर माहौल में एक नया फैक्टर जोड़ दिया है। पार्टी के ज्यादातर उम्मीदवार नए चेहरे हैं, लेकिन युवाओं के बीच कुछ आकर्षण देखने को मिल रहा है। थोंडामुथुर सीट पर सतीश राजू की उम्मीदवारी को लेकर चर्चा है, क्योंकि पारिवारिक राजनीतिक बैकग्राउंड से उन्हें कुछ पारंपरिक वोट मिल सकते हैं। उनके पिता एआईएडीएमके के नेता थे हैं। दूसरी ओर, डीएमके गठबंधन ने भी कोयंबटूर में पूरी ताकत झोंक दी है। 5 अप्रैल को कनिमोझी की रैली में बड़ी भीड़ देखने को मिली थी।

फटाफट खबरें

मंत्री का हेलिकॉप्टर पार्किंग में उतरा

■ **भाषा, पुणे:** महाराष्ट्र सरकार के मंत्री छगन भुजबल को ले जा रहा एक हेलिकॉप्टर शनिवार को पुणे में हेलीपैड के स्थान पर करीब 1,300 मीटर दूर एक पार्किंग पर उतरा। हालांकि, मंत्री ने इस घटना को तूल नहीं देते हुए कहा कि दुर्घटना का कोई खतरा नहीं था। एनसीपी नेता ने कहा, पायलट को हेलीपैड दिखाई नहीं दिया। लैंडिंग सही से हुई। भुजबल एक स्कूल का उद्घाटन करने जा रहे थे।

पार्थ चटर्जी के परिसरों पर छापे

■ **भाषा, नई दिल्ली/कोलकाता:** ईडी ने कथित शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ नए सिरे से शनिवार को छापे मारे। अधिकारियों के अनुसार, जिन स्थानों पर तलाशी ली गई उनमें कोलकाता स्थित चटर्जी का आवास और इस मामले में जेल में बंद कथित बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय का घर शामिल है।

गठबंधन 200 सीटें जीतेगा : स्टालिन

■ **भाषा, चेन्नै:** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन 200 से ज्यादा सीटें जीतेगा। उन्होंने एआईएडीएमके पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप भी लगाया। एक इंटरव्यू में स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले पांच साल में कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं।

तुष्टीकरण की राजनीति खत्म करने को बंगाल में UCC लाएंगे: मोदी

■ भाषा, जंगीपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में रैली के दौरान तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्ता में आई तो तुष्टीकरण की राजनीति खत्म करने के लिए समान नागरिक संहिता (UCC) लागू की जाएगी।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में चुनावी रैली के दौरान मोदी ने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बीजेपी बंगालियों को राज्य में अल्पसंख्यक नहीं बनने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस अब 'मां-माटी-मानुष' छोड़कर वोट बैंक की राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव बंगाल की पहचान और भविष्य बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में जनसांख्यिकीय बदलाव तेजी से हो रहे हैं। राम नवमी के दौरान हुई हिंसा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि बाकी देश में त्योहार शांतिपूर्ण रहा, लेकिन बंगाल में शोभायात्राओं पर हमले हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव हार की आशंका से तृणमूल एआई से फर्जी वीडियो फैला रही है। मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार और 'सिंडिकेट राज' के कारण बंगाल पिछड़ गया है।

शाह बोले-'सिंडिकेट राज' खत्म करेंगे: केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी कहा कि अगर बंगाल में बीजेपी की सरकार बनी तो तृणमूल कांग्रेस का 'सिंडिकेट राज' खत्म कर दिया जाएगा। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को सजा दिलाई जाएगी।

'उम्मीदवारी रद्द कराने की साजिश'

■ **भाषा, कोलकाता :** सीएम ममता बनर्जी ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने निर्वाचन आयोग की मदद से भवानीपुर सीट से उनकी उम्मीदवारी रद्द कराने की कोशिश की, लेकिन तृणमूल कार्यकर्ताओं ने यह साजिश नाकाम कर दी। रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने की कोशिश की गई। उन्होंने बीजेपी पर चुनाव जीतने के लिए गैर-लोकतांत्रिक तरीके अपनाने का आरोप लगाया। ममता ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान मतदाता सूची से 90 लाख नाम हटाने का भी आरोप लगाया।

आज यूथ लीडर्स के साथ साइकिल चलाएंगे मांडविया

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 69वां संस्करण रविवार को आयोजित होगा। यह पहल अब साप्ताहिक फिटनेस गतिविधि से आगे बढ़कर जन आंदोलन बन चुकी है, जो अलग-अलग क्षेत्रों, संस्थानों और समुदायों को जोड़ रही है। इस बार साइकिल यात्रा का नेतृत्व केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया करेंगे। वह स्टेट यूथ लीडर्स के साथ साइकिल चलाएंगे। दिल्ली में इस यात्रा में 1000 से अधिक लोग हिस्सा लेंगे। यह अभियान देशभर में 17 स्थानों पर एक साथ आयोजित होगा। दिल्ली में यात्रा की शुरुआत जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के गेट नंबर 1 से होगी। मांडविया ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए स्वस्थ और जागरूक नागरिक जरूरी हैं।

> 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का देशभर में आयोजन

कूनो में 4 शावकों का जन्म

कूनो में शनिवार को एक मादा चीता ने चार शावकों को जन्म दिया। इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने 'एक्स' पर तस्वीर साझा की।

लद्दाख को आधार के रेकॉर्ड में अलग पहचान

■ NBT रिपोर्ट

लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। अब आधार कार्ड में 'जम्मू-कश्मीर' की जगह 'लद्दाख' दर्ज होगा।

2019 में जम्मू-कश्मीर से अलग होकर लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना था, लेकिन आधार रिकॉर्ड में अब तक पुराना नाम ही दर्ज था। इससे लोगों को पहचान और पते से जुड़े कामों में दिक्कतें हो रही थीं। कई सरकारी और निजी सेवाओं में आधार का इस्तेमाल करते समय परेशानी सामने आती थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने UIDAI के साथ मिलकर समाधान निकाला। इसके तहत एक नई व्यवस्था बनाई गई, जिसमें पिन कोड के आधार पर लद्दाख के सभी निवासियों के आधार रिकॉर्ड को एक साथ अपडेट कर दिया गया। इसके लिए लोगों को अलग-अलग आधार केंद्र जाने की जरूरत नहीं पड़ी। प्रशासन के अनुसार, इस बदलाव से न सिर्फ लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि लद्दाख की अलग पहचान भी आधिकारिक रिकॉर्ड में सही तरीके से दर्ज होगी।

> केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से मांग कर रहे थे लोग

HC का आदेश रद्द, दोषियों की सजा निलंबित की थी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने 2016 के हत्या मामले में दो दोषियों की सजा निलंबित करने वाला पटना हाई कोर्ट का आदेश रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि दोषसिद्धि के बाद सजा निलंबन और ट्रायल से पहले जमानत के मानदंड अलग होते हैं। मामला बक्सर में दर्ज एक हत्या से जुड़ा है। शिकायतकर्ता अपने भाई के साथ जा रहा था। आरोपियों ने भाई को गोली मार दी। 2018 में ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को दोषी ठहराया। हाईकोर्ट में अपील पर उन्हें राहत मिल गई।

> SC ने कहा, दोषसिद्धि के बाद जमानत के मानदंड अलग होते हैं

SC ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

बीमा कंपनियों को 'सुप्रीम' राहत, लापरवाही पर रख सकेंगी पक्ष

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** मोटर दुर्घटना मुआवजा मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने बीमा कंपनियों के अधिकारों को लेकर अहम फैसला दिया है। शीर्ष अदालत ने साफ कहा है कि यदि किसी मोटर दुर्घटना दावा मामले में बीमा कंपनी को पक्षकार-प्रतिवादी के रूप में शामिल किया गया है, तो उसे केवल मोटर वाहन अधिनियम की धारा 149 (2) तक सीमित नहीं किया जा सकता। ऐसी स्थिति में बीमा कंपनी दावा याचिका का सभी उपलब्ध आधारों पर विरोध कर सकती है, जिसमें दुर्घटना में लापरवाही का सवाल और मुआवजे की राशि यानी क्वांटम भी शामिल है। जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने 19 मार्च के आदेश में यह टिप्पणी बीमा कंपनी की उस अपील पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने बीमा कंपनी की अपील को यह कहते हुए गैर-प्रासंगिक मान लिया था कि वह मुआवजे की राशि पर दलील नहीं दे सकती। मामला 54 वर्षीय व्यक्ति की मौत से जुड़ा है। वह सड़क पर पैदल चल रहा था, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में याचिका दाखिल कर कार चालक, वाहन मालिक और बीमा कंपनी को पक्षकार बनाया था।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-04-2026 Zone: Faridabad Edition: 1 Page: NBTFRFP User: cci Time: 04-11-2026 22:38 Color:

नई दिल्ली > रविवार, 12 अप्रैल 2026 > चैत्र 22, शक संवत 1948, वैशाख कृष्ण दशमी, विक्रम संवत 2083 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 22, संख्या 15 > पेज 22* > फरीदाबाद > मूल्य ₹4.00 या ₹10.50* संडे टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in
*मासिक खरीद पर ही लागू

अब हम होर्मुज को साफ करने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। माइन्स बिछाने वाली 28 नावें भी अब समुद्र की तलहटी में हैं।
-डॉनल्ड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति

NBT संडे नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

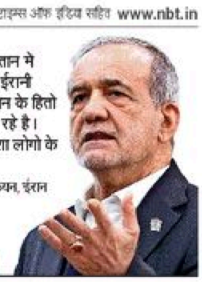

पाकिस्तान में मौजूद ईरानी वार्ताकार ईरान के हितों की रक्षा कर रहे हैं। सरकार हमेशा लोगों के साथ है।
-मसूद पेजेश्कियन, ईरान के राष्ट्रपति

STAR WARS
IPL : आज का मैच

लखनऊ सुपर जॉइंट्स Vs गुजरात टाइटंस
लखनऊ में, शाम 3:30 बजे से

मुंबई इंडियंस Vs रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
मुंबई में, शाम 7:30 बजे से
टेलिकास्ट : जियोहॉटस्टार पर

हैपी मॉर्निंग

पापा: बेटा, जिंदगी में कुछ बनना है तो मेहनत करो।
चिंटू: पापा, मैं तो पहले से ही 'कुछ' हूं। **पापा:** क्या?
चिंटू: आपकी उम्मीदों का तारा।

मौसम

अधिकतम तापमान 34.7°
18.6° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त 6:45 रविवार | सूर्योदय 5:58 सोमवार
अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा।

इस्लामाबाद में ईरान की अमेरिका से मांग- लेबनान पर हमले बंद हों, आज भी दोनों करेंगे बैठक

अमन की आशा

47 साल बाद US-ईरान की आमने-सामने बातचीत

■ एपी/पीटीआई, इस्लामाबाद

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में शांति वार्ता शनिवार को इस्लामाबाद में शुरू हुई तो इससे वॉर के बीच अमन की आशा जगी है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वान्स से मुलाकात की, फिर ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबाफ से मिले। दोनों देशों की टीमों से पहले अलग-अलग कमरों में बात हुई और फिर वाइट हाउस ने कंफर्म किया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में जेडी वान्स अपने दल के साथ ईरानी डेलिगेशन के सामने बैठे। बैठक का पहला राउंड करीब 2 घंटे चला। खबर है कि लेबनान में सीजफायर पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनती दिख रही है। ईरानी मीडिया का यह भी कहना है कि फ्रीज ईरानी संपत्ति को लेकर भी कुछ प्रगति के संकेत मिले हैं। यह मीटिंग आज भी जारी रह सकती है।

बातचीत का पहला दौर करीब 2 घंटे तक चला, पॉजिटिव संकेत मिले

47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार है, जब दोनों देश के नेताओं ने इतने बड़े लेवल पर आमने-सामने बैठकर बातचीत की है। बातचीत बंद कमरों में हुई, जिससे जानकारियां स्पष्ट तौर पर देर रात तक सामने नहीं आईं, लेकिन दोनों पक्षों के डिनर के बाद भी मुलाकात से आगे और प्रगति की उम्मीद जताई गई।

AP

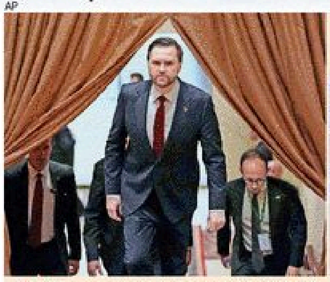

बैठक जारी... इस्लामाबाद में पाकिस्तान के पीएम से ईरान के मुद्दे पर बात करने जाते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वान्स।

उम्मीदें जगीं... ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबाफ से पाक के पीएम शहबाज शरीफ ने अलग बात की।

अमेरिका की तरफ से	ईरान की तरफ से	पाकिस्तान की तरफ से
जेडी वांस (उपराष्ट्रपति)	मोहम्मद बाकिर गालिबाफ (संसद के स्पीकर)	शहबाज शरीफ (प्रधानमंत्री)
स्टीव विटकॉफ (खास दूत)	अब्बास अराघची (विदेश मंत्री)	आसिम मुनीर (आर्मी चीफ)
जेरेड कुशनर (ट्रंप के दामाद)	मजीद तख्त रवांची (उप विदेश मंत्री)	इशाक डार (विदेश मंत्री)
ब्रैड कूपर (सैन्य अधिकारी)	बातचीत अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची।	आसिम मलिक (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार)

'ईरान हार रहा', ट्रंप के इस बयान से बैठक पर असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान मौजूदा संघर्ष में बुरी तरह हार रहा है। ट्रंप ने यह बयान उस वक्त दिया जब पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता जारी है। ट्रंप ने कहा, फेक न्यूज मीडिया ईरान को मजबूत दिखा रहा है, जबकि ईरान की बड़ी हार है। अल जजीरा के मुताबिक शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सहज दिख रहा था, लेकिन ट्रंप की इस तीखी और आक्रामक भाषा ने बातचीत के माहौल को प्रभावित किया है। जेडी वान्स के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गई है, क्योंकि वह ऐसे युद्ध को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे वह खुद शुरू नहीं करना चाहते थे।

ट्रंप ने साधा अमेरिकी मीडिया पर निशाना

लेबनान के पीएम ने US दौरा रद्द किया

AP

इस्राइल के हमले लेबनान में 24 घंटे में 200 से ज्यादा जगह हमले।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लेबनान ने इस्राइल के साथ सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका में बात करने से इनकार कर दिया है। वहीं खबर है कि लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने अपना अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। वह अगले हफ्ते वॉशिंगटन जाने वाले थे, जहां उनकी मुलाकात अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से होनी थी। नवाफ सलाम ने कहा कि लेबनान के मौजूदा हालात को देखते हुए उनका देश में रहना जरूरी है। ▸▸ पेज 5

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-04-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP2 User: cci Time: 04-11-2026 21:56 Color:

देश की सबसे छोटी नदी 'अरवरी' की तर्ज पर साहिबी होगी जिंदा!

लोगों ने खुद ही बनाए थे अरवरी के बाढ़ क्षेत्र में जोहड़

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

■ अरवरी को रातों की मेहनत के बाद सामुदायिक प्रयासों से जिंदा किया गया
■ अब बारह महीने बहने वाली नदी में हो गई है शामिल

राजधानी में यमुना को साफ करने के साथ साहिबी नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयास सालों से हो रहे हैं। इन सब के बीच इन दिनों चर्चा में आई है देश की सबसे छोटी नदी अरवरी नदी। अलवर जिले में करीब 45 किलोमीटर की यह नदी साहिबी में समा जाती है। यह चर्चा में इसलिए है क्योंकि लोगों के प्रयास से इसे पहले जीवित किया गया और अब यह नदी बारह महीने बहने वाली नदी में शामिल हो गई है।

अरवरी नदी प्रोजेक्ट से जुड़ी तरुण भारत संघ की चीफ एडवाइजर इंदिरा खुराना ने बताया कि अरवरी अलवर के थानागाजी ब्लॉक के थानेट गांव के पास अरावली की पहाड़ियों से शुरू होकर सरस गांव के निकट साहिबी में मिल जाती है। 1960 के दशक में खनन, भूजल दोहन और अन्य कई कारणों से नदी पूरी तरह सूख गई। पानी की कमी से रोजगार कम हो गए। नदी करीब तीन दशकों तक सूखी रही। 1980 में तरुण भारत संघ के फाउंडर और वॉटर मैन राजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर प्रयास शुरू किए।

हालांकि यह काम नदी को जीवित करने के लिए नहीं पानी की उपलब्धता के लिए शुरू हुआ था। लेकिन यह जल्द ही पुनरुद्धार अभियान से जुड़ गया। सरकारी मदद के बिना ग्रामीणों ने अपने श्रम से नदी के बाढ़ क्षेत्र में जोहड़ बनाए। इस तकनीक से बारिश के पानी को रोका गया। इससे भूजल बढ़ा। 1990 तक नदी में पानी लौटने लगा और 1995 तक इसमें बहाव वापस आ गया। अब इसे 12 महीने बहने वाली नदी में शामिल कर लिया गया है। इंदिरा कहती हैं कि अरवरी नदी साहिबी में गिरती है। साहिबी को इस तकनीक से जिंदा किया जा सकता है।

3 मिनट में पढ़ें

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर और बायोडायवर्सिटी एक्सपर्ट डॉ. सुमित डूकिया के अनुसार, अरवरी नदी पूरी तरह सामुदायिक प्रयासों से जीवित हुई है। लोगों ने नदी को जीवन का हिस्सा मानकर काम किया। साहिबी नदी को ऐसे ही लंबे समेकित प्रयास से पुनर्जीवित किया जा सकता है। साहिबी नदी का पानी मानेसर के पास मसानी बांध तक आ रहा है। तीन राज्यों राजस्थान (उद्गम स्थल), हरियाणा और फिर दिल्ली को इस नदी और उसके बहाव क्षेत्र को सम्मान पूर्वक नदी का हिस्सा मानते हुए पुनर्स्थापना की तरफ पहल करनी होगी।

अरवरी नदी

- अरवरी नदी का कुल कैचमेंट एरिया - 492 वर्ग किलोमीटर नदी की कुल लंबाई - 45 किलोमीटर
- नदी के स्थानीय क्षेत्र में सामान्य तौर पर सालाना कितनी बारिश होती है - 600 एमएम
- तरुण भारत संघ ने अरवरी के कैचमेंट एरिया में 1985 से 2018 तक लोगों के साथ मिलकर 402 पानी संरक्षण निर्माण किए
- खनन, भूजल दोहन से पूरी तरह सूख गई थी नदी

20 तक पारा पहुंचेगा 40 पार

अप्रैल के अंतिम हफ्ते में होता है आमतौर पर इतना ज्यादा तापमान | **दिल्ली का AQI 123 रहा, मुख्य प्रदूषक ओजोन और PM 10** | **शनिवार को खिली रही धूप, अधिकतम टेंपरेचर 34.7 डिग्री**

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अप्रैल के मध्य में ही इस बार तापमान 40 के करीब पहुंच जाएगा। 20 अप्रैल तक यह 40 डिग्री को पार करने की संभावना है। आमतौर पर अप्रैल के अंतिम हफ्ते में तापमान इस हद तक गर्म होता है। वहीं, आने वाले 10 दिनों में बारिश की संभावना नहीं है। अभी दिन के समय जो हवाएं चल रही हैं, वह भी 13 अप्रैल से कमजोर पड़ जाएंगी।

पूर्वानुमान के अनुसार ही शनिवार को तापमान तेजी से बढ़ा। बीते शुक्रवार की तुलना में इसमें करीब तीन डिग्री का इजाफा देखने को मिला। सुबह से ही धूप खिली हुई थी। अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.4 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.4 डिग्री अधिक रहा। लोदी रोड का अधिकतम तापमान 35 और रिज का 35.5 डिग्री रहा। वहीं, पालम का न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री, रिज का 18.1 डिग्री, लोदी रोड का 17.8 डिग्री और आया नगर का 17.2 डिग्री रहा।

रविवार को आसमान साफ रहेगा, तेज चलेंगी हवाएं

पूर्वानुमान के अनुसार रविवार को आसमान साफ रहेगा। हवाएं तेज रहेंगी। इनकी गति 15 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रह सकता है। सोमवार से हवाएं सुस्त हो जाएंगी। 13 से 17 अप्रैल 16 अप्रैल के बीच गर्मी तेजी से बढ़ेगी। अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 से 25 डिग्री तक रह सकता है। इसके बाद 17 अप्रैल को अधिकतम तापमान 39 से 41 और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री तक पहुंच सकता है।

File Photo

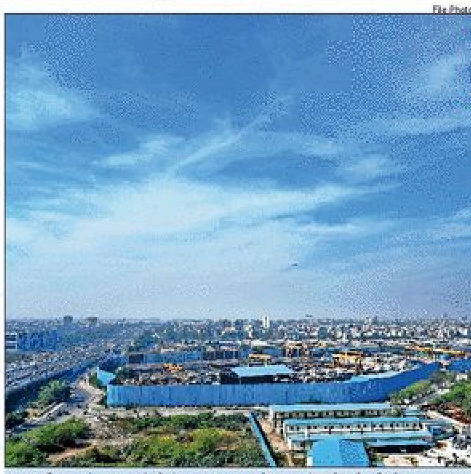

शनिवार को तापमान तेजी से बढ़ा, शुक्रवार की तुलना में करीब तीन डिग्री का इजाफा

दिल्ली में प्रदूषण रहा सामान्य स्तर पर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदूषण शनिवार को सामान्य स्तर पर रहा। अगले तीन दिनों तक यह इसी स्तर पर रहेगा। इसके बाद प्रदूषण का स्तर खराब हो सकता है।
केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई 123 रहा। मुख्य प्रदूषक ओजोन और पीएम 10 रहा। फरीदाबाद में एक्यूआई 132, गाजियाबाद में 146, ग्रेटर नोएडा में 158, गुरुग्राम में 192 और नोएडा में 122 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार 12 से 14 अप्रैल तक प्रदूषण सामान्य स्थिति में रहेगा।
इसके बाद अगले छह दिनों तक इसकी स्थिति सामान्य से खराब रह सकती है। शनिवार को हवाओं की गति 15 से 35 किमी प्रति घंटे रही। रविवार को यह 15 से 35 किमी प्रति घंटे, सोमवार को 15 से 20 किमी प्रति घंटे और मंगलवार को 15 से 22 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है।

अधूरी तैयारियां हादसों की वजह: एक्सपर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मॉनसून के दौरान राजधानी में होने वाले हादसों को कम करने के लिए तैयारियां करने का उपयुक्त समय आ गया है। एक्सपर्ट के अनुसार बीते कुछ सालों में मॉनसून के दौरान हादसे काफी अधिक हुए हैं। ऐसे में मॉनसून की तैयारियों को सिर्फ नालों की सफाई तक सीमित रखने से काम नहीं चलेगा। बारिश के बदलते पैटर्न, पुराने हादसों का विश्लेषण और उनके आधार पर हॉट स्पॉट पहचानने की जरूरत है। एक्सपर्ट के अनुसार मॉनसून में राजधानी में अधिकांश मौतें बारिश की वजह से नहीं बल्कि करंट लगने, निर्माणाधीन साइटों पर हुए हादसों, जर्जर व पुरानी बिल्डिंगों के गिरने, खराब जल निकासी की वजह से डूबने, सड़क हादसों की वजह से हो रही हैं। प्री मॉनसून सीजन में होने वाली बारिश मई के आखिरी हफ्ते में जोर पकड़ने लगती है। अब राजधानी में शुष्क स्पेल चल रहा है। ऐसे में यह तैयारियों के लिए सही समय है। बीते चार पांच साल में मॉनसून के दौरान एक दिन में 70 से 180 एमएम तक होने वाली बारिश के दिन बढ़ रहे हैं। हर सीजन में ऐसे दस से पंद्रह दिन आ रहे हैं। ऐसे ज्यादातर दिन जुलाई और अगस्त में आते हैं। आरडब्ल्यूए के सबसे बड़े संगठन 'ऊर्जा' के प्रेसिडेंट अतुल गोयल के अनुसार मॉनसून के लिए दिल्ली में तैयारी ही नहीं होती। एक्टिविस्ट व प्लानिंग इंजीनियर विक्रांत साही ने बताया कि हर साल मॉनसून में जलभराव होता है। वजह प्राकृतिक स्लोप की अनदेखी करना है। पर्यावरण एक्टिविस्ट भवरीन कंधारी ने बताया कि मौतों की सीधी वजह यही है कि दिल्ली ज्यादा बारिश के लिए तैयार नहीं है।

दिल्ली छावनी बोर्ड
निविदा सूचना

दिल्ली छावनी बोर्ड सरकार द्वारा अनुमोदित वेबसाइट से संविदा श्रेणी में ई-निविदा के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है, जैसा कि नीचे विस्तृत है।

ई-खरीद के माध्यम से निविदा जारी करने की तिथि	: 22.04.2026 को 1700 बजे
निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अंतिम तिथि और समय	: 14.05.2026 को 1300 बजे तक
ई-निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि और समय	: 14.05.2026 को 1300 बजे तक
ई-निविदाएं खोलने की तिथि और समय	: 15.05.2026 को 1330 बजे

कार्य का विवरण

क्रमांक	कार्य का नाम	अनुबंध की राशि	बयाना जमा राशि
1.	दिल्ली कैंटोनमेंट जनरल अस्पताल, दिल्ली कैंट में स्थापित ट्रांसफार्मर, डीजी सेट, एचटी/एलटी पैनल, विद्युत आपूर्ति (सामान्य और आपातकालीन) और अन्य आवश्यक विद्युत/जल आपूर्ति उपकरणों जैसे विद्युत उपकरणों की मरम्मत, संचालन और रखरखाव के लिए नियम अनुबंध।	रु. 2,10,00,000/-	रु. 2,55,000/-
2.	रक्षा संपदा भवन, उलान बटार मार्ग, दिल्ली कैंट में स्थापित ट्रांसफार्मर, डीजी सेट, एचटी/एलटी पैनल और अन्य आवश्यक विद्युत फिटिंग जैसे विद्युत उपकरणों की मरम्मत, संचालन और रखरखाव के लिए नियम अनुबंध।	रु. 95,00,000/-	रु. 1,67,500/-
3.	निडेम (NIDEM) बिल्डिंग, उलान बटार मार्ग, दिल्ली कैंट में स्थापित डीजी सेट, एचटी/एलटी पैनल, ट्रांसफार्मर और अन्य आवश्यक फिटिंग्स जैसे विद्युत उपकरणों की मरम्मत, संचालन और रखरखाव के लिए नियम अनुबंध।	रु. 55,00,000/-	रु.1,07,500/-
4.	दिल्ली कैंट बोर्ड के सभी 8 वार्डों के पंप हाउसों के रखरखाव के लिए नियम अनुबंध, जिसमें विद्युत, जल आपूर्ति स्थापना और अन्य संबद्ध बोरिंग मरम्मत कार्य शामिल हैं।	रु. 45,00,000/-	रु. 90,000/-
5.	Birt एन्क्लेव, मेहरम नगर और पुराना नांगल, दिल्ली कैंट में स्थित श्मशान घाटों और उनकी संपत्तियों के संचालन, व्यापक रखरखाव और रखरखाव के लिए नियम अनुबंध।	रु. 1,60,00,000/-	रु. 2,35,000/-

बोलीदाता "निविदा दस्तावेज" और अन्य लागू नियमों और शर्तों को डाउनलोड कर सकता है, जिसमें विस्तृत एनआईटी, नियम और शर्तें, विशेष विनिर्देश, विशेष शर्तें, ईटेंडरिंग पैकेट पर हस्ताक्षर, जीएफआर 2017 प्रावधानों का पालन, सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) को प्रोत्साहन, आदेश 2017 आदि शामिल हैं, जो http://defproc.gov.in और www.delhi.cantt.gov.in वेबसाइट पर तकनीकी बोली में प्रदान किए गए हैं। कृपया ध्यान दें कि निविदा दस्तावेजों में कोई भी संशोधन, स्पष्टीकरण, त्रुटि वेबसाइट http://defproc.gov.in और छावनी बोर्ड की वेबसाइट www.delhi.cantt.gov.in पर अपलोड की जाएगी। सभी इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी दरें उद्धृत करने से पहले संशोधन, स्पष्टीकरण, त्रुटियों आदि की जांच करने के लिए उपरोक्त वेबसाइटों पर जाना आवश्यक है और इन्हें पंजीकृत करने में विफलता के लिए बोलीदाताओं को कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। टेलीफोन नं. 25695450

सं. DCB/8/C-1/TN/2026-27/2
छावनी बोर्ड कार्यालय
वेबसाइट : www.delhi.cantt.gov.in

हस्ता/-
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
दिल्ली छावनी

अवतार सिंह रागी की जयंती पर सेमिनार

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** अवतार सिंह रागी की 100वीं जयंती पर नाद म्यूजिक इंस्टिट्यूट (अमेरिका) ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी और माता सुंदरी कॉलेज के म्यूजिक डिपार्टमेंट के सहयोग से एक सेमिनार का आयोजन किया। इसमें कमिटी के महासचिव जगदीप सिंह काहलों मौजूद रहे। उन्होंने कहा 20वीं सदी के प्रमुख रागियों में गिने जाने वाले अवतार सिंह रागी ने गुरबानी कीर्तन की पारंपरिक शैली को बचाने करने में बड़ा योगदान दिया। संयोजक डॉ. तजिंदर पाल सिंह ने रागी को पारंपरिक गुरबानी कीर्तन का प्रतीक बताया। माता सुंदरी कॉलेज की प्रो. डॉ. हरप्रीत कौर ने सिख संगीत परंपरा को युवाओं तक पहुंचाने की जरूरत पर जोर दिया।

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(ECONOMICALLY WEAKER SECTION)
3RD FLOOR, DGD BUILDING, S-1, SCHOOL BLOCK, SHAKARPUR, DELHI- 110092
Email: freepatientcell5@gmail.com

PUBLIC NOTICE

It is informed to the general public that there are 56 identified private Hospital who are under the obligation to provide free treatment to the patients belonging to EWS category. The annual Income limit for getting free treatment in identified private hospitals for EWS has been increased from 2,20,000/- to 5,00,000/-. Patients belonging to the EWS category can approach these hospitals for OPD/IPD treatment free of cost.

The occupied / vacant bed states of EWS category beds in identified private hospital can be seen on the link given below.

https://tejasvi.delhi.gov.in/ui/shared/DelhiGovernmentHospitalsEwsBedDashboard

Any patient belonging to the EWS category can either directly approach the identified private hospitals with supporting documents or may contact the nearby Delhi Government Hospital / Dispensary / Ayushman Arogya Mandir of Delhi Government for issuance of referral.

In case of any query / complaint / issue regarding the hospital, patient may contact the Liaison Officers posted in the Identified Private Hospital. The contact details of the Liaison Officer are mentioned on the official website i.e. https://dghs.delhi.gov.in/dghs/economically-weaker-section.

By Orders
Director General of Health Services
Govt. of NCT of Delhi

DIP/Shabdarth/Classified/0015/26-27.

सड़कों की मरम्मत पर लगा ब्रेक, सिर्फ 15% काम पूरा

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

File Photo

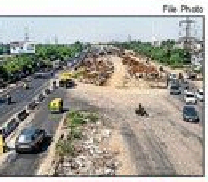

■ **नई दिल्ली:** ईरान-इजराइल वॉर के चलते सड़क बनाने में इस्तेमाल होने वाले बाइंडिंग मटीरियल बिटुमेन के दामों में पिछले एक-डेढ़ महीने में तेज बढ़ोतरी हुई है। इसकी वजह से दिल्ली में सड़कों की मरम्मत का काम बुरी तरह प्रभावित हुआ है। करीब 400 किमी लंबी सड़कों की मरम्मत का टारगेट था लेकिन अब तक सिर्फ 15% काम ही पूरा हो पाया है।

खाड़ी युद्ध के कारण बाइंडिंग मटीरियल 50% तक महंगा

अफसरों की रिपोर्ट के अनुसार बिटुमेन के दामों में करीब 45-50 % तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जिन कॉन्ट्रैक्टर्स को काम दिया गया था, वे अब रेट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इस प्रस्ताव को कैबिनेट के पास भेजा गया है।

पीडब्ल्यूडी सूत्रों के अनुसार वॉर से पहले बिटुमेन करीब 40 हजार रुपये प्रति टन मिलता था, जो अब बढ़कर 74-76 हजार रुपये प्रति टन हो गया है। दिल्ली-एनसीआर में कीमत बढ़ने के साथ इसकी उपलब्धता भी कम हो गई है। जिन कॉन्ट्रैक्टरों को पुराने रेट पर काम मिला था, वे अब बढ़ी लागत के कारण काम रोक रहे हैं। इसी वजह से सड़क मरम्मत का काम ठप पड़ गया है।

मरम्मत का टारगेट काफी पिछड़ रहा है

सीआरआईएफ फंड से 153 किमी और अन्य फंड से 128 किमी सड़कों की मरम्मत का काम इस साल जुलाई तक पूरा करना था। लेकिन बढ़ती कीमतों के कारण काम तय समय के मुताबिक आगे नहीं बढ़ पाया। कुल 400 किमी में से अब तक सिर्फ 60 किमी सड़कों की मरम्मत हुई है।

बिटुमेन सड़क बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक जरूरी बाइंडिंग पदार्थ है, जो कंक्रीट और पत्थरों को जोड़ता है। यह कच्चे तेल से बनने वाला काला और गाढ़ा मटीरियल है, जो सड़कों को मजबूती और टिकाऊ बनाता है। ज्यादातर बिटुमेन गल्फ देशों से इंपोर्ट किया जाता है।

इस महीने के अंत तक GTB की इमरजेंसी का बदल जाएगा पता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

File Photo

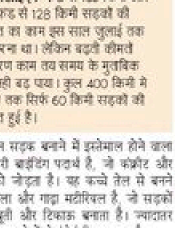

■ राजीव गांधी अस्पताल में इमरजेंसी होगी शिफ्ट, तीसरी से सातवीं मंजिल तक भर्ती होंगे मरीज

ईस्ट दिल्ली के जीटीबी अस्पताल के इमरजेंसी का पता इसी महीने के अंत तक बदलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने इसका ऐलान भी कर दिया है। अस्पताल की इमरजेंसी राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से चलेगी। इसके शिफ्टिंग की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार अस्पताल की इमरजेंसी रिनोवेट करने के लिए यह अस्थाई बदलाव किया जा रहा है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, इमरजेंसी विभाग को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए अपग्रेडेशन की योजना बनाई गई है। इसी के तहत नवीनीकरण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। इसलिए अस्पताल की इमरजेंसी सुविधा कुछ महीनों के लिए राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शिफ्ट करने का फैसला लिया गया है जहां ब्लॉक छह के ग्राउंड फ्लोर पर इमरजेंसी सुविधा चलेगी। साथ ही इसी बिल्डिंग की तीसरी से लेकर सातवीं मंजिल तक मरीजों को भर्ती किया जाएगा। सूत्रों का कहना है इन पांच फ्लोर पर करीब 160 बेड की सुविधा होगी। यहां इलाज के साथ ही प्रारंभिक जांच की सुविधा भी मरीजों को मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि दोनों अस्पतालों के बीच सेवाओं को सुचारू रखने की योजना तैयार है।

रोस्टर से लेकर सफाई का काम शुरू: अस्पताल के सूत्रों का कहना है कि डॉक्टर से लेकर कर्मचारियों की ड्यूटी को लेकर रोस्टर तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही जहां इमरजेंसी शिफ्ट होगी, वहां सफाई का काम भी शुरू हो चुका है। हालांकि शिफ्टिंग का प्रोसेस काफी लंबा है। बेड से लेकर लैब, मशीन समेत कई चीजों को वहां भेजा जाएगा। इसी मरीज के जरिए सुविधाओं की चेकिंग की जाएगी। कुछ दिनों तक दोनों जगह पर अस्थाई तौर पर इमरजेंसी चलाई जा सकती है।

रेप की कई कंप्लेंट देने वालों पर नज़र रखने की मांग खारिज

Prachi.Yadav
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने लगातार शिकायत करने वालों की पहचान सत्यापित करने के लिए एक खास डेटाबेस तैयार करने को अनिवार्य करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया है।

चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने शोनी कपूर की याचिका खारिज कर दी, जिसमें हर पुलिस डिस्ट्रिक्ट हेडक्वॉर्टर को उन लोगों पर नजर रखने का आदेश देने की मांग की गई थी, जो रेप या यौन अपराधों की एक से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराते हैं।

न्यायिक आदेश जारी करने से इनकार करते हुए भी, कोर्ट ने याचिकाकर्ता के विचारों को पूरी तरह से खारिज नहीं किया। बेंच ने कहा कि याचिका को एक सुझाव के तौर पर पेश किया गया था, जिसे कोर्ट कानूनी तौर पर लागू नहीं कर सकता, फिर भी पुलिस अधिकारी अपने इंटरनल कामकाज के लिए इन प्रस्तावों पर विचार करने के लिए स्वतंत्र हैं।

2 मिनट में पढ़ें

आखिर क्या थी याचिकाकर्ता की मांग?

याचिकाकर्ता की मुख्य मांग पुलिस डिस्ट्रिक्ट लेवल पर एक अनिवार्य पहचान प्रणाली लागू करना थी। कपूर ने खासतौर पर यह तर्क दिया कि अधिकारियों की शिकायत करने वालों के आईडेंटिटी कार्ड के तौर पर आधार कार्ड जमा करने चाहिए, ताकि उन लोगों का एक पुख्ता डेटाबेस बनाया जा सके जिन्होंने कई आरोप लगाए हैं।

File Photo

- दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले में न्यायिक आदेश जारी करने से इनकार किया, पुलिस पर छोड़ा फैसला
- कोर्ट ने याचिका को 'सुझाव' माना, कहा- पुलिस अधिकारी आतंरिक कामकाज के लिए प्रस्तावों पर विचार करने को स्वतंत्र

याचिका का मकसद शहर भर में इन रिकॉर्ड को जिस 'खास तरीके' से रखा जाता है, उसे एक जैसा बनाना था।

हालांकि, हाई कोर्ट ने प्रशासनिक और न्यायिक शक्तियों के बंटवारे पर एक सख्त रुख अपनाया। 8 अप्रैल के अपने आदेश में, कोर्ट ने साफ किया कि ऐसे डेटाबेस को बनाए रखने का तरीका पुलिस अधिकारियों का विशेषाधिकार और नजरिया है।

बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि 'रिट ऑफ मैंडमस' (एक न्यायिक आदेश जो किसी सरकारी अधिकारी को अपना कर्तव्य निभाने के लिए मजबूर करता है) केवल उन मामलों में लागू होता है, जहां संवैधानिक या कानूनी अधिकारों का साफ तौर पर उल्लंघन हुआ हो, या सार्वजनिक जिम्मेदारी निभाने में कोई चूक हुई हो। कोर्ट ने कहा, हमारी जानकारी में ऐसा कोई कानून नहीं आया है, जिसका उल्लंघन तब माना जा सके, जब शिकायत करने वाले से आधार कार्ड जमा न किया जा रहा हो।

JOB OPPORTUNITIES
T.T.
T.T. Group offers following Jobs

Fabric Sales Person (Travelling): one each for Northern, Southern, Western and Eastern India markets, must have high performing relevant Sales experience minimum 5 years.

Garment Sales Persons (PAN India): With relevant experience one each in Surat, Rajkot, Ahmedabad and various state market territories.

Export Managers (Field Work Travelling): For Textile and Khal, Sesame Seeds Castor etc.: one each at Delhi, Surat, and Bangalore.

Digital Marketing Manager: Having minimum 3 years similar experience preferably knowledge in AI

INTERESTED CANDIDATES PLEASE SEND RESUME TO:
hrd@ttlimited.co.in

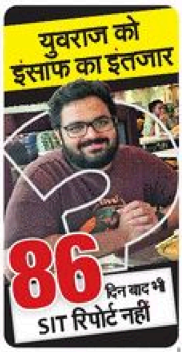

गोविंदपुरी में 8 अप्रैल को हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी

निर्माणाधीन मकान के टैंक में गिरा 9 साल का बच्चा, मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के गोविंदपुरी इलाके में 9 वर्षीय बच्चे की पानी के टैंक में गिरकर मौत हो गई। बच्चे की पहचान श्रेयांश के रूप में हुई है, जो तुगलकाबाद गांव स्थित एमसीडी स्कूल में क्लास 4 का स्टूडेंट था।

पुलिस के अनुसार, श्रेयांश के पिता सुरेंद्र तुगलकाबाद गांव के बाजार मोहल्ला में चाय की दुकान चलाते हैं। परिवार में पत्नी, 11 वर्षीय बेटी राशि उर्फ परी और श्रेयांश शामिल थे। 8 अप्रैल को रोज की तरह श्रेयांश स्कूल गया था। दोपहर में पिता दवा लेने गए थे, इसलिए श्रेयांश की बहन उसे स्कूल से लेने पहुंची। स्कूल से निकलते समय बहन राशि उसका बैग लेकर आगे चल दी, जबकि श्रेयांश अपने दो दोस्तों के साथ पीछे आ रहा था।

घर पहुंचने पर बहन ने सोचा कि श्रेयांश दोस्तों के साथ खेलने रुक गया होगा। कुछ देर बाद जब पिता घर लौटे और बेटे के बारे में पूछा तो तलाश शुरू हुई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। दोपहर करीब 1:15 बजे श्रेयांश के साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट साहिल ने घर पहुंचकर बताया कि वह पास के एक निर्माणाधीन मकान में पानी के टैंक में गिर गया है। यह सुनते ही पिता मौके पर पहुंचे।

परिजनों के मुताबिक, निर्माणाधीन मकान के अंदर अंधेरा था और कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। टैंक के पास श्रेयांश की चप्पल पड़ी मिली। पिता ने लकड़ी के फट्टे के सहारे टैंक में उतरकर बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पिता सुरेंद्र ने बताया कि जिन बच्चों के साथ श्रेयांश खेल रहा था, उनमें से एक के पिता उसी निर्माणाधीन मकान में राजमिस्त्री का काम करते हैं। इसी कारण बच्चे वहां खेलने चले गए थे। परिजनों का आरोप है कि यदि मौके पर कोई सुरक्षाकर्मी होता या एंट्री रोकने के लिए गेट लगाया गया होता, तो यह हादसा नहीं होता। पुलिस ने बच्चे के पिता की शिकायत पर लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि निर्माणाधीन स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी के पहलू की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

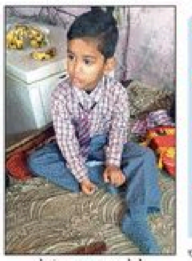
श्रेयांश का फाइल फोटो

- 8 अप्रैल को श्रेयांश स्कूल गया था, छुट्टी के बाद बहन उसे लेकर आ रही थी
- बहन राशि उसका बैग लेकर आगे चल रही थी, जबकि श्रेयांश अपने दो दोस्तों के साथ पीछे आ रहा था
- बहन घर पहुंच गई, लेकिन श्रेयांश काफी देर बाद भी घर नहीं आया, तो उसकी तलाश शुरू की गई
- श्रेयांश के दोस्त ने बताया कि वह पास के एक निर्माणाधीन मकान के टैंक में गिर गया है

पैरोल बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई से SC का इनकार

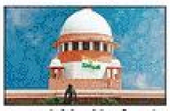

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने 1996 के चर्चित प्रियदर्शिनी मट्टू हत्याकांड में दोषी संतोष कुमार सिंह की पैरोल अवधि बढ़ाने से इनकार किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया। जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा कि इस मामले से जुड़ा मुख्य विवाद, जो समयपूर्व रिहाई और रिमिशन से संबंधित है, पहले से ही दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित है और 15 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

प्रियदर्शिनी मट्टू हत्याकांड मामले में हुई सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने सिंह को यह स्वतंत्रता दी कि वह हाईकोर्ट में सुनवाई की तारीख आगे बढ़ाने और मामले के शीघ्र निपटारण की मांग कर सकते हैं। ऐसा किया जाता है तो हाईकोर्ट तथ्यों को ध्यान में रखकर उस पर विचार करेगा।

POCSO केस में जमानत देने से HC ने किया इनकार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

एक नाबालिग लड़की के साथ बार-बार रेप के आरोपी व्यक्ति को जमानत देने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया। आरोपी गयासुद्दीन ने पीड़िता के बालिग होने के बाद उससे शादी कर ली थी। इसके बावजूद कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ऐसी शादी आरोपी को उसके बार-बार किए गए रेप के अपराध से बरी नहीं करती, जब पीड़िता नाबालिग थी। जामिया नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज इस मामले में POCSO एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत आरोप शामिल हैं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि यह सिलसिला तब शुरू हुआ जब पीड़िता 16 साल की थी और फेसबुक पर आरोपी से मिली थी। कथित तौर पर उसे बहला-फुसलाकर एक फ्लैट में ले जाया गया जहां नशा देकर उसके साथ रेप किया गया।

पीड़िता से शादी को आरोपी की चाल बताया

पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी के झूठे वादे करके उसके साथ यौन संबंध जारी रखे, जिसके परिणामस्वरूप दो बार गर्भपात हुआ। कोर्ट के सामने असमंजस की स्थिति तब पैदा हुई जब कानून की पढ़ाई कर रही पीड़िता ने ऐसी गवाही दी जो उसकी शुरुआती शिकायत से उलट लग रही थी। उसने दावा किया कि उसे उस शिकायत के कंटेंट के बारे में पता नहीं था जिस पर उसने साइन किए थे। कोर्ट ने उसके एजुकेशनल बैकग्राउंड को देखते हुए इस दावे को भरोसे के लायक नहीं पाया।

जस्टिस गिरीश कठपालिया ने गौर किया कि पीड़िता ने पहले एक मैजिस्ट्रेट के सामने अपने आरोपों को दोहराया था और इन्होंने अभियोजन पक्ष के इस दावे को भरोसेमंद पाया कि उसकी हालिया गवाही झूठी है। कोर्ट ने आगे कहा कि आरोपी ने फरवरी 2026 में जेल जाने के बाद ही एक निकाहनामे के जरिए पीड़िता से शादी करने पर सहमति जताई थी। जज ने इस शादी को सुधार का एक सच्चा कदम मानने के बजाय खुद को जमानत पर बाहर निकालने की एक चाल बताया।

लूट में शामिल 3 नकाबपोश पकड़े

■ NBT न्यूज, हरि नगर : हरि नगर थाना पुलिस चौकी की टीम ने हथियार की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम देने के मामले को सुलझाते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात 4 अप्रैल को हुई थी, जिसमें 3 नकाबपोश बदमाशों ने गोल्ड ज्वैलरी और कैश लूट लिया था।

डीसीपी वेस्ट शरद भास्कर ने बताया कि एसीपी राजौरी गार्डन नीरज टोकस की देखरेख में SHO आशु गिरोत्र और चौकी इंचार्ज अनूप राणा की टीम ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। तकनीकी सर्विलांस की मदद से पुलिस ने पता लगाकर तीनों को पकड़ा।

बदमाशों ने महिला से छीना पर्स, FIR

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: नंद नगरी इलाके में ई-रिक्शा से जा रही महिला से बाइक सवार बदमाश ने उनका पर्स व मोबाइल छीन लिया। महिला ने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन ई-रिक्शा से गिरने के कारण वह घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता 39 वर्षीय रजनी शर्मा इंद्रप्रस्थ मोड़ गाजियाबाद में रहती हैं। यह वारदात 7 अप्रैल को हुई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी पिकअप, दो की मौत

■ NBT न्यूज, नूंह

पिनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर झिमरावट गांव के पास खड़े ट्रक में पिकअप जा घुसी। जिसमें चालक सहित दो लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अल आफिया अस्पताल मांडीखेड़ा भिजवा दिया है। वहीं ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की

AI Image

शनिवार को सोहन कौर (38 वर्ष) व हेमराज मेहरा (40 वर्ष) निवासी मोहल्ला छावनी टोंक जिला टोंक राजस्थान दिल्ली की ओर से अपनी पिकअप से अलवर की तरफ जा रहे थे। अल सुबह करीब साढ़े 4 बजे जब वह गांव झिमरावट के पास पहुंचे, तो पिकअप गाड़ी आगे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। इस हादसे में दोनों गाड़ी के केबिन में बुरी तरह से फंस गए। राहगीरों ने उन्हें जब निकाला, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। लोगों का कहना है कि जिले की सीमा से गुजरने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कई जगह अवैध रूप से ट्रकें खड़ी रहती हैं। जो न केवल ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि इनकी वजह से आए दिन हादसे भी होते रहते हैं। इसके बाद भी पुलिस और एनएचएआई के अधिकारी सबक नहीं ले रहे हैं।

ग्रीन कॉरिडोर बना 85 मिनट में रोहतक से दिल्ली पहुंचाया 'दिल'

■ NBT न्यूज, गुड़गांव

रोहतक से दिल्ली के बीच बनाए गए ग्रीन कॉरिडोर के जरिए गुरुवार को एक डोनर हार्ट महज 85 मिनट में 98 किलोमीटर दूर ओखला के फोर्टिस एस्कॉर्ट अस्पताल में पहुंचाया गया। इससे 26 साल के युवक को नया जीवन मिला। डोनर के अन्य अंगों का भी प्रोटोकॉल के तहत इस्तेमाल किया गया है। फेफड़ों को गुड़गांव के आर्टेमिस हॉस्पिटल रखा गया। वहीं लिवर और पैनक्रियाज को दिल्ली AIIMS भेजा गया। जानकारी के अनुसार, सड़क दुर्घटना में घायल 37 साल के शख्स को PGIMS रोहतक लाया गया था, जहां उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इस पर परिजनों ने अंगदान का फैसला लिया। हार्ट को दोपहर 2:50 बजे ऐम्बुलेंस से रवाना किया गया, जो बहादुरगढ़ और द्वारका एक्सप्रेस वे होते हुए शाम 4 बजकर 15 मिनट पर दिल्ली पहुंचा। टीम ने सफल सर्जरी की। मरीज की हालत स्थिर बताई जा रही है। फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. विक्रम अग्रवाल ने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर के जरिए समय पर हार्ट पहुंचना ही इस ट्रांसप्लांट की सफलता की सबसे बड़ी वजह रहा।

AI Image

- सफल ट्रांसप्लांट के बाद 26 साल के युवक को मिल गया नया जीवन
- रोहतक से दिल्ली के बीच बनाया गया था ग्रीन कॉरिडोर, 85 मिनट में तय हुई 98 किमी की दूरी

DU में 9:30 बजे के बाद अटेंडेंस लगाने पर कटेगी छुट्टी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली यूनिवर्सिटी ने साफ किया है कि सभी कर्मचारियों को बायोमैट्रिक अटेंडेंस लगानी जरूरी है। सुबह आधे घंटे से ज्यादा की देरी पर छुट्टी काटी जाएगी। प्रशासन की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार सभी कर्मचारियों के लिए आधार आधारित बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम (AEBAS) के जरिए अटेंडेंस लगाना जरूरी होगा। 9:30 घंटे ऑफिस टाइम का कड़ाई से पालन करना होगा। डीयू प्रशासन ने 10 अप्रैल की अधिसूचना में कहा है कि आधार आधारित बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम को सही से लागू करने की कोशिशों के बाद कुछ फैकल्टी/विभाग/ऑफिस से कुछ छूट की मांग की थी।

लूटपाट में तीन बदमाश गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: हडसन लेन रेड लाइट, विजय नगर के पास एक ई-रिक्शा वाले पर सर्जिकल ब्लेड से हमला कर लूटपाट करने वाले तीन लुटेरों को मॉडल टाउन पुलिस ने 72 घंटे में अरेस्ट किया है। नॉर्थ वेस्ट जिले की DCP आकांक्षा यादव ने बताया कि इनकी पहचान डबी मोड़ निवासी 21 वर्षीय विनय, खिड़कीवाला बाग निवासी 22 वर्षीय शिवम और आर, बिहार निवासी 21 वर्षीय ओमजी के तौर पर हुई है। तीनों पर पहले से कई मामले दर्ज पाए गए हैं। आरोपी नशे के आदी और आदतन लुटेरे हैं। इनसे लूट में इस्तेमाल चोरी की बाइक, लूटा गया फोन और सर्जिकल ब्लेड मिला है।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: त्रिलोकपुरी के 27 ब्लॉक इलाके में शुक्रवार रात बदमाशों ने एक युवक पर सरेराह चाकू से हमला कर जान लेने की कोशिश की। इसके बाद आरोपी बाइक से फरार हो गए। घायल युवक को इलाज के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान 26 साल के हुजैफ के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया है।

आरोपियों की पहचान हुई, जल्द होंगे गिरफ्तार: पुलिस

वेलकम में हुए मर्डर में नाबालिग समेत तीन पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

वेलकम इलाके में शुक्रवार शाम एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले को सुलझाते हुए एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ा है। मृतक की पहचान लकड़ी मार्केट निवासी 21 वर्षीय मोहम्मद शमीम उर्फ सुई के रूप में हुई है।

नॉर्थ ईस्ट जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शमीम उन्हें हमेशा धमकाता था और परेशान करता था। इससे तंग आकर उसकी हत्या कर फरार हो गए। आरोपियों की पहचान वेलकम के वसीम उर्फ मिर्जा(20) और तिलक राज उर्फ राज(23) के रूप में हुई। तीसरा आरोपी 17 साल का है। यह हत्या 10 अप्रैल की शाम हुई थी।

CCTV की मदद से पकड़े दो स्नैचर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कल्याणपुरी थाना पुलिस ने स्नैचिंग करने वाले दो बदमाशों को सीसीटीवी फुटेज की मदद से गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान त्रिलोकपुरी निवासी फरदीन (22) और शशि गार्डन निवासी समीर (22) के तौर पर हुई है। फरदीन डिलिवरी बॉय का काम करता है, जबकि समीर लेबर का काम करता है। इनके पास से छीना गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद की गई है।

ईस्ट जिले के डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि 6 अप्रैल को शिकायतकर्ता सोनिया खान ने चांद सिनेमा के पास मोबाइल स्नैचिंग की पीसीआर कॉल की थी। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

SYMBIOSIS CENTRE FOR MANAGEMENT STUDIES, BENGALURU
080-67139520/9521 | admissions@scmsbengaluru.siu.edu.in
www.scmsbengaluru.edu.in

START YOUR MANAGEMENT JOURNEY. CHOOSE YOUR HORIZON.

ADMISSIONS OPEN 2026

BBA Bachelor of Business Administration (Honours / Honours with Research)

BBA Bachelor of Business Administration Bachelor of Business Analytics
Dual Degree with DEAKIN UNIVERSITY Code - 00113B

KEY DIFFERENTIATORS
- Specialisations: Marketing, Finance, Human Resources and Business Analytics
- 4-year UG programme with NEP aligned curriculum
- Research & Internships
- Global Exposure
- Data Driven Thinking
- Business Foundations
- Sports and Fitness Facilities
- Service Learning
- 10+ Student Clubs and Committees
- NIRF 2025 (India): SIU ranked 24th
- among universities
- QS World University Asia Rankings 2026: SIU ranked 200th in Asia and 20th in India

ADMISSION PROCESS
STEP 1 : Register & Pay for SET by APRIL 15, 2026
STEP 2 : Register & Pay for the SCMS Bengaluru Programme by MAY 21, 2026

SYMBIOSIS ENTRANCE TEST (SET) MAY 2 & MAY 10, 2026
For Online Registration, visit:
www.set-test.org, www.scmsbengaluru.edu.in

Dr. Aarti Mehta Sharma, Director, SCMS-Bengaluru

SYMBIOSIS INTERNATIONAL (DEEMED UNIVERSITY)
(Established under Section 3 of the UGC Act, 1956) | Re-accredited by NAAC with 'A++' grade | Awarded Category - I by UGC
No Capitation fee/Donation is charged for admission to any programme at any Symbiosis Institute

मुकरबा चौक ट्रैफिक जाम को लेकर HC ने सख्त रुख अपनाया

Prachi.Yadav@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: अफसरों की सुस्ती पर कड़ी फटकार लगाते हुए, दिल्ली हाई कोर्ट ने मुकरबा चौक पर चल रहे ट्रैफिक संकट में दखल दिया है। कोर्ट ने लगभग एक दर्जन सरकारी एजेंसियों से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है कि पांच साल से ज्यादा समय से वे सिर्फ 'कागजी खानापूर्ति' में क्यों लगी रहीं, जबकि आम लोग परेशान होते रहे।

5 साल से ज्यादा समय से हो रही कागजी कार्रवाई पर उठाए सवाल

चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की डिविजन बेंच ने यह दखल 'गुरु हनुमान सोसाइटी ऑफ इंडिया' की जनहित याचिका के जरिए दिया, जिसमें सरकारी लापरवाही की एक चौंकाने वाली कहानी सामने आई। याचिकाकर्ता के वकील अवध बिहारी कौशिक ने बेंच को बताया कि 17 मार्च, 2021 को ही एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई गई थी, जिसमें शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के सभी बड़े नाम शामिल थे, जैसे- PWD, NHAI, नॉर्दर्न रेलवे, NCRTC, DMRC, और यहां तक कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) भी।

File Photo

दिल्ली के सबसे ज्यादा ट्रैफिक वाले इलाकों में से एक इस इलाके को जाम-मुक्त बनाने के लिए प्रभावी उपाय खोजने पर 5 साल पहले चर्चाएं हुई थीं। आरोप है कि इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जहां एक तरफ ट्रैफिक रुका हुआ है, वहीं सरकारी विभाग प्रगति की एक भी ईंट रखने के बजाय सिर्फ आपसी-विभागीय और आपसी-एजेंसी पत्राचार करने में व्यस्त हैं। याचिकाकर्ता ने इस जाम का मुख्य कारण विभिन्न विभागों के बीच तालमेल की कमी को बताया है।

कोर्ट ने 8 अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करते हुए साफ संकेत दिया कि अब बहानेबाजी का दौर खत्म हो गया है। प्रतिवादियों को अब कोर्ट को यह बताना है कि क्या ट्रैफिक जाम हटाने की कोशिशों की देखरेख के लिए तुरंत कोई आपसी-विभागीय/आपसी-एजेंसी समन्वय समिति बनाई जा सकती है। याचिकाकर्ता के अनुरोध पर, कोर्ट ने DDA के उपाध्यक्ष को भी प्रतिवादी के तौर पर इस मामले में शामिल कर लिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होगी।

आयुर्वेद का वरदान आपके बच्चों के लिए
वैद्य रेवती प्रसाद की प्राचीन एवं मशहूर
28 जड़ी-बूटियों से निर्मित एक मात्र ...
112 साल की® बुढ़िया की घुटी
स्वस्थ शिशु खुशहाल परिवार

112 साल की बुढ़िया की घुटी आयुर्वेदिक मीठी औषधि है। यह घुटी बच्चों के चौमुंहा विकास में मुख्य भूमिका निभाती है। दांत निकलने के दिनों में हुई पेट की तकलीफें जैसे- कब्ज, दस्त (डायरिया), उल्टी, दूध का पलटना, भूख न लगना आदि को दूर करने में अत्यन्त लाभकारी है। अंजीर, किशमिश, अजवाइन, मुनक्का आदि जड़ी बूटियों से बच्चों की पाचन क्रिया को सुधार कर उन्हें हृष्ट-पुष्ट बनाती है। करोड़ों माता पिता इस घुटी का सेवन पूर्ण विश्वास के साथ वर्ष 1938 से कराते आ रहे हैं।

हर मां का पहला भरोसा 112 साल की बुढ़िया की घुटी

जेल में हुक्का पीते दिखे गैंगस्टर, विडियो वायरल

NBT न्यूज, कुरुक्षेत्र

हरियाणा की कुरुक्षेत्र जेल की फोटो-विडियो एक कैदी ने सोशल मीडिया पर डाल दी। इसके लिए जेल में मोबाइल का इस्तेमाल किया गया। विडियो में प्लास्टिक की बाल्टी पर जग और हुक्का रखा है और कैदी ने हुक्के के पाइप को अपने मुंह में रखा है। इस घटना का खुलासा अंबाला पुलिस की रिपोर्ट से हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि जेल के अंदरूनी फोटो-वीडियो जिला जेल कुरुक्षेत्र में बनाए गए, जबकि उनको सोशल मीडिया पर ग्रुप के गुर्गों ने ही वायरल कर दिया।

इन वीडियो को 30 दिसंबर 2024 को अपलोड किया गया था। इन फोटो-वीडियो को बंबीहा गैंग से जुड़े अपराधी दिलवर ने पहले अपनी इंस्टा आईडी पर अपलोड किया था। दिलवर के खिलाफ हत्या, लूट, अपहरण और आर्म्स एक्ट के कई केस दर्ज हैं। दिलवर के साथी अंकित डांडा ने इन विडियो को अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर अपलोड किया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिलवर ने जेल की अंदरूनी तस्वीरें दिखाकर युवाओं को अपराध की दुनिया की तरफ आकर्षित करने की कोशिश की। साथ ही अपने साथ जुड़ने के लिए उकसाया। पुलिस ने अपलोड फोटो-वीडियो की पड़ताल की। जांच से साफ हुआ कि अपलोड फोटो-वीडियो केंद्रीय जेल अंबाला के नहीं, बल्कि कुरुक्षेत्र जेल की हैं।

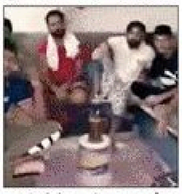

विडियो में बाल्टी पर जग और हुक्का रखा दिख रहा है।

इन फोटो-वीडियो को बंबीहा गैंग से जुड़े अपराधी दिलवर ने पहले अपनी इंस्टा आईडी पर अपलोड किया था।

सोशल मीडिया के छह हज़ार कंटेंट पर कैंची

NBT न्यूज, चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने सोशल मीडिया पर मन गढ़ंत और अशोभनीय, भ्रामक कंटेंट परोसने वालों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी भी कंटेंट को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर 1 जनवरी 2026 से 10 अप्रैल 2026 के बीच आपत्तिजनक, भ्रामक और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले कुल 6083 यूआरएल/कंटेंट/ऐप्स/वेबसाइट्स को हटाया गया है। उन्होंने बताया कि मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप) से जुड़े 4278, यू ट्यूब से 1172, एक्स (पूर्व में ट्विटर) से 372, विवादित कंटेंट हटाए गए।

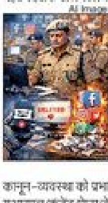

NDRI में तीन इंप्लॉइज को हटाया गया, हड़ताल शुरू

NBT न्यूज, करनाल : करनाल के एनडीआरआई में फार्म सेक्शन में काम करने वाले ठेका कर्मचारियों ने शनिवार को हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों का आरोप है कि तीन साथियों को बिना किसी नोटिस और चेतावनी के नौकरी से हटा दिया गया। मांगें न माने जाने तक हड़ताल का ऐलान किया।

गेहूं खरीद के नए नियमों से भड़के किसान, कई जिलों में लगाया जाम

करनाल, सोनीपत, रोहतक, जींद, भिवानी, पानीपत, यमुनानगर और पंचकूला में प्रदर्शन

NBT टीम, हरियाणा

हरियाणा में रबी सीजन में फसलों की खरीद के नए नियमों के विरोध में शनिवार को किसान संगठनों ने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले कई जिलों में प्रदर्शन किया। किसानों ने करनाल, सोनीपत, रोहतक, भिवानी, पानीपत, कैथल, यमुनानगर और पंचकूला में प्रदर्शन किया। किसान शनिवार की सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अनाज मंडियों और हाइवे पर बैठे। किसानों का कहना है कि गेहूं खरीद के नए नियम केवल किसानों को परेशान करने के लिए हैं।

हांसी में रामायण टोल पर किसानों ने कब्जा कर सभी लेन बंद करा दी। मौके पर पहुंचे DSP से किसानों की बहस भी हुई। किसानों ने प्राइवेट बसों को टोल से ही वापस लौटा दिया। वहीं हिसार में नैशनल हाइवे पर जाम लगाने पहुंचे किसानों की पुलिस से नोकझोंक हुई। यहां रोडवेज बस सहित कई वाहन दो घंटे तक फंसे रहे। कुछ यात्री बस से उतरकर पैदल ही चल दिए। करनाल के असंध में 709-A और सोनीपत में रतनगढ़ गांव के सामने किसानों ने रास्ता बंद कर दिया। फतेहाबाद के रतिया में भी किसानों ने रास्ता जाम किया। यहां किसानों ने ऐंबुलेंस के लिए रास्ता छोड़ा था। निकलते समय ऐंबुलेंस साइड से ट्राली से टकरा गई। यमुनानगर में डीसी ऑफिस के नजदीक सड़क पर जाम लगा कर किसान बैठे। पानीपत में गोहाना रोहतक रोड पर किसानों ने धरना-प्रदर्शन किया।

जींद में गेहूं खरीद के नए नियमों को रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर बीचों-बीच बैठकर किसानों ने रोड पर जाम लगाया। किसानों ने कहा कि जिस तरह से तीन कृषि कानूनों को बीजेपी सरकार किसान हितैषी बताती थी, उसी तरह अब इन नियमों को भी बता रही है। गेहूं बेचने आने वाले वाहन की नंबर प्लेट की जानकारी देनी जरूरी की गई है। बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन को एंट्री नहीं मिल सकती। किसानों का कहना है कि अधिकांश ट्रैक्टर ऐसे हैं, जिन पर कोई नंबर प्लेट नहीं है।

जींद में गेहूं खरीद के नए नियमों को रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर बीचों-बीच बैठकर किसानों ने रोड पर जाम लगाया।

हांसी में रामायण टोल पर किसानों ने कब्जा कर सभी लेन बंद करा दी है। प्राइवेट बसों को लौटाया

खरीद के नए सिस्टम से पेमेंट जल्दी : CM

NBT न्यूज, कुरुक्षेत्र : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित व किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहलें लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी और किसानों को सुविधाजनक व तेज सेवाएं मिलेंगी। किसानों को जल्दी पेमेंट मिलेगा। तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। सैनी ने शनिवार को बाबैन अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित की जाएगी।

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

टेंडर और नोटिस

सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

PUBLIC NOTICE

I, Amit Kapoor son of Dr. Ramesh Kapoor, hereby inform the general public that I have lost and/or misplaced original Sale Deeds/Transfer Deed, (I) in favour of Umak Investment Private Limited have been lost and/or misplaced: (a) Vasika No-660 Dated 12.05.2008, (b) Vasika no. 2165 dated 13.07.2006, (c) Vasika no. 2166 dated 13.07.2006, (d) Vasika no. 2168 dated 13.07.2006, (e) Vasika no. 2170 dated 13.07.2006, (f) Vasika no. 2169 dated 13.07.2006, (g) Vasika no. 4798 dated 05.02.2008, (h) Vasika no. 4799 dated 05.02.2008, (i) Vasika no. 5148 dated 25.02.2008, (j) Vasika no. 5179 dated 26.02.2008, (k) Vasika no. 5180 dated 26.02.2008, (l) Vasika no. 2167 dated 13.07.2006, (m) Vasika no. 2260 dated 24.07.2006 and a Transfer Deed (a) Vasika no. 3014 dated 08.10.2008; and (II) in favour of Umak Education Trust have been lost and/or misplaced:- (a) Vasika no. 3013 dated 08.10.2008, and (b) Vasika no. 829 dated 21.05.2010 in respect of the property situated at Village Ghari Wajidpur, Tehsil- Sohna, District- Gurgaon, Haryana. If any person found or comes into possession of the above-mentioned documents, they are requested to contact Amit Kapoor at E-Mail- y2how2@gmail.com / Contact No.-9910298855.

Dated: 12.04.2026
Place: Delhi

निविदाएं (टेंडर्स)

TENDER NOTICE

The Energy and Resources Institute (TERI), New Delhi invites quotes from the "manufacturer /authorized distributor for the purchase of super computer with its accessories as per the required specifications".

Detailed documents can be viewed and downloaded from TERI's website at http://www.teriin.org/Announcements/.

Interested bidders shall submit their bids via e-tender (etender.teri.res.in) on or before 22nd April 2026 and simultaneously to dispatch the documents by courier, addressed to:
Senior Manager-Purchase
The Energy and Resources Institute (TERI),
6C, Darbari Seth Block, IHC Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110003

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I, Kumar Geetam R/o 79a, New R Block, Dilshad Garden, Delhi-110095 have changed my minor son's name from Kiyansh Prageet to Prageet Kumar.

I, Harinder Singh Basra S/o Gurdip Singh Basra, R/o Flat No. 514, Block-E, Gyandeep Apartment, Sector-11, Vasundhara, Ghaziabad, UP-201012, have changed my name from WG CDR HS BASRA to Harinder Singh Basra vide affidavit dated 08/04/2026 for all future purposes.

I Ashish Kr Gupta S/o P K Gupta R/o Block D-11 House No. 186 Sector- 7 Rohini New Delhi- 110085 Change my name from Ashish Kr Gupta to Ashish Kumar Gupta S/o Pawan Kumar Gupta for all future purpose.

खोया एवं पाया

LOST Ravindra prasad s/o parmanand mahto bag, 10th, 12th, B.tech, LL.B marksheet, degree, voter, PAN. Contact 9891490171

tender & notices

PUBLIC NOTICE
TO WHOSOEVER IT MAY CONCERN

Public at large, including any Person, Entity, Company, Firm, Institution (corporate or otherwise), and all concerned are hereby cautioned, warned, and informed that **M/s Dhir Global Industrie Pvt. Ltd.**, through its Directors, having its registered office at 207, Okhla Industrial Area, Phase-III, New Delhi, has entered into an **Agreement to Sell dated 13th August 2021** with my client **M/s Lamba Exports Pvt. Ltd.**, having its registered office at Plot No. 288-A, Udyog Vihar, Phase-IV, Gurugram, Haryana, for the purchase of **Industrial Plot No. UV-375**, Udyog Vihar, Phase-IV, Gurugram, Haryana **admeasuring 2436 Sq. Mtrs.** The aforesaid Agreement to Sell is still subsisting, valid, and in force.

It is further informed that my client, M/s Lamba Exports Pvt. Ltd., has already instituted a Civil Suit bearing No. CS/1248/2022, titled "**M/s Lamba Exports Pvt. Ltd. vs. M/s Dhir Global Industrie Pvt. Ltd**", before the competent Court at Gurugram (Haryana), which is presently **pending adjudication and is sub judice.**

Accordingly, all persons, entities, companies, firms, institutions (corporate or otherwise), and the general public are hereby strictly **cautioned and warned** not to enter into any transaction, dealing, agreement, or create any third-party interest with **M/s Dhir Global Industrie Pvt. Ltd. or its Directors** in respect of the Schedule property mentioned hereunder. Any person or entity, company, firms institutions (corporate or otherwise) acting contrary to this notice shall do so **at their own risk, cost, and consequences,** and such transaction shall be subject to the rights and claims of my client arising out of the aforesaid Agreement to Sell. Further, such person/entity shall **not qualify as a bona fide purchaser.**

SCHEDULE OF THE PROPERTY
Industrial Plot No. UV-375, Udyog Vihar, Phase-IV, Gurugram, Haryana having plot area admeasuring 2436 Sq.Mtrs.

Date: 12.04.2026
Place: Delhi
Sd/-
Sandeep Kaushik (Advocate)

PROPERTY FOCUS

DISCOUNT UPTO 50 LAKHS*
PLOTS | VILLAS | FARM LAND
GOA PROPERTY EXPO DELHI
INVEST IN NORTH GOA EXT. WITH EXCLUSIVE EXPO BENEFITS
9609-700-700

TO BOOK YOUR PROPERTY ADS
PLEASE CONTACT
SUNIL : 99994 99496
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये उप मुख्य इंजीनियर/कारखाना/झांसी हेतु आनलाईन ई-टेंडरिंग के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : डिप्टी सीई/ओ-झांसी डब्लू-90	
कार्य का नाम : झांसी वर्कशाप - एसएसई/पीडब्लू/जेएसएल यार्ड के अंतर्गत वीजीएलजे यार्ड की वर्कशॉप में विविध पी.वे कार्य। एडीईएन/मुख्यालय-1/जेएसएल के अधिकार क्षेत्र में।	
अनुमानित लागत (रूपये) : 14589838.56 (एक करोड़ पैंतालीस लाख नवासी हजार आठ सौ अड़तीस रूपये और छप्पन पैसे मात्र।)	
अमानत राशि (रूपये) : 291800/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये : कुछ नहीं
निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 05.05.2026 15:30 बजे	
स्वीकृत पत्र जारी समय होने से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह	

• पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के साईट www.ireps.gov.in पर देखें। 789/26 (AS)
North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

गुमशुदा लड़के की तलाश

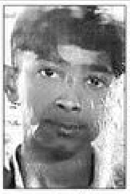

अल्ताफ उर्फ अल्लू

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह लड़का जिसका नाम: अल्ताफ उर्फ अल्लू, पुत्र मोहम्मद इकरार, निवासी बी-942, सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी, दिल्ली, उम्र: 15 वर्ष, कद : 5.6 फुट, चेहरा: लम्बा, शरीर: पतला, रंग: गोरा जो सफेद रंग की शर्ट और जींस तथा पैरो में चप्पल पहने हुए दिनांक 01.04.2026 से अपने घर से लापता है। इस संदर्भ में प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 169/26 धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत दिनांक 06.04.2026 को थाना अंबेडकर नगर, नई दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस लापता लड़के के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोलिखित को सूचित करने की कृपा करें:-

ई-मेल: cic@cbi.gov.in
वेबसाईट: http://cbi.nic.in
फैक्स: 24368639,
दूरभाष: 24368638/24368641

थानाध्यक्ष:
थाना अंबेडकर नगर, नई दिल्ली
दूरभाष सं.: 6828401432

DP/4651/SD/2026

पहचान के लिए अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसका नाम प्रवीण, पुत्र अज्ञात, पता जे जे कॉलोनी, पंखा रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली जोकि दिनांक 18.03.2026 को शाम 17:00 बजे पुलिस थाना उत्तम नगर, नई दिल्ली के पास मृत पाया गया। इस सन्दर्भ में DD No. 105 A, दिनांक 18.03.2026 द्वारा पुलिस थाना उत्तम नगर, नई दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे अज्ञात व्यक्ति की पहचान दी गई है:

नाम: प्रवीण, उम्र: लगभग 30 वर्ष, कद: 5'1", रंग: गोरा, शरीर: सामान्य, चेहरा: गोल, पहनावा: सफेद रंग की शर्ट।

अगर किसी को इस मृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी
पुलिस थाना उत्तम नगर, नई दिल्ली
फोन: 9217167040, 8750871026

DP/4758/DW/2026

बिजली कंपनियों का 47 पैसे प्रति यूनिट सरचार्ज वसूली का प्रस्ताव

एचईआरसी जनसुनवाई के बाद लेगा फैसला

NBT न्यूज, चंडीगढ़

हरियाणा की बिजली वितरण कंपनियों ने शनिवार को हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर करके 47 पैसे प्रति यूनिट सरचार्ज की वसूली का प्रस्ताव दिया है। इस मुद्दे पर हरियाणा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (एचईआरसी) जनसुनवाई के बाद फैसला लेगा। कंपनियों ने फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) की वसूली के मौजूदा नियमों में बदलाव की मांग की है। आयोग ने इस पर किसी प्रकार का फैसला करने से पहले जनसुनवाई आयोजित करने का ऐलान किया है। यह याचिका उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की तरफ से दायर की गई है।

डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनियों) ने आयोग के समक्ष याचिका दायर कर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 'मल्टी ईयर टैरिफ' विनियम-2024 के नियम 68 में ढील देने का अनुरोध किया है। वर्तमान नियम के अनुसार, ईंधन और बिजली खरीद की अतिरिक्त लागत की वसूली मासिक आधार पर की जाती है।

तेज़ रफ्तार कार पलटी, ट्रांसपोर्टर की मौत

NBT न्यूज, करनाल

हरियाणा के करनाल-इंद्री रोड पर गांव समौर और रंभा के बीच एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह ट्रांसपोर्ट का काम करता था। शुक्रवार की रात हादसा होने के बाद ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और युवक को गाड़ी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और परिजनों को हादसे की जानकारी दी। रात करीब 12 बजे जब परिजन अस्पताल पहुंचे, तब डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया, जिसके बाद शनिवार दोपहर शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान 25 वर्षीय ऋत्विक शर्मा के रूप में हुई है।

अपहरण की कोशिश का मामला दर्ज

NBT न्यूज, करनाल : जिले के सदर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ और अपहरण की कोशिश का मामला सामने आया है। छात्रा ने अपने पिता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दी गई। आरोप है कि आरोपी लंबे समय से छात्रा को परेशान कर रहा था और अब उसे धमकी भी दी गई है। पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करनाल निवासी शिकायतकर्ता पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही है। स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौटते समय लड़की से छेड़छाड़ और उसके अपहरण की कोशिश हुई। पुलिस में केस दर्ज कराया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/प्रोजेक्ट/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-टेण्डर के माध्यम से निम्न लिखित कार्यों के लिए टेण्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से निविदाएं आमंत्रित करते है। निविदा सूचना सं एवं कार्य का विवरण: ... कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में ... इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली का डिजाइन, प्रोग्रामिंग, स्थापना, आपूर्ति, परीक्षण और कमीशनिंग ... OFC केबल GKC-BTT और CPR Jn-CI-CHPG सेक्शन के लिए कार्य। अनुमानित लागत: ₹1335562573.92 बयाना राशि: ₹2671300.00 स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि : 18 माह निविदा बंद होने की तिथि एवं समय 28.05.2026 15.00 बजे। नोट: 1. बयाना राशि एवं ऑफर की वैधता निविदा खुलने की तिथि से 90 दिन होना चाहिए। 2. वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर विस्तृत निविदा सूचना योग्यता मानदंड नियम एवं शर्तें देखी जा सकती है। 3. बोली सुरक्षा राशि या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या निविदा दस्तावेज में उल्लिखित अनुसार होगी। बैंक गारंटी बांड Annexure-1.1 (निविदा दस्तावेज) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के समाप्त होने के 90 दिनों से परे की अवधि के लिए मान्य होगा।

उपमुसिदूइं/प्रो/वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

स्कूल बस से कुचल कर दो भाइयों की मौत

सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच और लोगों से पूछताछ की

एनबीटी न्यूज,कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा में बपदी रोड पर प्राइवेट स्कूल बस ने शनिवार को दो चचेरे भाइयों को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। एक्सिडेंट के बाद आरोपी ड्राइवर बस मौके पर छोड़कर भाग गया। हालांकि बस में सवार सभी स्कूली बच्चे सुरक्षित हैं। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को अस्पताल के शवगृह में भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, मरने वालों की पहचान जिया लाल और लाल सिंह के रूप में हुई। दोनों भाई लाडवा से बाइक पर अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान प्राइवेट स्कूल की बस ने उनकी बाइक के पीछे जोरदार टक्कर मार दी।

संजीव कश्यप ने बताया कि जिया लाल और लाल सिंह दोनों उनके चाचा थे। दोनों घर का राशन लेने के गए थे। राशन लेकर दोनों अपनी बाइक पर शाम करीब 4 बजे अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बपदी रोड पर सुगनी देवी आर्य कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल की बस ने बाइक के पीछे टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही दोनों भाई बाइक समेत सड़क पर गिर गए। इस दौरान बस के पहिए उनके ऊपर से निकल गया। दोनों भाइयों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। लाडवा के डीएसपी निर्मल सिंह और एसएचओ गुरनाम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे व शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद आरोपी बस ड्राइवर मौके से भाग गया।

जिया लाल के बेटे राहुल ने होटल मैनेजमेंट का कोर्स किया हुआ है। घर में राहुल के रिश्ते की बात चल रही थी। करीब 2 साल पहले जिया लाल ने अपनी बेटी सपना का विवाह किया था। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। हादसे का आरोपी जल्द ही पुलिस गिरफ्त में होगा।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL

To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

स्वर्गीय श्री प्रेम लाल गर्ग
(10.10.1942 - 12.04.2018)

आदरणीय पिताजी, आपकी आठवीं पुण्यतिथि पर, आपकी स्मृति में आपको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए, हम आपको सादर नमन करते हैं। आपका आदर्श जीवन हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। महेश एवं नीलम (पुत्र एवं पुत्रवधु) मीना एवं स्व. अनिल सिंघल (पुत्री एवं दामाद) मंजू एवं नरेश जैन (पुत्री एवं दामाद) Dr. शुभम गर्ग (पौत्र), Advocate इशिका गर्ग (पौत्री) डॉक्टर सचिन सिंघल IPS (धेवता) कैप्टन पारस जैन & कैप्टन मयंक जैन (धेवते) PremSang Developers.Rohini. Mob 9312241779, 9818447779.

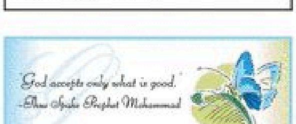

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-04-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP6 User: cci Time: 04-11-2026 21:15 Color:

मल्टिपल लव : क्योंकि प्यार सिर्फ एक इंसान से नहीं हो सकता

■ नमिता जोशी

हम सबको बचपन से एक ही कहानी सुनाई गई कि एक होगा, वही होगा, उसी में सब कुछ होगा। वही दोस्त, वही सलाहकार, वही ट्रैवल पार्टनर, वही कॉमेडियन और वही दोस्त होगा, वही एक फिलॉसफर। अब बेचारा इंसान है, कोई स्विस आर्मी नाइफ तो है नहीं कि हर काम के लिए एक ही में अलग-अलग ब्लेड निकल आएं। जी हां, आज उस सच पर से पर्दा उठाते हैं, जिसे हम सब जानते तो हैं, लेकिन मानने से कतराते हैं। क्या इंसान वाकई एक वक्त में सिर्फ एक ही इंसान से प्यार कर सकता है? या फिर हमारा दिल एक मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग है, जिसमें अलग-अलग फ्लैट्स में अलग-अलग लोग रह सकते हैं? यह सवाल थोड़ा पेचीदा है, थोड़ा क्रांतिकारी है, लेकिन बेहद जरूरी है।

फिल्म डियर जिंदगी का वह सीन याद है? जिसमें आलिया भट्ट, शाहरुख खान (जो फिल्म में एक थेरेपिस्ट हैं) से रिश्तों की उलझन सुलझा रही है। आलिया पूछती है - क्या परफेक्ट रिलेशनशिप जैसी कोई चीज होती है, जस्ट वन स्पेशल रिश्ता, सोल मेट वाला? इस पर शाहरुख खान एक बड़ा ही गहरा और सुकून देने वाला जवाब देते हैं - एक स्पेशल रिश्ता क्यों? जिंदगी में अलग-अलग अहसासों के लिए अलग स्पेशलिस्ट होने चाहिए। स्पेशल म्यूजिकल रिश्ता, जिसका म्यूजिक का टेस्ट हमसे मैच करता हो। स्पेशल 'कॉफी पीने वाले' रिश्ता, जिसके साथ धड़ल्ले से कभी भी कॉफी पीने जाया जाए, लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं। स्पेशल गॉसिप रिश्ता, जिसके साथ फुस-फुस कर सकें या स्पेशल इंटेलेक्चुअल रिश्ता, जिसके साथ हम घंटों एक किताब पर डिस्कस कर सकें। इतने सारे अलग-अलग कामों का बोझ एक ही रिश्ते या सोलमेट पर क्यों?

शाहरुख की बात सोलह आने सच लगती है। हम अक्सर एक ही इंसान यानी अपने 'सोलमेट' में अपना प्रेमी, सबसे अच्छा दोस्त, गॉसिप पार्टनर, इंटेलेक्चुअल साथी, ट्रैवल बडी, सब कुछ ढूंढने लगते हैं। यह बिल्कुल वैसा है जैसे आप एक ही दुकान से पनीर, कपड़े, कार का टायर, बिजली का सामान खरीदना चाहें। मुमकिन है कि वह दुकान सब कुछ रखती हो, लेकिन क्या हर चीज की क्वालिटी वैसी होगी जैसी आपको चाहिए? शायद नहीं।

जरा इस नजरिए से सोचें - एक इंसान को किताबें पढ़ने का बेहद शौक है। उसका रोमांटिक पार्टनर किताबें बिल्कुल नहीं पढ़ता। अब क्या वह इंसान अपनी इस भूख को मार दे? नहीं, वह एक स्पेशल इंटेलेक्चुअल रिश्ता बनाएगा, किसी ऐसे दोस्त के साथ जिसके साथ वह घंटों किताबों पर चर्चा कर सके। क्या यह उसके रोमांटिक पार्टनर के साथ धोखा है? नहीं, यह तो एक जरूरत को पूरा करना है, ताकि वह अपने रोमांटिक रिश्ते में ज्यादा खुश और संतुष्ट रह सके। ऐसा करने से रोमांटिक पार्टनर के सिर का बोझ, गिल्ट या टेंशन भी कम होगा कि वह आपसे किताबों के बारे में डिस्कस नहीं कर पाता। आप भी जबरन अपने पार्टनर पर अपनी पसंद थोपने और उसे अपनी तरह बनाने का प्रेशर डालने से बचेंगे।

और सोचिए कि अगर आपको म्यूजिक का भी बहुत शौक है और आपके पार्टनर और किताब वाले दोस्त को बिल्कुल नहीं, तो क्या आप अपने इस शौक को दबाएंगे या उनसे जबरदस्ती उम्मीद करेंगे कि वे भी वही पसंद करें। क्यों न एक ऐसा तीसरा दोस्त हो, जिसके साथ आप गाने सुन सकें, कॉन्सर्ट्स में जा सकें। इससे न आपका शौक मरेगा, न आपके रिश्ते पर दबाव पड़ेगा।

यहीं से शुरुआत होती है उस सोच की, जिसे हम 'मल्टीपल लव' या कई लोगों से प्यार कह सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे, यहां प्यार का

AI image

मतलब सिर्फ वह रोमांटिक वाला, आंखों में आंखें डालकर गाना गाने वाला प्यार नहीं है। प्यार के कई रंग, कई रूप हैं और इंसानों के भी कई रूप, कई रंग हैं। कोई भी इंसान सर्वगुण-संपन्न नहीं होता। किसी में कुछ खूबियां हैं, तो किसी में कुछ और। इसलिए आपको कभी कोई अच्छा लगता है, तो कभी कोई और। और इस तरह आप एक साथ कई लोगों से, अलग-अलग वजहों से, अलग-अलग तरह का जुड़ाव या लगाव महसूस कर सकते हैं। कुछ लोगों के साथ यह जुड़ाव केवल काम चलाऊ दोस्ती तक सीमित रहता है, कुछ के साथ गहरे लगाव में बदल जाता है। कुछ संबंध थोड़े समय के बाद खत्म हो जाते हैं, कुछ जुड़ाव लंबे समय तक चलते हैं।

सीक्रेट डायरीज़ — अनकही बातें

अगर ये रिश्ते केवल कॉमन इंटरेस्ट के कारण बन रहे हैं तो हम इसे प्यार नहीं कह सकते। मसलन कल आपने मुहल्ला या शहर बदल लिया और उस व्यक्ति से आपका मिलना कम हो गया तो आप कोई और ऐसा व्यक्ति चुन सकते हैं जो वही रुचियां रखता हो। यह प्यार नहीं है।

प्यार के लिए किसी भी रिश्ते में कम-से-कम इन तीन बातों का होना जरूरी है - 1. आपको उस व्यक्ति का साथ पसंद हो 2. आपको उसके सुख-दुख की फिक्र हो और 3. वह आपके साथ अपनी अंतरंग बातें शेयर करता/करती हो। अब ये तीन बातें ऐसी तो नहीं जो गलत हों या अस्वाभाविक हों। आप किसी के साथ इंटरेस्ट शेयर करते हैं तो आपको उसका साथ पसंद होगा ही। अगर यह साथ लंबा चला तो आपको एक-दूसरे के सुख-दुख की बातें भी करेंगे और जब सुख-दुख की बातें होंगी तो उन बातों को भी डिस्कस किया जाएगा, जिनके कारण उसके जीवन में परेशानी है या खुशी है।

क्या इस तरह का प्यार आपके जीवन में दो-चार लोगों से हो तो क्या यह तो क्या यह चरित्रहीनता है? बिल्कुल नहीं। यह एक बहुत बड़ी गलतफहमी है। प्यार जरूरी नहीं कि हमेशा शारीरिक हो। शाहरुख की बात को ही लें - क्या उस कॉफी पार्टनर या गॉसिप पार्टनर के साथ आपका रिश्ता शारीरिक होता है? नहीं, वह एक मानसिक और भावनात्मक जुड़ाव है। यह समझना बहुत जरूरी है कि हर प्यार शारीरिक आकर्षण से नहीं उपजता, न ही हर प्यार शारीरिक संबंधों पर जाकर समाप्त होता है।

दुनिया भर में अब इस पर बातचीत भी बढ़ रही है। 'इमोशनल मोनोगैमी' और 'सोशल मोनोगैमी' जैसे कॉन्सेप्ट सामने आ रहे हैं, जहां लोग यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि वफादारी का मतलब सिर्फ एक व्यक्ति तक सीमित रहना नहीं, बल्कि ईमानदार और पारदर्शी रहना भी है। और दिलचस्प बात यह है कि जिन लोगों के जीवन में अलग-अलग तरह के कनेक्शन होते हैं, वे अक्सर अपने रोमांटिक संबंध में कम घुटन महसूस करते हैं क्योंकि वहां हर जरूरत का हिसाब नहीं मांगा जा रहा होता। तो शायद सवाल यह नहीं है कि एक इंसान कितनों से जुड़ा है। सवाल यह है कि वह अपने जुड़ाव को कितना समझता है और कितनी ईमानदारी से जीता है।

चैलेंज कहां आता है? चैलेंज आता है इस बात को समझने और समझाने में। समाज ने हमें सिखाया है कि प्यार का मतलब है सिर्फ एक। इसलिए जब हम एक से ज्यादा लोगों के लिए कुछ महसूस करते हैं, तो हमें लगता है कि हम कुछ गलत कर रहे हैं। लेकिन अगर हम खुद में क्लियर हैं, अगर हमें पता है कि हम किस इंसान को क्यों पसंद करते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है।

क्या आपको ऐसी साइकोलॉजी रिसर्च के बारे में पता है जो कहती है कि हमारी भावनात्मक जरूरतें इतनी तरह तरह की हैं कि उन्हें एक ही व्यक्ति पूरा नहीं कर सकता? रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि अपने रोमांटिक पार्टनर पर अपनी हर जरूरत को पूरा करने का दबाव डालना, रिश्ते के टूटने की एक बड़ी वजह बनता है। जब हम अपनी सारी ख्वाहिशों का बोझ एक ही 'सोलमेट' पर डाल देते हैं, तो वह बेचारा उस बोझ तले दब जाता है।

मनोविज्ञान भी धीरे-धीरे यही बात कह रहा है। रिलेशनशिप स्टडीज में एक कॉन्सेप्ट आता है डाइवर्सिफाइड इमोशनल नेटवर्क का। मतलब यह कि इंसान अपनी अलग-अलग भावनात्मक जरूरतों को अलग-अलग रिश्तों से पूरा करता है। एक रिसर्च में पाया गया कि जिन लोगों के पास दोस्ती, परिवार और साथी जैसे अलग-अलग सपोर्ट सिस्टम होते हैं, वे ज्यादा संतुलित और कम तनाव में रहते हैं। क्योंकि उनकी सारी उम्मीदें एक ही व्यक्ति पर टिकी नहीं होतीं।

अगर कोई इंसान अपने रोमांटिक पार्टनर को यह बात समझाने में कामयाब हो जाए कि अलग-अलग लोग उसकी जिंदगी में अलग-अलग खाली जगहों को भरते हैं और इसका उसके मुख्य रिश्ते से कोई लेना-देना नहीं है, तो सबकी जिंदगी कितनी आसान हो जाए। लोग बेवजह एक-दूसरे को जज करना छोड़ दें।

गड़बड़ी तब होती है जब हम यह सोचने लगते हैं कि जिसमें 'कुछ' खासियतें हैं, उसमें 'सभी' खासियतें होनी चाहिए। किसी एक खासियत के चलते यदि आपसे प्यार किया जा सकता है, तो किसी और खासियत के कारण किसी और को भी पसंद किया जा सकता है। यह कोई पाप नहीं है, यह तो मानवीय स्वभाव है।

इसलिए, इस 'सोलमेट' के मिथक को तोड़िए। अपने दिल के दरवाजे खोलिए और अलग-अलग तरह के रिश्ते बनाइए। किसी के साथ कॉफी का मजा लीजिए, किसी के साथ गंभीर चर्चा कीजिए, किसी के साथ सिर्फ पाकिस्तानी ड्रामों पर गॉसिप कीजिए और किसी के साथ रोमांटिक शामें गुजारिए। हर जरूरत का बोझ अपने उस एक 'खास' रिश्ते पर मत डालिए। यकीन मानिए, इससे आपकी जिंदगी और आपके रिश्ते दोनों ज्यादा खूबसूरत और मजेदार हो जाएंगे।

बस इतना ध्यान रहे कि इन दूसरे 'प्यारों' के साथ समय बिताने के चक्कर में आप अपने पार्टनर के साथ बिताए जाने वाले समय में कमी न कर दें।

हमें बताएं: इस पर क्या है आपकी राय, हमें sundaynbt@timesofindia.com पर ईमेल करें या वॉट्सऐप नंबर 89298-16941 पर भेजें।

मंदिर-मस्जिद-दरगाह: महिलाओं के अधिकारों पर अब होगा फैसला

Law Guru — राजेश चौधरी

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों वाली संविधान पीठ ने ऐसी सुनवाई शुरू की है, जिसका असर सिर्फ केरल के सबरीमाला मंदिर तक सीमित नहीं रहेगा। यह मामला अब व्यापक संवैधानिक बहस में बदल चुका है, जिसमें अलग-अलग धर्मों में महिलाओं के प्रवेश, धार्मिक प्रथाओं की वैधता, संप्रदायों की स्वायत्तता, समानता के अधिकार, गरिमा, धार्मिक स्वतंत्रता और न्यायिक समीक्षा की सीमा जैसे बड़े सवाल शामिल हैं। अदालत केवल एक मंदिर या एक परंपरा का परीक्षण नहीं कर रही, बल्कि यह तय करने जा रही है कि महिलाओं के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाएगा।

कोर्ट तक कैसे पहुंचा?

सितंबर 2018 में पांच जजों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से फैसला दिया था कि केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर रोक असंवैधानिक है। यह अधिकारों का उल्लंघन करती है। इसके खिलाफ रिव्यू पिटिशन दाखिल हुई। जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ ने मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया। अदालत ने माना कि यह विवाद अकेला नहीं है। मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद प्रवेश, पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर प्रवेश और अन्य धार्मिक प्रथाओं से जुड़े समान संवैधानिक प्रश्न भी लंबित हैं।

9 जजों की बेंच के सामने कौन-कौन से है मामले?

■ **सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मामला:** यह मूल विवाद है। सवाल यह है कि मंदिर में आयु या जैविक अवस्था के आधार पर महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगाई जा सकती है।

■ **मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद और दरगाह में प्रवेश का मामला:** याचिकाओं में कहा गया है कि मुस्लिम महिलाओं को मस्जिदों में प्रवेश से रोकना समानता, गरिमा, जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है।

■ **गैर-पारसी से शादी करने वाली पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश का मामला:** लंबे समय से यह विवाद रहा है कि यदि कोई पारसी महिला गैर-पारसी पुरुष से विवाह कर ले, तो क्या उसे फायर टेंपल में प्रवेश का अधिकार रहेगा?

■ **दाऊदी बोहरा समुदाय में महिलाओं, बच्चियों से जुड़ी प्रथा:** बच्चियों के खतना यानी महिला जननांग विकृति (FGM) की प्रथा को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह मानवाधिकार, गरिमा का उल्लंघन है।

कोर्ट के सामने कौन-कौन से है बड़े कानूनी सवाल?

सुप्रीम कोर्ट ने प्रमुख संवैधानिक सवाल तय किए हैं। यही इस सुनवाई का केंद्र है।

■ **अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा क्या है:** हर व्यक्ति को धर्म मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता देता है।

■ **व्यक्ति के अधिकार और धार्मिक संप्रदाय के अधिकार में संतुलन कैसे हो:** अनु. 26 धार्मिक संप्रदायों को धार्मिक मामलों का प्रबंधन का अधिकार देता है।

■ **क्या अनुच्छेद 26 के अधिकार संविधान के भाग-3 के अन्य प्रावधानों के अधीन है:** धार्मिक संप्रदायों को मिले अधिकार क्या केवल सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य तक सीमित हैं या उन्हें समानता, गरिमा जैसे अन्य मौलिक अधिकारों के अधीन भी पढ़ा जाएगा?

■ **धार्मिक प्रथाओं की न्यायिक समीक्षा की सीमा क्या है:** क्या अदालत यह जांच सकती है की कोई प्रथा धर्म का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं। क्या अदालत यह देख सकती है कि कोई धार्मिक प्रथा भेदभावपूर्ण है। यही वह बिंदु है जहां 'essential religious practices' सिद्धांत की सीमा पर बहस हो रही है।

■ **अनुच्छेद 25(2)(b) में हिंदुओं के वर्ग का अर्थ क्या है:** यह हिंदू धार्मिक संस्थानों में प्रवेश और सुधार से जुड़ा है। अदालत को तय करना है कि sections of Hindus की संवैधानिक व्याख्या क्या होगी?

■ **क्या बाहरी व्यक्ति PIL के जरिए किसी धार्मिक प्रथा को चुनौती दे सकता है:** कोई व्यक्ति उस धर्म या संप्रदाय से संबंधित नहीं है, तो क्या वह जनहित याचिका के माध्यम से प्रथा को चुनौती दे सकता है? यह प्रश्न भविष्य की कई याचिकाओं की स्वीकार्यता तय करेगा।

सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना की अहम टिप्पणी

बीवी नागरत्ना ने कहा कि किसी महिला को महीने के तीन दिन अछूत नहीं माना जा सकता और चौथे दिन यह स्थिति खत्म नहीं हो सकती। यह टिप्पणी उस बहस के दौरान आई, जब 2018 के सबरीमाला फैसले में महिलाओं के प्रवेश पर रोक को अनुच्छेद 17 के तहत अस्पृश्यता से जोड़ने पर सवाल उठे।

केंद्र सरकार का स्टैंड क्या है?

सरकार ने कहा है कि ऐसे मामलों में अदालत को बहुत सीमित दखल देना चाहिए। यह मामला धार्मिक आस्था, परंपरा और संप्रदायिक स्वायत्तता से जुड़ा है। हर धार्मिक प्रथा को आधुनिकता, वैज्ञानिकता या न्यायिक संवेदनशीलता के पैमाने पर नहीं परखा जा सकता। आखिर में यही कहा जा सकता है कि मामले को व्यापक आयाम दे दिया गया है। 9 जजों की संवैधानिक बेंच का फैसला आगे का हल देगा।

अतीत का आईना

आलोक शर्मा

क्या नासा का मिशन कामयाब हो पाएगा? क्या अंतरिक्ष यान में सवार तीनों यात्री सकुशल पृथ्वी पर लौट पाएंगे? ये यान कहीं अंतरिक्ष में ही तो नहीं खो जाएगा? आज से करीब 58 साल पहले इसी तरह के सवाल लोगों के ज़ेहन में सात दिनों तक घुमड़ते रहे। शुरुआत हुई 21 दिसंबर 1968 को जब मानवता ने इतिहास रचा। पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण को पहली बार चुनौती देते हुए नासा का अपोलो-8 चांद की ओर बढ़ा। जानते हैं उन्हीं सात दिनों के बारे में जब दुनिया भर की निगाहें टिकी थी इस खास मिशन पर।

करीब 58 साल पहले सात दिनों के लिए दुनिया भर की निगाहें टिकी थीं चांद के लिए निकले अपोलो-8 मिशन पर

वो सात दिन!

करीब 6 दशकों के फासले की ये तस्वीरें बताती हैं चांद के लिए इंसानी हसरत

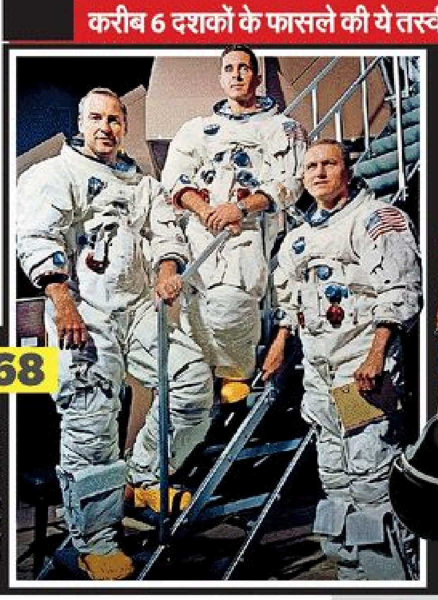

1968 के अपोलो-8 मिशन के अंतरिक्ष यात्री फ्रैंक बोर्मन, विलियम ऐन्डर्स और जेम्स लोवेल।

2026 के आर्टेमिस II मिशन के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन

दिसंबर 24: क्रिसमस का उपहार

अपोलो-8 पृथ्वी से लगभग 3,70,000 किलोमीटर दूर पहुंच चुका था। क्रिसमस के एक दिन पहले, दोपहर 3:29 बजे (भारतीय समय) दुनिया को बेजोड़ उपहार मिला-अपोलो-8 ने चांद की कक्षा में प्रवेश कर लिया। हालांकि इससे करीब 10 मिनट पहले, जब यान चांद के पीछे पहुंचा, उसका संपर्क कुछ देर के लिए नासा स्टेशन से कट गया था और सबकी सांसें थम गई थीं।

चांद के पीछे का दृश्य तीनों यात्रियों के लिए अभूतपूर्व था क्योंकि पहली बार किसी इंसान ने इसे अपनी आंखों से देखा था। जब पृथ्वी से पूछा गया कि चांद कैसा दिखता है, तो लोवेल ने जवाब दिया, 'प्लास्टर ऑफ पेरिस की तरह-या धूसर समुद्री बालू चारों ओर फैली हो जैसे।' ऐन्डर्स ने बताया कि कोलंबो और गुटेनबर्ग जैसे क्रेटर्स (गड्ढे) साफ नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है जैसे किसी ने इन पर मिसाइल से हमला किया हो-या यों कहिए कि कोई उल्कापिंड उन पर आ गिरे हों।'

शाम करीब 7:30 बजे अपोलो-8 ने चांद की तीसरी परिक्रमा शुरू की। यह पहली अंडाकार परिक्रमा थी। दसों परिक्रमाओं के दौरान अंतरिक्ष यात्री लगातार तस्वीरें लेकर पृथ्वी भेजते रहे। दुनिया को ऐसा क्रिसमस तोहफा पहली बार मिल रहा था।

दिसंबर 25: निकलना चांद की कक्षा से

करीब 20 घंटे चांद की कक्षा में रहने के बाद पृथ्वी पर वापसी शुरू हुई। नीचे पृथ्वी पर उत्साह के साथ तनाव भी था। दुनिया भर के गिरजाघरों में तीनों की सलामती के लिए प्रार्थनाएं की गई। नासा के फ्लाइट कंट्रोलर्स बेहद बेचैन थे। अगर इंजन फेल हो जाता और अपोलो-8 चांद की कक्षा से बाहर नहीं निकल पाता, तो तीनों की मौत तय थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, ऐसी स्थिति में ऑक्सीजन खत्म होने पर उनकी धीमी लेकिन पीड़ारहित मौत होती। लेकिन तमाम आशंकाएं गलत साबित हुईं। ठीक 11:40 बजे अपोलो-8 चांद की कक्षा से बाहर निकल आया। पृथ्वी पर खुशी की लहर दौड़ गई। 'सांता क्लॉस इस दुनिया में वाकई है,' प्रसन्नता से भरे एक यात्री ने नासा को संदेश भेजा। कुछ ही देर बाद यान पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में दाखिल हो गया।

दिसंबर 26: सटीक वापसी

दिसंबर 26 की सुबह अपोलो-8 पृथ्वी से सिर्फ 1,27,000 मील दूर रह गया था। बोर्मन ने ग्राउंड कंट्रोल को संदेश भेजा, 'हम तीनों एकदम स्वस्थ हैं। हम सात-सात घंटे सोए हैं।' वापसी इतनी सटीक थी कि उड़ान पथ में जिन तीन बदलावों की योजना बनाई गई थी, उनकी जरूरत ही नहीं पड़ी। तीनों यात्री अब अपने परिवारों से मिलने को बेताब थे। प्रशांत महासागर में लैंडिंग में अब कुछ ही घंटे बाकी थे।

दिसंबर 27: नील आर्मस्ट्रांग का नाता

भोर होने में लगभग एक घंटा बचा था, लेकिन पृथ्वी पर लाखों लोग जाग रहे थे। समूचे विश्व का इंतजार 4:50 बजे (स्थानीय हवाइयन समय) खत्म हुआ। भारत में उस वक्त रात के 9:20 बजे थे, जब अपोलो-8 का कमांड मॉड्यूल पैराशूट के जरिए प्रशांत महासागर में उतरा। हवाई द्वीप के 1100 मील दक्षिण-पूर्व में हुई यह लैंडिंग एकदम सटीक थी। कमांड मॉड्यूल रिकवरी शिप यॉर्कटाउन से महज 3800 मीटर दूर उतरा। लैंडिंग के कुछ समय पहले जब मॉड्यूल पृथ्वी के वायुमंडल में ध्वनि की 30 गुना गति से दाखिल हुआ, तो लोवेल की आवाज सुनाई दी-'ये वाकई आग के गोले जैसा नजारा है।' दरअसल, लोवेल उस विजुअल इफेक्ट को बयां कर रहे थे, जिसका उन्हें मॉड्यूल के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश होने पर अनुभव हुआ।

तीनों यात्रियों की वापसी का स्वागत करने वालों में दो लोग ऐसे भी थे जो सात महीने बाद पूरी दुनिया के हीरो बनने वाले थे-नील आर्मस्ट्रांग और एडविन एल्ड्रिन। ये दोनों अपोलो-8 के बैकअप क्रू का हिस्सा थे। तब उन्हें भी नहीं पता था कि सात महीने बाद नील चांद पर कदम रखने वाला पहला इंसान होगा और एडविन दूसरा।

दिसंबर 21, 1968: एक 'रिस्की' प्रयोग

फ्लोरिडा के केप कैनेडी में अभूतपूर्व चहल-पहल थी। सूर्योदय से काफी पहले ही तटों पर लोगों का हुजूम जमा होने लगा था। पृथ्वी की कक्षा से बाहर अभी तक कोई यान नहीं जा पाया था। सुबह ठीक 7:51 पर (भारतीय समय शाम 6:21) अपोलो-8 ने कैनेडी स्पेस सेंटर से चांद की ओर उड़ान भरी। वहां मौजूद हजारों लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। लिफ्टऑफ के साथ ही अपोलो-8 ने जैमिनी 11 के पायलटों का दो साल पहले बनाया 1374 किलोमीटर ऊंचाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह रिकॉर्ड सैटर्न 5 सुपर रॉकेट की बदौलत टूटा था, जिसने अपोलो-8 को "जमीन हिला देने वाली गरज के साथ" चांद की ओर भेजा। लिफ्टऑफ अटलांटिक महासागर के पास हुआ था। लेकिन ये कारनामा कई हजार किलोमीटर दूर तक ट्रैक किया जा रहा था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, हवाई स्थित नासा स्टेशन के ग्राउंड ट्रैकर्स ने कहा कि उन्होंने "वाकई इंजन को अपोलो-8 को चांद की ओर फायर करते हुए देखा।"

कुछ ही देर बाद नासा वैज्ञानिकों ने राहत की सांस ली। सब कुछ ट्रैक पर था। फ्लाइट डायरेक्टर क्रिस क्राफ्ट ने रेडियो संदेश में कहा, 'तुम लोग वाकई सही जा रहे हो, सही दिशा में बढ़ रहे हो।' लेकिन इसके बावजूद दुनिया के एक बड़े तबके में बेचैनी थी। अपोलो-8 में सवार मिशन के मुखिया अमेरिकी एयर फोर्स के कर्नल फ्रैंक बोर्मन और उनके साथी विलियम ऐन्डर्स व जेम्स लोवेल की सलामती को लेकर। सोवियत संघ रक्षा मंत्रालय के दैनिक अखबार, रेड स्टार, ने लिखा कि लिफ्टऑफ एक बेहद 'रिस्की प्रयोग' था।

दिसंबर 22: चैन की सांस

करीब 3,500 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ते हुए अपोलो-8 चांद तक का आधे से ज्यादा सफर पूरा कर चुका था। करीब 62,500 मील की ऊंचाई पर यान के मुख्य इंजन का पहला टेस्ट और पहला मिड-कोर्स करेक्शन किया गया। यह परीक्षण प्रक्षेप पथ को सही बनाए रखने के लिए बहुत अहम था, खासकर चांद की कक्षा में प्रवेश और उससे बाहर निकलने के लिए। यांत्रिक विफलता की स्थिति में यान के चांद पर क्रैश होने या अंतरिक्ष में खो जाने का खतरा था। इसलिए टेस्ट के सफल होते ही यात्रियों और नासा कंट्रोल रूम ने चैन की सांस ली।

इसी दौरान लोवेल ने बताया कि दूरबीन से देखने पर चांद और पृथ्वी दोनों नीली चादर से ढके नजर आ रहे थे। 'सूरज भी बहुत साफ दिख रहा है, पृथ्वी भी और बहुत महीन दूज का चांद भी,' उन्होंने संदेश भेजा। सब कुछ ठीक चल रहा था। बस मिशन के मुखिया बोर्मन की तबीयत जरा-सी बिगड़ी हुई थी, वायरल अटैक के कारण।

दिसंबर 23: अचूक नेविगेशन

अंतरिक्ष यान अब पृथ्वी से दो दिन और करीब 1 लाख 64 हजार मील दूर पहुंच चुका था और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बाहर निकल रहा था। नासा कंट्रोल रूम में फ्लाइट कंट्रोलर गिलन लुने ने कहा, 'चांद की कक्षा में प्रवेश के लिए सब इंतजाम ठीक हैं। तीनों यात्री भी एकदम ठीक हैं।' उन्होंने यान के नेविगेशन को "अचूक" बताया।

हालांकि एक समस्या थी। यात्रियों ने खबर दी कि यान की दोनों तरफ वाली खिड़कियां कोहरे से धुंधली पड़ गई थीं। नासा के वैज्ञानिक इसे लेकर चिंतित थे क्योंकि इससे चांद और पृथ्वी की तस्वीरें लेने में बाधा हो सकती थी। ये तस्वीरें लेना मिशन का महत्वपूर्ण उद्देश्य था। इस बीच उन्हें बस बात की तसल्ली थी कि कम से कम यान के सामने वाली दोनों खिड़कियों से नजारा फिलहाल एकदम साफ नजर आ रहा था।

चचेरे भाई ने टैटू से की पहचान

■ नवीन निश्चल, निहाल विहार

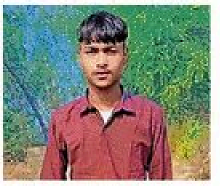

3 अप्रैल से था लापता, FIR के लिए एक थाने से दूसरे थाने दौड़ाती रही पुलिस

आउटर दिल्ली के निहाल विहार थाना इलाके में रहने वाला अरुण (19) कई दिनों से लापता था। काफी खोजबीन के बाद भी जब पता नहीं चला तो उसके एक दोस्त को परिवारवालों ने पकड़ा। फिर उसे निहाल विहार थाना लेकर गए। लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। इसी बीच पता चला कि अरुण को लेकर उसके दोस्त बादली नहर लेकर गए थे। परिवार वाले फिर बादली थाना पहुंचे। वहां पता चला कि 7 अप्रैल को एक लड़के की डेड बॉडी मिली थी जो बुरी तरह खराब हो चुकी थी। मृतक के भाई करण ने बताया कि चेहरे से पहचान नहीं हो रहा था। लेकिन जब हाथ पर टैटू देखा और कपड़ा तब उसकी पहचान की। उसके बाद बादली थाना की पुलिस ने मामले में कार्रवाई करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा जिस थाना इलाके में रहते हैं वहां की पुलिस इसमें कार्रवाई करेगी।

हालांकि काफी भागदौड़ के बाद आखिरकार बादली थाना की पुलिस ने छानबीन शुरू की। मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि इस मामले में बादली पुलिस ने अरुण के दो दोस्तों को पकड़ा है। जिसमें एक नाबालिग है। तीसरा युवक अभी फरार है जिसे पुलिस तलाश रही है। परिवार का आरोप है कि अरुण की हत्या की गई है। शुक्रवार को उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। अरुण परिवार के साथ निहाल विहार थाना इलाके के अध्यापक नगर कॉलोनी में रहता था। उसे 3 अप्रैल को दो दोस्त दिन में बुलाने घर आए थे। लेकिन उस रात अरुण घर नहीं लौटा। कई दिनों तक परिवारवालों ने खोजबीन की।

ड्रग सिंडिकेट की किंगपिन और मकोका आरोपी अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: शाहदरा जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने ड्रग सिंडिकेट की किंगपिन और मकोका आरोपी महिला कुसुम (54) को गिरफ्तार किया है। कुसुम एक घोषित अपराधी थी। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने 50 हजार का इनाम भी घोषित किया था। वह मकोका एक्ट के तहत भी वांछित थी और लंबे समय से फरार चल रही थी।

पुलिस ने घोषित कर रखा था 50 हजार का इनाम

शाहदरा जिला के DCP राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि महिला किंगपिन कुसुम को गिरफ्तार करने के लिए पिछले 2 महीने तक मल्टी-स्टेट ऑपरेशन चलाकर तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन को इंस्पेक्टर महेश कसाना के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में SI इस्माइल, ASI सुल्तान, नजीर, प्रमोद, महिला हेड कॉन्स्टेबल मिथलेश, कॉन्स्टेबल शाहिद और लवप्रीत शामिल थे। 9 अप्रैल को सटीक जानकारी मिलने के बाद पकड़ लिया गया।

एयरपोर्ट परिसर में न दें कुत्तों को खाना

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एयरपोर्ट प्रशासन ने लोगों से की अपील

इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर हाल ही में आवारा कुत्तों से जुड़ी आक्रामक घटनाओं का हवाला देते हुए एयरपोर्ट प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वो एयरपोर्ट परिसर या उसके आसपास, आवारा कुत्तों को खाना ना खिलाएं और उनसे दूरी बनाए रखें। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से शनिवार को X पर कुछ विडियो भी पोस्ट किए हैं, जिनमें कुत्तों का यात्रियों के लिए आक्रामक बर्ताव नजर आ रहा है। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि यात्रियों और कर्मचारियों के साथ हुई इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कदम उठाए जाएंगे, यात्रियों की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

संबंधित सरकारी एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं। प्रबंधन के अनुसार, कुछ मामलों में कुत्तों के आक्रामक व्यवहार और काटने की घटनाएं सीसीटीवी फुटेज में भी सामने आई हैं। इन घटनाओं ने न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि एयरपोर्ट परिसर की व्यवस्था पर भी ध्यान आकर्षित किया है।

इससे पहले पिछले हफ्ते कुछ यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई थी कि वे सालों से एयरपोर्ट परिसर में रह रहे बेघर, बुजुर्ग और शांत कुत्तों को क्रूर तरीके से दूसरी जगह शिफ्ट कर रहे हैं और उनका पता भी नहीं बताया जा रहा है।

रोडरेज में गृह मंत्रालय के अधिकारी को हेलमेट से मारा

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

अस्पताल में भर्ती, आरोपी को तलाश रही पुलिस

चाणक्यपुरी इलाके में एक मामूली टक्कर के बाद बाइक सवार ने कार चला रहे शख्स पर हेलमेट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायल की पहचान 55 वर्षीय रविंदर दहिया के रूप में हुई है, जो गृह मंत्रालय में सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गैर इरादतन हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार रविंदर दहिया परिवार के साथ पालम कॉलोनी के राज नगर-1 में रहते हैं और शास्त्री भवन में कार्यरत हैं। घटना 9 अप्रैल की शाम करीब 7:30 बजे की है जब वह ऑफिस से अपनी कार से घर लौट रहे थे।

सूत्रों के अनुसार पीड़ित जब विनय मार्ग स्थित पेट्रोल/CNG पंप पर बाईं ओर मुड़े, तभी पीछे से आए एक बाइक सवार ने उनकी कार में बाईं ओर टक्कर मार दी। टक्कर मामूली थी और बाइक सवार भी नहीं गिरा, लेकिन इसके बाद विवाद बढ़ गया। शिकायत के मुताबिक, बाइक सवार गाड़ी खड़ी कर पीड़ित के पास आया और गाली-गलौज करने लगा। रविंदर दहिया के अनुसार, आरोपी के मुंह से बदबू आ रही थी। उन्होंने उसे दूरी बनाकर बात करने को कहा, लेकिन वह और उग्र हो गया। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने हाथ में पकड़े हेलमेट से पीड़ित के सिर पर कई वार कर दिए। हमले के चलते पीड़ित मौके पर ही बेहोश होकर गिर गए।

साइबर ठगी: 14 जालसाज पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह गिरोह 'म्यूल बैंक अकाउंट' के जरिए फर्जी निवेश, पार्ट-टाइम नौकरी और अन्य ऑनलाइन स्कीम के नाम पर ठगते थे। आरोपियों से 79 हजार, 28 फोन, 17 पासबुक, 3 लैपटॉप और 23 ATM कार्ड बरामद हुए।

खादी ग्रामोद्योग भवन
खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग

सूचना–औद्योगिक परामर्श (प्री–आरएफपी चरण)

खादी ग्रामोद्योग भवन (केजीबी), दिल्ली द्वारा वेयरहाउस प्रबंधन एवं लॉजिस्टिक्स सेवाओं हेतु एजेंसी के चयन के लिए औद्योगिक परामर्श आयोजित किया जा रहा है, जिसके लिए इच्छुक एजेंसियों से आमंत्रण किया जाता है। यह परामर्श तकनीकी प्रदाताओं, सेवा प्रदाताओं, सिस्टम इंटीग्रेटर्स, परामर्शदाताओं, स्टार्टअप्स एवं विषय विशेषज्ञों के लिए खुला है। इच्छुक एजेंसियां प्रश्नों एवं सहभागिता की पुष्टि हेतु इस सूचना में उल्लेखित ईमेल पर संपर्क कर सकती हैं।

संपर्क : निदेशक / महाप्रबंधक
ईमेल : kgbnewdelhi.kvic@gov.in | फोन : 011–41045702
प्रस्तुति की अंतिम तिथि : 21.04.2026
अधिक जानकारी हेतु देखें : https://kvic.gov.in/kvicres/tender.php

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in